नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 185 | नई दिल्ली, रविवार 01 सितम्बर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

एमी जैक्सन ने ब्रिटिश एक्टर की शादी ← पेज-12

एक नजर

आठ सितंबर से अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे राहुल गांधी

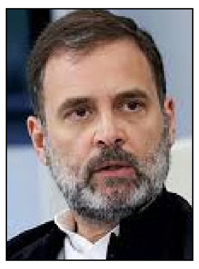

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी आठ सितंबर से अमेरिका की तीन दिन की यात्रा पर रहेंगे जहां वह टेक्सास विश्वविद्यालय में छात्राओं और शिक्षाविदों के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से बातचीत करेंगे।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने श्री गांधी की अमेरिका यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा के दौरान वह विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख लोगों के साथ ही डैलस क्षेत्र के राजनेताओं से भी विचार विमर्श करेंगे।

उन्होंने कांग्रेस नेता की यात्रा का विवरण देते हुए बताया कि श्री गांधी 8 सितंबर को डलास, टेक्सास और 9 तथा 10 सितंबर को वाशिंगटन डीसी का दौरा करेंगे। इस दौरान वह प्रवासी भारतीयों, टेक्नोक्रेट, बिजनेस लीडर, छात्र, मीडिया बिरादरी और राजनीतिक नेताओं से भी मिलेंगे।

श्री पित्रोदा ने बताया कि अमेरिका यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता टैक्सास विश्व विद्यालय में छात्रों से भी बातचीत करेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पुरस्कार के लिए 50 शिक्षक चयनित

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस वर्ष के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए 50 शिक्षकों का चयन किया है। इसके अलावा, उच्च शिक्षा विभाग के 16 शिक्षकों और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के 16 शिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा। इन सभी 82 शिक्षकों को 5 सितंबर को विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार चयनित 50 शिक्षक 28 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों और 6 संगठनों से हैं। इनमें से 34 पुरुष, 16 महिलाएं, 2 दिव्यांग और 1 सीडब्ल्यूएसएन के साथ कार्यरत हैं। कठोर पारदर्शी और ऑनलाइन तीन-चरणीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों को हर साल 5 सितंबर को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

हिमाचल प्रदेश में 72 सड़कों को किया गया बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में वर्षा के बाद 72 सड़कों को बंद कर दिया गया है और स्थानीय मौसम कार्यालय ने दो सितंबर को भी छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश होने की चेतावनी दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य आपात अभियान केंद्र के मुताबिक जिन 72 सड़कों को बंद किया गया है उनमें 35 शिमला में, 15 मंडी में, नौ कुल्लू में तथा एक-एक उना, सिरमौर तथा लाहौल एवं स्पीति जिलों में हैं। उसके अनुसार राज्य में वर्षा के कारण 10 विद्युत एवं 32 जलापूर्ति योजनाएं भी बाधित हुई हैं। केंद्र के मुताबिक 27 जून को मानसून के आगमन से अबतक राज्य में वर्षा जनित घटनाओं में 150 लोगों की मौत हो गयी है । राज्य को वर्षा के चलते 1265 करोड़ रुपये की नुकसान हुआ है। राज्य के कई हिस्सों में शुक्रवार शाम से रूक-रूक कर वर्षा हो रही है। सुंदरनगर में 44.8 मिलीमीटर (मिमी), शिलारू में 43.1 मिमी, जुब्बड़हट्टी में 20.4 मिमी, मनाली में 17 मिमी, शिमला में 15.1 मिमी, स्लेपर में 11.3 मिमी और डलहौजी में 11 मिमी बारिश हुई। स्थानीय मौसम कार्यालय ने दो सितंबर को राज्य में छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश, आंधी और बिजली गिरने का 'येलो' अलर्ट जारी किया है।

हरियाणा में वोटिंग की तारीख बदली

हरियाणा में 1 नहीं, 5 अक्टूबर को होगा विधानसभा चुनाव, जम्मू-कश्मीर के साथ 8 तारीख को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 1 अक्टूबर को नहीं होगा। चुनाव आयोग ने यह तारीख बढ़ाकर 5 अक्टूबर कर दी है। इसके साथ ही, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना दिवस को 4 अक्टूबर से बढ़ाकर 8 अक्टूबर कर दिया गया है। इस तरह दोनों ही राज्यों के चुनावी नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। आयोग की ओर से कहा गया, 'यह फैसला बिश्नोई समुदाय के मतदान के अधिकार और परंपराओं का सम्मान करने के लिए लिया गया है, जिन्होंने अपने गुरु जम्भेश्वर की याद में आसोज अमावस्या उत्सव समारोह में भाग लेने की सदियों पुरानी प्रथा को बरकरार रखा है।'

ईसीआई की ओर से कहा गया, 'आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख बदलने को लेकर अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा से आवेदन मिला था। इसमें कहा गया कि पंजाब, राजस्थान और हरियाणा के कई परिवार लंबे समय से चली आ रही परंपरा का पालन करते हैं। वे अपने गुरु जम्भेश्वर की स्मृति में बीकानेर जिले में होने वाले वार्षिक उत्सव के लिए राजस्थान में अपने पैतृक गांव मुकाम का दौरा करते हैं। इस साल यह त्योहार 2 अक्टूबर को पड़ेगा। इसलिए सिरसा, फतेहाबाद और हिसार में रहने वाले हजारों बिश्नोई परिवार मतदान के दिन राजस्थान की यात्रा करेंगे, जिससे वे वोटिंग के अधिकार से वंचित हो सकते हैं।'

पहले भी बदली गई हैं मतदान की तारीखें

चुनाव आयोग पहले भी विभिन्न समुदायों की भावनाओं का सम्मान करते हुए वोटिंग की तारीखें बदलता रहा है। उदाहरण के तौर पर 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव के दौरान ऐसा हुआ। एउ ने गुरु रविदास जयंती पर वाराणसी जाने वाले भक्तों के लिए चुनाव सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया था। इसी तरह, मणिपुर में 2022 के विधानसभा चुनाव में आयोग ने ईसाई समुदाय की रविवार की प्रार्थना का सम्मान करते हुए मतदान की तारीखें बदलीं। साल 2023 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में भी ऐसा हुआ। ईसी ने देवउठनी एकादशी पर होने वाली वोटिंग की डेट बदल दी, जो राजस्थान में सामूहिक विवाह के लिए महत्वपूर्ण दिन है। इतना ही नहीं, यूपी विधानसभा चुनाव 2012 में बारावफात के कारण मतदान की तारीख बदली गई थी। हरियाणा में मतदान की तारीख बदलने से 30 सितंबर को एक दिन की छुट्टी लेने से 6 दिन का ऑफ वाली चिंता का भी समाधान हो जाएगा।

हरियाणा में प्रत्याशी घोषित करने को लेकर मंथन

इससे पहले, चुनाव आयोग ने घोषणा की थी कि हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए 1 अक्टूबर को मतदान होगा। 4 अक्टूबर को इसके नतीजे घोषित करने का फैसला हुआ था। इस समय राजनीतिक दलों के भीतर अपने-अपने उम्मीदवार घोषित करने को लेकर मंथन जारी है। खबर है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरूक्षेत्र की लडवा सीट से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। भाजपा की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने यह जानकारी दी। करनाल में रोडशो से इतर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए सैनी ने कहा, मैं करनाल से भी चुनाव लड़ूंगा, आप चिंतित क्यों हैं। जब सैनी से पूछा गया कि क्या वह 2 सीट से नामांकन पत्र दाखिल करेंगे तो मुख्यमंत्री ने सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा, मैं करनाल से चुनाव लडूंगा। दिन में बडौली से जब पूछा गया था कि मुख्यमंत्री कहां से चुनाव लड़ेंगे तो उन्होंने कहा था, मुख्यमंत्री साहब लडवा से चुनाव लड़ेंगे।

यह भाजपा की घबराहट : कुमारी शैलजा

निर्वाचन आयोग ने हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख 1 अक्टूबर से बढ़ाकर 5 अक्टूबर कर दी। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों की मतगणना अब 4 अक्टूबर के बजाय 8 अक्टूबर को होगी। आयोग की ओर से कहा गया कि बिश्नोई समुदाय के सदियों पुराने त्योहार को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया। इसे लेकर राजनीतिक दलों की मिलीजुली प्रतिक्रिया आई है। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि चुनाव आयोग पर हम क्या ही टिप्पणी करें। यह तो भाजपा की कमजोरी को बताता है। उन्होंने कहा, 'जो 10 साल की लंबी रेस नहीं जीत पाए वो 5 दिनों में क्या कर लेंगे? कांग्रेस के सिपाही जमीन पर टिके हुए हैं। 90 की 90 सीटों पर हमारी नजर है। हम हर सीट को जीतने की कोशिश करेंगे।' कुमारी शैलजा ने कहा, 'भाजपा पहले से ही कोशिश कर रही थी। भाजपा घबराई हुई है। यह निर्णय भाजपा की घबराहट की ही निशानी है। जब आप जनता में जनाधार खो देते हैं तो आप कुछ भी कर लें उससे फर्क नहीं पड़ता है।' कांग्रेस नेता दीपक बाबरिया ने कहा कि इस पूरे एपिसोड में भाजपा की सरकार, उसके मुख्यमंत्री और उनके प्रदेश अध्यक्ष की अपरिपक्वता झलकती है। उन लोगों ने पूरे प्रदेश की जनता को एक अनिश्चित टाइम टेबल में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा, 'आखिर में नामांकन की तारीख वहीं की वहीं है।

कम हो सकता था मतदान : नायब सिंह सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, 'हमारे प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने पत्र लिखकर चुनाव आयोग को इस समस्या से अवगत करवाया कि लगातार छुट्टियां हैं। उसमें कहीं न कहीं यह चिंता भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने जताई कि कहीं इससे वोट प्रतिशत कम न हो जाए। इसके साथ-साथ अन्य दलों ने भी इस बात पर चिंता जताई। बिश्नोई समाज ने भी चिंता जाहिर की। मैं चुनाव आयोग का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होने इस बात को समझा। ज्यादा वोटिंग होगी तो इससे प्रदेश और देश को भी लाभ मिलेगा। मैं चुनाव आयोग के इस फैसले का स्वागत करता हूं कि उन्होंने आम जन की भावनाओं को समझते हुए यह निर्णय लिया है।'

भाजपा बुरी तरह डरी हुई : सुशील गुप्ता

'आप' हरियाणा अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने चुनाव आयोग के फैसले पर कहा, 'भाजपा बुरी तरह डरी हुई है। हरियाणा की जनता इस अहंकारी, भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। हरियाणा का चुनाव जनता लड़ेगी। जनता ने तय कर लिया है कि जेजेपी और भाजपा का हरियाणा की सत्ता में कोई स्थान नहीं है। आम आदमी पार्टी ने पहले भी चुनाव की तारीखों का स्वागत किया था और अब भी कर रही है। हम सभी 90 विधानसभा सीटों पर मजबूती से लड़ने के लिए तैयार हैं।' जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार अर्जुन सिंह ने कहा, 'जम्हूरियत का तकाजायही होता है हर एक समाज के लोगों की भावनाओं का सम्मान किया जाता है। इससे बहुत बड़ा फर्क नहीं पड़ेगा। इस फैसले से हमें कोई एतराज नहीं है बल्कि हम तो इस फैसले का स्वागत ही करते हैं कि किसी समाज के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए तारीख आगे बढ़ाई गई है।'

महिलाओं के खिलाफ अत्याचार समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय का आह्वान किया और कहा कि महिला अत्याचार समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

श्री मोदी ने आज यहां भारत मंडपम में उच्चतम न्यायालय की ओर से आयोजित जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, देश में कई कानून हैं जो महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे को संबोधित करते हैं। वर्ष 2019 में फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतों के लिए कानून पारित किया गया था, जिसके तहत गवाह बयान केंद्र बनाये गये थे। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इन केंद्रों को और मजबूत किया जाये ताकि महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मामलों में तेजी से फैसले सुनाए जा सकें।

उन्होंने कहा कि न्याय में विलंब को खत्म करने के लिए पिछले एक दशक में कई स्तरों पर काम किया गया है। पिछले 25 वर्षों में न्यायिक बुनियादी ढांचे पर खर्च की गई राशि का 75 प्रतिशत करीब 8000 करोड़ रुपए गत 10 वर्षों में ही खर्च किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता ने न्यायपालिका पर कभी अविश्वास नहीं किया तथा लोकतंत्र की जननी के रूप में शीर्ष न्यायालय के 75 साल देश के गौरव को और बढ़ाते हैं।

लोकतंत्र में न्यायपालिका की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को संविधान का रक्षक माना जाता है और यह अपने आप में एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, हम संतोष के साथ कह सकते हैं कि शीर्ष न्यायालय ने इस जिम्मेदारी को निभाने का बेहतरीन प्रयास किया है।

इस मौके पर श्री मोदी ने भारत के उच्चतम न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में डाक टिकट और सिक्के का अनावरण भी किया। कार्यक्रम में देश भर के जिला न्यायपालिका के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सरकार को किसानों की बात सुननी चाहिए : विनेश फोगाट

चंडीगढ़, एजेंसी। ओलंपियन पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को शंभू बॉर्डर पहुंच किसानों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और कहा कि केंद्र सरकार को उनकी मांगों पर ध्यान देना चाहिए व उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल करना चाहिए।

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने अपने 'दिल्ली चलो' मार्च के 200 दिन पूरे होने के उपलक्ष्य में यहां किसान महापंचायत का आयोजन किया। किसान संगठनों ने दिल्ली चलो मार्च न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी सहित अन्य मांगों को लेकर दबाव बनाने के लिए शुरू किया था।

सुरक्षा बलों ने किसानों के मार्च को 13 फरवरी को रोक दिया था। इसके बाद 13 फरवरी से ही किसान पंजाब और हरियाणा की सीमा पर स्थित शंभू बॉर्डर और खनौरी पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

हाल ही में पेरिस में आयोजित ओलंपिक खेलों में कुश्ती के 50 किलोग्राम के फाइनल मैच से अयोग्य घोषित की गईं फोगाट को प्रदर्शनकारी किसानों ने सम्मानित किया था।

फोगाट ने अपने संबोधन में किसानों को अपना समर्थन देते हुए कहा, मैं आपको बताना चाहती हूं कि आपकी बेटी आपके साथ है। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों की मांगें 'अवैध' नहीं हैं।

फोगाट ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं क्योंकि उनकी मांगें अब तक मानी नहीं गई हैं। उन्होंने कहा कि उनकी यह स्थिति देखकर दुख होता है।

उन्होंने कहा, कभी-कभी हम उनके लिए कुछ नहीं कर पाने के कारण खुद को असहाय महसूस करते हैं। हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हैं लेकिन हम खुद के परिवार के लिए कुछ नहीं कर पाते। अनुरोध है कि सरकार उनकी बात सुने।

एक सवाल का जवाब देते हुए महिला पहलवान ने कहा कि यह दुखद है कि 200 दिन बीत जाने के बावजूद प्रदर्शनकारी किसान सड़कों पर बैठे हुए हैं क्योंकि उनकी मांगें नहीं मानी गई हैं।

फोगाट ने कहा, अगर किसान हमें खाना नहीं खिलाएंगे तो हम कैसे प्रतिस्पर्धा कर पाएंगे? इतना कुछ होने के बावजूद वे खुले दिल से देश का पेट भर रहे हैं। उनका दिल बड़ा है और सरकार को भी इस मामले में बड़ा दिल दिखाना चाहिए।

हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव से जुड़े एक सवाल पर चरखी दादरी जिले की पहलवान ने कहा, मैं राजनीति के बारे में नहीं जानती। मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह हरियाणा में किसानों के आंदोलन शुरू करने पर उनका समर्थन करेंगी, उन्होंने जवाब दिया, क्यों नहीं?

फोगाट ने कहा, देश के किसान परेशान हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने की जरूरत है। उनकी समस्याओं का समाधान करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। मैं इस बारे में आश्वस्त हूं कि उनका संघर्ष व्यर्थ नहीं जाएगा।

सीतामढ़ी में चचरी पुल के बह जाने से बच्चे और ग्रामीण परेशान, नदी पार कर जाते हैं स्कूल

द न्यूज 15 ब्यूरो

सीतामढ़ी। नेपाल के तराई क्षेत्रों में इन दिनों बारिश से राहत है। यानी न के बराबर बारिश हो रही है। इससे नेपाल से सटे सीतामढ़ी जिले की नदियों का जलस्तर काफी कम हो गया है। सभी नदियों का जलस्तर नीचे है। बाढ़ का फिलहाल कोई खतरा नहीं है। इधर, सोनबरसा प्रखंड से गुजरने वाली झीम नदी में भले ही पानी काफी कम है, लेकिन परेशानी पहले की तरह बनी हुई है। प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को पैदल नदी में उतरकर उस पार जाना पड़ता है। झीम नदी पर आरसीसी पुल निमार्णाधीन है। बगल में बने

अप्रोच पथ पानी के तेज दवाब से टूट चुका है।

इस वजह से दो दर्जन गांवों क्रमशः बसतपुर, जमुनिया, मुशहरनिया, जहदी, हरिहरपुर, विश्रामपुर, लक्ष्मीपुर, छोटी मयूरवा, दक्षिणी मयुरवा, चक्की, पररिया, पुरन्दाहा राजबाड़ा, वीरता, मुशहरनिया, दलकावा, पकरिया, बकचौरा, पटेरवा, लालबंदी दरबार, जानकी नगर सहित परिहार प्रखंड के राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। पुल के संवेदक द्वारा डायवर्सन में दो बार चचरी पुल निर्माण कराया गया था, जो तेज पानी से बह चुका है। फिर चचरी पुल का निर्माण नहीं कराया जा सका।

क्षेत्र के लोगों को नदी के पानी को पैदल पार कर आना जाना पड़ रहा है। लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले छोटे-छोटे बच्चों को हो रही है, जो नदी में पानी हेलकर आते-जाते है। इससे खतरा भी बना रहता है। दर्जन भर गांवों के सैकड़ों लोगों को प्रतिदिन सोनबरसा प्रखंड मुख्यालय किसी न किसी काम से आना जाना रहता है। लोग बाजार भी आते है। इन सभी को नदी पार कर ही आना-जाना पड़ता है।

जैव अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए बायो ई-3 नीति जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में जैव अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए शनिवार को केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बायो ई-3 (अर्थव्यवस्था, रोजगार और पर्यावरण के लिए जैव प्रौद्योगिकी) नीति को जारी किया। नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में बायो मैन्यूफैक्चरिंग के पहल पर एक वेबसाइट भी जारी की गयी। इस मौके पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश गोखले, नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके सारस्वत सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

इस अवसर पर केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि बायो ई-3 नीति को जारी करना दूरगामी प्रभाव वाला ऐतिहासिक कदम है। जैव अर्थव्यवस्था के नेतृत्व वाली क्रांति में यह नीति महत्वपूर्ण साबित होगी। विशेषकर पेट्रोलियम, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में इसकी अहम भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि यह नीति आत्मनिर्भर भारत के मार्ग को प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार में

जैव अर्थव्यवस्था के क्षेत्र काफी प्रगति हुई है। साल 2014 में जैव अर्थव्यवस्था 10 बिलियन यूएस डॉलर की थी जो आज कई गुना बढ़कर 137 बिलियन डॉलर हो गई है। 2030 तक यह 300 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी।

उन्होंने पेट्रोलियम क्षेत्र पर इसके लाभ को बताते हुए कहा कि मौजूदा समय में हमारी ईंधन खपत का 86 प्रतिशत हिस्सा पेट्रोल से उत्सर्जित होता है। पूरा पेट्रोल दूसरे देशों से आता है। लेकिन हम अपनी निर्भरता जैव तकीनीकी की मदद से कम कर सकते हैं। हम 25 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा, 25 प्रतिशत बायोमास और बाकी कार्बन डाइऑक्साइड को रिसाइकिल कर पेट्रोलियम पर अपनी निर्भरता खत्म कर सकते हैं। आने वाले दिनों में ऐसा होगा कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था विनिर्माण क्षेत्रों पर निर्भर रहना बंद कर देगी।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश गोखले ने कहा कि इस नीति का उद्देश्य स्वच्छ, हरित, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के लिए उच्च प्रदर्शन वाले जैव विनिर्माण को बढ़ावा देना है। यह नीति पूरी दुनिया के भविष्य के आर्थिक विकास के शुरूआती मार्गदर्शकों में से एक के रूप में भारत के लिए वैश्विक परिदृश्य में अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि भारत को हरित विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ाने की राष्ट्रीय प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए, एकीकृत बायो ई3 (अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी) नीति जलवायु परिवर्तन, घटते गैर-नवीकरणीय संसाधनों और असंवहनीय अपशिष्ट उत्पादन की चुनौतीपूर्ण पृष्ठभूमि में, सतत विकास की दिशा में एक सकारात्मक और निर्णायक कदम है।

आप के 100 से अधिक नेता कांग्रेस में हुए शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शनिवार को कस्तूरबा नगर बुराड़ी और नजफगढ़ विधानसभा के आम आदमी पार्टी (आप) के पदाधिकारियों को कांग्रेस का पटका पहनाकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई। इस अवसर पर कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन और पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, पूर्व विधायक चौ. मतीन अहमद और कांग्रेस सचिव अभिषेक दत्त, जिला अध्यक्ष सतबीर शर्मा मुख्य रूप से मौजूद थे।

कांग्रेस का हाथ थामने वालों में बुराड़ी विधानसभा के वार्ड 21 जहांगीर पुरी के पूर्व निगम प्रत्याशी शाहिद उस्मानी, पूर्व मंडल अध्यक्ष रजिया आलम, राजेश सागर, पुरषोतम, पूर्व बादली विधानसभा यूथ अध्यक्ष ताहिर अंसारी, उपाध्यक्ष मुकंद,नूर मौहम्मद, मैनूर, कस्तूरबा नगर से अजीत कुमार, अमोल पटिल, ओबीसी महासिचव आशा सैनी, बिशन सिंह, देविन्द्र कोली, इंदु राणा, जय चंद, जयपाल कैन, जमन सिंह बिष्ठ, जितेन्द्र कुमार सैनी, कंवरपाल कोली, किशन लाल, किशोरी लाल, लाला राम, लक्ष्मी, महेन्द्र कुमार कैन, मोहन लाल, मोहन लाल कोली, मुबारक खान, नीलम, नीरु, पूनम भंडारी, प्रवीन पीटर, प्रवीन कुमार, प्रेम चंद भारती, राजेश लेहर, राजेन्द्र कुमार, राजेन्द्र सैनी, राजेन्द्र सिंह, रवि, संजय सैनी, सत्यादेव सैनी, शंकर, सोहन लाल, सन्नी सिंह, सुरेश ठाकुर, टीकम सिंह, वेद प्रकाश विक्की और विनोद खुशवाहा भाजपा नजफगढ़ से डाक्टर सेल के चैयरमेन डाक्टर सतपाल भारद्वाज, धर्म सिंह, धर्मवीर सिंह, रामनिवास, कुलदीप भारद्वाज, सोनू शर्मा, एनसीपी के ओम प्रकाश सहरावत शामिल थे।

इस मौके परदेवेन्द्र यादव ने आम आदमी पार्टी से आए कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि दोनो ही दलों ने दिल्ली को न केवल ठगा है बल्कि दिल्ली के विकास में दोनो दलों की रुचि नही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आए दिन भाजपा व आप पार्टी के झगड़े से दिल्ली के विकास में न केवल रुकावट आई है बल्कि बड़े पैमाने पर प्रोजेक्ट भी रुके हुए है। उन्होंने कहा कि भाजपा का एजेंडा केवल समाज में नफरत फैलाना है, वहीं दूसरी ओर दिल्ली सरकार विकास कार्य न होने का ठीकरा भाजपा पर फोड़कर अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है। आतिशी और सौरभ भारद्वाज की रोज की नौटंकी से आम आदमी परेशान होकर कांग्रेस में शामिल हो रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम का चुनाव लड़े व मौजूदा दोनो दलों के पदाधिकारी, पूर्व पार्षद व कुछ मौजूदा चुने हुए प्रतिनिधि कांग्रेस पार्टी में शामिल होना चाहते है, जिनसे लगातार उस क्षेत्र के सम्मानित नेता उनके सम्पर्क में है।

राजधानी में बढ़ते डेंगू के मामले सरकार की लापरवाही की वजह : विनोद जायस

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में दिल्ली नगर निगम तथा दिल्ली सरकार की लापरवाही के चलते मानसून के मौसम में डेंगू तथा मलेरिया के मामले लगातर बढ़ रहे है। यह कहना है उत्तर पूर्वी जिला भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष ठाकुर विनोद जायस का। विनोद जायस का कहना है दिल्ली को वर्ल्ड लेवल का शहर बताने वाली आम आदमी पार्टी को भ्रष्ट मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की रिहाई के अलावा कुछ नहीं सूझ रहा। पुरा सरकारी अमला दिल्ली की समस्याओं को भूल कर अरविन्द केजरीवाल की रिहाई में लगा है। जनता की समयों से सरकार को कुछ लेना देना नहीं है। जलभराव से निपटने का मसला हो डेंगू मलेरिया से निपटने का सरकार का ध्यान किसी भी समस्या की और नहीं है। आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार और दिल्लीनगर निगम की प्रशासनिक विफलताओं, नाकामियों और नेतृत्व के अभाव में दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। विनोद जायस नें जल भराव के कारण जल जनित बीमारियों में बढ़ते डेंगू के मामलों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम केअस्पतालों में संसाधनों की कमी के चलते डेंगू तथा मलेरिया से पीड़ित लोगो का ईलाज भी ठीक से नहीं हो पा रहा है। विनोद जायस कहते हैं कि मानसून के दिनों में में डेंगू के मामले अधिक संख्या में बढ़ते है लेकिन दिल्ली नगर निगम केअस्पतालों हिंदूराव, कस्तूरबा और स्वामी दयानन्द अस्पताल में सिर्फ 167 बेड रखना दिल्ली के लोगो के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि निगम डेंगू न फैले इसका बंदोबस्त करने की बजाय बढ़ते मरीजों के इलाज करने की बात कर रहे है जबकि अस्पतालों में इलाज के लिए मूलभूत सुविधाएं तक नही है। उन्होंने कहा कि सरकार को डेंगू की रोकथाम के लिए कदम उठाने चाहिए।

सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली। सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) के नेता संदीप पाण्डेय, अभय सिन्हा और फैसल खान ने बयान जारी कर कहा है कि सोशलिस्ट पार्टी (इण्डिया) भारत और हरयाणा में लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले दस सालों में देश में संविधान की गारंटी को छोड़कर मोदी की गारंटी की दुहाई दी जाने लगी है। देश के संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने के सारे प्रयास हम विफल करेंगे।

नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताएं - रोटी, कपड़ा, मकान, यातायात, दूर-संचार, शिक्षा व स्वास्थ्य सभी नागरिकों को सुलभ कराने की जिम्मेदारी राज्य की है। उपरोकत सारी आवश्यकताएं निःशुल्क पूरी होनी चाहिएं और इसलिए इन क्षेत्रों को निजीकरण की प्रक्रिया से बाहर रखा जाना चाहिए। जब तक समान शिक्षा प्रणाली लागू नहीं की जाती शिक्षा का सार्वभौमीकरण नहीं होगा और देश प्रगति नहीं कर सकता। प्रत्येक देश जिसने 99-100 प्रतिशत साक्षरता दर हासिल की है, समान शिक्षा प्रणाली (सरकार द्वारा पोषित, संचालित) के माध्यम से ही की है। इसी तरह स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी निजीकरण पर रोक लगनी चाहिए और सभी नागरिकों को एक गुणवत्ता वाली सेवा मुफ्त उपलब्ध होनी चाहिए।

रोजगार के अधिकर को मौलिक अधिकार बनाया जाए। जो छात्र-छात्रा जो विषय पढ़ना चाहता है उसे उसका मौका मिलना चाहिए। उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए परीक्षा नहीं होनी चाहिए। पर्याप्त महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, प्रौद्योगिकी व चिकित्सीय संस्थान खुलने चाहिए ताकि कोई अपना मनपसंद विषय पढ़ने से वंचित न रहे। जिनको आज बेरोजगार कहा जाता है उन्हें इन शिक्षण संस्थानों में कार्य करना चाहिए।

हरयाणा के पहलवानों के महिला खिलाड़ियों के साथ हुए यौन शोषण के खिलाफ संघर्ष को हम सलाम करते हैं और सरकार की भत्र्सना करते हैं कि मुख्य आरोपी बृज भूषण शरण सिंह आज भी खुला घूम रहा है और न्यायालय जाकर अपने खिलाफ आरोप खारिज कराना चाह रहा है। प्रधान मंत्री जो महिला सशक्तिकरण के हिमायती होने का दावा करते हैं अपने दल के सांसद के खिलाफ आज तक कोई भूमिका नहीं ले पाए।

हरयाणा सरकार द्वारा किसानों का उत्पीड़न करने की भी हम भत्र्सना करते हैं। हम किसानों की न्यूनतम सर्मथन मूल्य को कानूनी अधिकार बनाए जाने की मांग का समर्थन करते हैं। भाजपा सासंद कंगना रानौत द्वारा किसानों का अपमान किए जाने की भी हम भत्र्सना करते हैं। भाजपा सरकार किसान विरोधी है यह तो इसी से स्पष्ट है कि अभी तक पूर्व सांसद अजय मिश्र टेनी या उसके बेटे के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई है जिसने अपनी जीप से कुचलकर 4 किसानों व एक पत्रकार को मार डाला था। हम हरयाणा में धर्मनिरपेक्ष ताकतों के साथ खड़े हैं ताकि इस प्रदेश को भाजपा के मुक्ति मिल सके।

यूनिफाइड पेंशन योजना का राजधानी की सड़कों पर विरोध शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। फोरम अगेंस्ट एनपीएस के आह्वान पर सैकड़ो सरकारी कर्मचारियों ने आज 31 सितंबर को यूनिफाइड पेंशन योजना के खिलाफ और ओपीएस को लागू करने की मांग पर जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम एक ज्ञापन भी भेजा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि ह्लफोरम अगेंस्ट एनपीएस का मानना है कि ह्ययूनिफाइड पेंशन योजना (यूपीएस) असल में एनपीएस का चिकन चुपड़ा बदरूप चेहरा है। ह्ल इसमें एनपीएस की तरह ही कर्मचारियों की जेब काटने और बीमा कंपनियों को मालामाल करने के प्रावधान शामिल है। इसके अलावा, पेंशन की राशि की गणना सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीनों के औसत मूल वेतन के 50% के रूप में की जाएगी। ओपीएस के विपरीत यूपीएस में पेंशन केंद्रीय डीए पैटर्न से नहीं बल्कि औद्योगिक डीए पैटर्न से जुड़ी होगी। साथ ही, ओपीएस के विपरीत, यूपीएस ने पूर्ण पेंशन की पात्रता के लिए कम से कम 25 वर्षों की सेवा सीमा निर्धारित की गई है; अन्यथा पेंशन आनुपातिक आधार पर भुगतान की जाएगी। वास्तव में, ओपीएस की तुलना में यूपीएस के तहत पेंशन की राशि बहुत कम होगी। फैमली पेंशन की गणना भी सही नही है। इसके अन्य प्रावधान भी चमकीले, भ्रामक और कर्मचारियों को ठगने वाले हैं। यह एनपीएस से मिलती-जुलती योजना है जो कर्मचारियों के हित मे कदापि नही है। ह्व ह्लदेशभर के कर्मचारियों आवाज को आवाज देते हुए फोरम अगेंस्ट एनपीएस ( ) दिल्ली के आह्वान पर आपके कार्यालय साउथ ब्लॉक से कुछ ही दूरी पर जंतर मंतर पर एकत्रित सैकड़ो कर्मचारियों ने यूपीएस को एक सिरे से नकार दिया है। देशभर के लाखों सरकारी कर्मचारियों बात को आपके सामने रखते हुए हमारी सरकार से अपील है कि एनपीएस और यूपीएस को वापस लिया जाए और तुरंत ओपीएस को लागू किया जाएं। विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए फोरम अगेंस्ट एनपीएससंयोजक अमर रावत ने कहा कि देश के सरकारी कर्मचारियों की मांग है कि ओ पी एस को वापस लागू किया जाए। केंद्र सरकार अब यूं पी एस को लागू करने पर आमादा है, जो किसी को भी स्वीकार नही है और हम तब तक आंदोलन जारी रखेंगे, जब तक ओपीएस लागू नही की जाती है। स्वास्थ्य कर्मचारियों के संगठन नेशनल पब्लिक हेल्थ एलाइंस के अध्यक्ष विजय कुमार और महासचिव भारत वीर, और स्वास्थ्य क्षेत्र के जुझारू साथी प्रखर मिश्रा अपने साथियों के साथ शामिल हुए।

राजधानी के वायु प्रदूषण नियंत्रण पर उपराज्यपाल करें हस्तक्षेप : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के लिए जिन कारणों के खिलाफ विंटर एक्शन प्लान को कार्यान्वित करने की घोषणा की गई उन प्रदूषण कारकों पर नियंत्रण करने में आम आदमी पार्टी की सरकार पिछ्ले 10 वर्षों में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि ऑड-इवन, रेड लाईट ऑन-गाड़ी ऑफ, और स्मॉग टावर जैसी केजरीवाल के मन की योजनाओं को लागू करने के बावजूद सर्दियों में प्रदूषण 100 एक्यूआई से उपर ही रहता है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली के प्रदूषण नियंत्रण के मामले में उपराज्यपाल स्वयं हस्तक्षेप करें क्योंकि गोपाल राय के 14 सूत्री बिंदु धूल कण, वाहन प्रदूषण, टूटी सड़कों के धूल, पराली जलाना, खुले में कचरा जलाना, औद्योगिक प्रदूषण, पटाखों पर प्रतिबंध, ग्रीन वॉर रूम और ग्रीन ऐप, हॉट स्पॉट, वास्तविक समय स्त्रोत विभाजन अध्ययन, हरित आवरण/नवनीकरण बढ़ाना, ई-कचरा इको पार्क, केंद्र सरकार और पड़ोसी राज्यों के साथ बातचीत और ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) का कार्यान्वयन में कुछ नया नही है, हर वर्ष दिल्ली सरकार इन पर काम करती है परंतु खतरनाक जानलेवा प्रदूषण पर नियंत्रण करने में नाकाम साबित होती है। प्रदूषण से जुड़ी एक स्टडी के अनुसार वायु प्रदूषण के चलते दिल्ली के बच्चों की आयु सीमा 12 साल कम हो गई है। श्री यादव ने कहा कि केजरीवाल सरकार प्रदूषण नियंत्रण के लिए मिले फंड 742.69 करोड़ में से सिर्फ 29 प्रतिशत ही खर्च कर पाई है, प्रदूषण नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम क्यों नही उठाया, गोपाल राय इसका जवाब दें? 24 करोड़ की लागत से बने स्मॉग टावर कोई काम नही कर रहे है।

दिल्ली मीडिया एसोसिएशन (डीएमए) की कार्यकारिणी बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण फैसले

लोकतंत्र के चौथे पिलर के प्रति सरकारों का रुख उदासीन

- पत्रकारों की सुरक्षा, इलाज व पेंशन आदि का मुद्दा रहा चर्चा का केंद्रबिंदु।

महेश मिश्रा

नई दिल्लीः दिल्ली मीडिया एसोसिएशन (रजि.) की कार्यकारिणी बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता डॉ बी आर चौहान जी एवम संचालन वेद प्रकाश शर्मा जी (महासचिव) द्वारा किया गया। जिसमे मीडिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई एवम सभी सदस्यों महेश मिश्रा, शैलेन्द्र शास्त्री आदि ने अपने अपने सुझाव रखे।

बैठक में लघु समाचार पत्र एवम फ्रीलांसर पत्रकारों ने भी हिस्सा लिया। जहा मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों के भविष्य एवम कल्याण की बात हुई तो वोही इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के प्रति सरकार को उदासीनता का भी अवलोकन किया गया। डॉ. बी आर चौहान (अध्यक्ष) ने बताया की दिल्ली में लघु समाचार पत्र पत्रिकाओं एवम श्रमजीवी पत्रकारों की हालत दयनीय है जहा अन्य राज्य इनको पेंशन व विज्ञापन दे बढ़ावा दे रहे है। दिल्ली सरकार, दिल्ली के पत्रकारों के प्रति कोई संवेदना नहीं रखती न ही केंद्र सरकार भी न ही कोई समुचित प्रावधान कर रही है यहां तक पत्रकारों को परिवार सहित मिलने वाली रेल यात्रा में 50% छूट को भी रोक दिया है।

बाकी और भी कई विषयों पर चर्चा हुई लेकिन मुख्य विषयों को क्रियांवित करने के लिए सर्वसम्मति से रेजोल्यूशन पास किया गया एवम पांच सदस्यों (डॉ. चौहान, वेद प्रकाश शर्मा, महेश मिश्रा शैलेंद्र शास्त्री व डॉक्टर प्रदीप कुमार केसरी) की टीम का गठन कर आगे की रणनीति तैयार करने का जिम्मा सौंपा गया।

बैठक के कुछ अति गहन मुद्देः-

1) पत्रकारों की पेंशन एवम साथ ही परिवार की भी सुरक्षा, निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज कार्ड आदि की मांग।

2) लोकतंत्र के चौथे पिलर माने जाने वाले पत्रकारिता के प्रति सरकारों का रुख उदासीन क्यो है

3) डिजिटल मीडिया (ई चैनल व ई पेपर) व लघु समाचार पत्र पत्रिकाओं को संगठित कर उनको सरकार द्वारा मान्यता एवम सुविधा दिलाना।

4) अगर हमारी मांगों पर सरकार जल्द कोई फैसला नहीं लेती तो हम जल्द ही पूरे देश के मीडिया बंधुओं को एकत्रित कर ठोस कदम उठाए जाएंगे अगर आवश्यकता पड़ी तो देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया जाएगा।

5) जल्दी ही डीएमए द्वारा पत्रकार संगोष्ठी का आयोजन करेगी जिसमे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को डीएमए द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

जैसे जैसे डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा मिल रहा है वैसे वैसे पत्रकारिता के क्षेत्र में भी बहुत बदलाव आया है इसलिए डिजिटलाइजेशन व लघु पत्र पत्रिकाओं द्वारा पत्रकारिता को एक नया आयाम मिल रहा है, हर वर्ग (मुख्यता युवा वर्ग) के काफी प्रभावशाली लोग इससे समाज सेवा की भावना से जुड़ रहे है लेकिन सुविधाओं, प्रशिक्षण व मान्यता न प्राप्त होने से काफी मुश्किलों का सामना कर रहे है जिसके चलते काफी लोगो को इसको बंद करना पडा इसलिए इसके लिए डीएमए रणनीति तैयार करेगा एवम सरकार से इनके संरक्षण की मांग रखेगा।

बैठक में कई वरिष्ठ पत्रकार जिनमे सर्वश्री अजब सिंह, जनार्दन मिश्रा जी के अतरिक्त शिव कुमार अग्रवाल, जयदेव जी, महेश मिश्रा जी, योगेश भट्ट, प्रदीप कुमार केसरी शैलेश शास्त्री, चांदना पॉल, के के सिन्हा, एवम आदि सम्मिलित हुए एवम अपने अपने विचार रखे। सर्वसम्मति से डीएमए की सदस्यता को एक साल बाद फिर से जल्द खोला जाएगा एवम सदस्यता की योग्यता व पात्रता पूर्ण करने वालों को ही डीएमए में सम्मिलित किया जाएगा। आप डीएमए में सम्मिलित होने के लिए अपने प्रोफाइल भेज सकते है।

एक नजर

रियल एस्टेट कारोबारी से दो करोड़ की रंगदारी मांगी

नई दिल्ली, एजेंसी। वसंत विहार इलाके में एक रियल एस्टेट कारोबारी से लॉरेंस विश्नोई गैंग के गुर्गों ने दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। पैसे न देने पर कारोबारी को अंजाम भुगतने की धमकी दी गई है। कारोबारी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि फोन करने वाला खुद को गोल्डी बरार बता रहा था। फिलहाल वसंत विहार थाना पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने बताया कि पीड़ित कारोबारी अपने परिवार के साथ वसंत विहार में रहते हैं। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने बताया कि वह अपने घर पर मौजूद थे। इसी दौरान उनके फोन पर किसी अज्ञात नंबर से व्हाट्सऐप कॉल आई। कॉलर ने दो करोड़ रुपये मांगे। कारोबारी ने पैसे नहीं होने की बात कही तो आरोपी ने उन्हें धमकी देते हुए पैसे न देने पर अंजाम भुगतने के लिए कहा और कॉल काट दी। स्थानीय पुलिस के साथ ही जिला की स्पेशल स्टाफ, एएटीएस सहित कई अन्य टीमें मामले की जांच कर रही है।

पिता से परेशान किशोरी ने फिनायल पी लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। कल्याणपुरी इलाके में शुक्रवार को रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक पिता पिछले काफी समय से अपनी 11 वर्षीय बेटी के साथ अश्लील हरकतें करते हुए किशोरी के साथ यौन शोषण कर रहा था। मामला सामने उस समय आया जब शुक्रवार को पिता की इस हरकत से परेशान होकर किशोरी ने आत्महत्या की कोशिश कर डाली। किशोरी को जब अपने पिता से बचने का कोई रास्ता नहीं मिला तो वह इतना परेशान हो गई कि उसने घर में रखा फिनायल पी लिया और जान देने की कोशिश की। उसे आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बाद किशोरी की हालत स्थिर है। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

10 मंजिला इमारत में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। विकासपुरी स्थित एक 10 मंजिला इमारत में शनिवार सुबह अचानक आग लग गई। आग इमारत की चौथी मंजिल पर लगी। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और दमकल को दी। सूचना के बाद दमकल की नौ गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस बीच पूरी बिल्डिंग से 40 से 50 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। विकासपुरी थाना पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि शनिवार सुबह 8.10 बजे दमकल विभाग को विकासपुरी एच ब्लॉक स्थित एसबीआई अपार्टमेंट की बिल्डिंग में आग लगने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर पता चला कि 10 मंजिला इमारत के चौथे तल पर आग लगी है। फायर ऑफिसर अमित ने बताया कि आग चौथे तल के घरेलू सामान में लगी थी। मकान में रहने वाले बाहर गए हुए थे। वहीं, धुआं तेजी से ऊपर के फ्लोर में जा रहा था। एक टीम कमरे का लॉक तोड़कर आग बुझाने लगी। दूसरी टीम ने सभी फ्लोर के प्रत्येक कमरे में आवाज लगाकर लोगों को बाहर निकाला।

कारों के टायर चोरी करने वाला गिरोह पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर कैलाश थाना पुलिस ने 29 अगस्त को लग्जरी कारों के रिम और टायर चोरी करने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में चार चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले विशाल ढींगरा, बलविंदर, लव राघव और अनिकेत और चोरी की संपत्ति खरीदने वाला फहीम शामिल है। आरोपियों के पास से दो कारें, कार जैकिंग उपकरण और महंगी कारों के 16 टायर और रिम बरामद हुए हैं। इन आरोपियों की गिरफ्तारी एसआई पंकज, एएसआई कमलेश, हेडकांस्टेबल सुरेन्द्र और महेश की टीम ने की है।

मेडिकल उपकरण उड़ाने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। साकेत थाना पुलिस ने 29 अगस्त को अस्पताल से महंगे चिकित्सा उपकरण चोरी कर ऑनलाइन बेचने वाले एक शख्स को गिरफ्तार किया है। आरोपी योगेश कुमार के पास से पांच लाख रुपये के दो चोरी के चिकित्सा उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि साकेत थाना पुलिस को मैक्स अस्पताल से चिकित्सा उपकरणों की चोरी की एक शिकायत मिली थी। एसएचओ दिनेश कुमार, एसआई कपिल, एएसआई गिरिराज की टीम ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह नारायणा विहार स्थित एक कंपनी में काम करता है जो अस्पतालों में मेडिकल उपकरण सप्लाई करने का काम करती है। आरोपी ने बताया कि 13 अगस्त को वह कंपनी का पहचान पत्र दिखाकर अस्पताल में गया था और फिर चोरी कर वहां से फरार हो गया।

नाबालिग के साथ मिलकर करता था झपटमारी, धरे

नई दिल्ली, एजेंसी। पालम गांव थाना पुलिस ने 29 अगस्त को एक झपटमार और उसके नाबालिग साथी को पकड़ा है। आरोपी सागर पंवार के पास से चोरी की एक सोने की चेन, एक बाइक और स्कूटी बरामद हुई है। पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने बताया कि 24 अगस्त को पालम थाना पुलिस को एक महिला ने अपने साथ हुई झपटमारी की शिकायत दी थी। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। एसआई राजेश, हेडकांस्टेबल परशुराम की टीम ने घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और फुटेज की मदद से आरोपियों का एक रूट मैप तैयार किया। इसके बाद आरोपियों को दबोच लिया।

मोबाइल के साथ झपटमार पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। मादीपुर पुलिस चौकी में तैनात पुलिसकर्मियों ने 30 अगस्त को आधा दर्जन से ज्यादा आपराधिक वारदात को अंजाम दे चुके एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी विशाल के पास से दो मोबाइल फोन, एक चोरी की मोटरसाइकिल और स्कूटी बरामद हुई है। पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि 29 अगस्त को पंजाबी बाग पुलिस को मोबाइल झपटमारी की शिकायत मिली थी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। एसआई संदीप बिश्नोई, एसआई सविता सोलंकी और हेडकांस्टेबल देवेंद्र की टीम ने घटनास्थल के पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की और तकनीकी निगरानी और मैनुअल इंटेलिजेंस की मदद से आरोपी की पहचान की। इसके बाद उसके घर पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

मालवीय नगर में खून से लथपथ बुजुर्ग का शव मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। मालवीय नगर इलाके में शुक्रवार देर रात एक बुजुर्ग का शव उसके घर में संदिग्ध हालत में मिला है। घर का गेट न खुलने पर पड़ोसी ने मामले की सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत के कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि 68 वर्षीय कुलदीप टंडन बी ब्लॉक, मालवीय नगर में पत्नी के साथ रहते थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा है। बेटा शादीशुदा है और अपने परिवार के साथ नोएडा में रहता है। 30 अगस्त की शाम को कुलदीप टंडन के पड़ोसी ने पुलिस को फोन कर बताया कि वह अपने घर का गेट नहीं खोल रहे हैं।

दिल्ली जल बोर्ड के भ्रष्टाचार से त्रस्त दिल्ली की जनता

- ककरोला, पालम विधानसभा, मधु विहार वार्ड की जनता ने की सीबीआई / विजीलेंस जांच की मांगः रणबीर सिंह सोलंकी
- दिल्ली जल बोर्ड के कर्मचारियों एवम अधिकारियों की लापरवाही व भ्रष्ट्राचार से नरकीय एवम दयनीय जीवन जीने को मजबूर ककरोला, हरिविहार निवासी

महेश मिश्रा

नई दिल्ली (काकरोला)। द्वारका उपनगरी के निकट ककरोला, हरिविहार निकट मेट्रो पिलर नंबर 815 के नजदीक, दयाल जनरल स्टोर वाली गली की ऐसी दुर्गति है कि देखने वाले दंग रह जाते हैं कि ये लंदन के तर्ज दिल्ली है? ककरोला, हरिविहार के स्थानीय निवासी प्रदीप ठाकुर एवम राम निवास मीणा ने बताया कि जल बोर्ड द्वारा लगभग दो साल पहले यह सीवर डाली गई थी जो दो महीने पहले धंस कर टूट गई। और अब सीवर का पानी सड़क से लेकर आस पास के इलाकों में फैलता जा रहा है साथ ही पीने के पानी की लाइन में भी सीवर का पानी आ रहा है साथ ही नजदीक के साहिब सिंह वर्मा स्टेडियम में भी जल भराव देखा जा सकता है। लोगों ने बताया कि इसकी शिकायत जे ई मोहित कटारिया को की गई लेकिन समाधान की जगह इसका ठीकरा पूर्व संबंधित ए ई श्याम बिहारी पर थोप दरकिनार किया जा रहा है।

श्याम बिहारी से बात करने पर इस मसले से अनभिज्ञता दर्ज कराई एवम अभी के जे ई/ए ई पर इसका ठीकरा फोड़ा। अधिकारियों की बदर बांट से जनता का आए दिन हो रहा बुरा हाल साथ ही यह भी एक विचारणीय तथ्य है की श्याम बिहारी जी के निरीक्षण में जो भी सीवर लाइन डाली गई है चाहे काकरोला की हो या पालम विधानसभा की सब की हालत बदतर है जो की जांच का विषय है। लोग परेशान होकर एमएलए और जल मंत्री से समाधान की आस लगाए बैठे है मगर वह ए सी कमरों में मस्त है और जनता त्रस्त है।

स्थिति की नजाकत को देखते हुए एवम स्थानीय लोगों की शिकायत पर श्रीमान रणबीर सिंह सोलंकी चेयरमेन (फेडरेशन ऑफ साउथ एंड वेस्ट डिस्ट्रिक्ट, दिल्ली) व राष्ट्रीय अध्यक्ष (राष्ट्रीय युवा चेतना मंच, भारत) ने दौरा किया एवम स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पाया की ककरोला के हालात भी पालम विधानसभा व मधु विहार वार्ड जैसे है लेकिन सीवर धसने से ककरोला, हरिविहार के निवासियों को स्थिति काफी नाजुक व दयनीय है इसलिए उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सोमनाथ भारती, दिल्ली जलमंत्री आतिशी, सी ई ओ व अतरिक्त सी ई ओ से इन जगहों का तत्काल मुयाना कर स्थानीय निवासियों को उपरोक्त समस्याओं से समाधान दिलाए साथ ही विभाग के संबधित भ्रष्ट व लापरवाह अधिकारियों (इंजीनियर श्याम बिहारी) एवम ठेकेदारों की सी बी आई /विजीलेंस जांच कराई जाए।

सोसाइटी के विभिन्न टावरों की लिफ्ट बंद होने से परेशान हुए निवासी

ग्रेटर नो नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित अजनारा होम्स सोसाइटी में प्रबंधन की लापरवाही से यहां के निवासियों को परेशानी हो रही है। सोसाइटी में आए दिन किसी न किसी टावर की लिफ्ट बंद होने से लोगों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। शनिवार को भी तीन टावरों की एक-एक लिफ्ट बंद होने के कारण काफी समस्या हुई। आरोप है कि प्रबंधन से कई बार शिकायत भी कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती है।

सोसाइटी निवासी दिनकर पांडे ने बताया कि रोजाना सोसाइटी में लिफ्ट के खराब होने से निवासी परेशान हो चुके हैं। परिसर में करीब दो हजार से अधिक परिवार रहते हैं, लेकिन मूलभूत सुविधाओं में कटौती की जा रही है। प्रबंधन द्वारा सोसाइटी के रखरखाव ठीक नहीं किया जाता है। इसका खामियाजा निवासियों को भुगतान पड़ता है। परिसर के किसी न किसी टावर में रोजाना एक लिफ्ट के खराब होने की शिकायत सामने आती है। प्रबंधन से लगातार शिकायत भी करते हैं, फिर भी कोई समाधान नहीं होता है। हर बार शिकायत करने पर लिफ्ट एजेंसी के कर्मचारियों को बुलाया जाता है। वह त्वरित तो समस्या को ठीक कर देते है, लेकिन कुछ समय बाद फिर से वहीं दिक्कत सामने आने लगती है। इससे साफ जाहिर होता है कि लिफ्ट का मेंटेनेंस ठीक से नहीं किया जाता है।

सोसाइटी में शनिवार को भी टावर एल, एम और एन की एक-एक लिफ्ट बंद पड़ गई। इससे निवासियों को एक ही लिफ्ट से ऊपर और नीचे आना-जाना पड़ा। साथ निवासियों को लिफ्ट के लिए काफी देर तक इंतजार भी करना पड़ता है।

डीएवी पब्लिक स्कूल नोएडा में 'वेद सप्ताह' का भव्य समापन

ऋषि तिवारी

नोएडा। डीऐ वी स्कूल नोएडा में चलने वाले वेद सप्ताह में आर्य समाज के तत्वाधान में कई आयोजन किए गए जिसके समापन समारोह में आज इस कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक परंपरा का निर्वाह करते हुए यज्ञ से किया गया जिसमें विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा अध्यापकों ने अर्थववेद के मंत्रों की आहुतियाँ दी। पूणार्हुति एनके ऑबेरॉय(विद्यालय केचेयरमैन), मैनेजर चित्रा नाकरा, प्रधानाचार्या चित्राकांत द्वारा दी गई। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम के आरंभ में प्रधानाचार्या श्रीमती चित्राकांत ने सर्वप्रथम विद्यालय के चेयरमैन श्री एन के ऑबेरॉय, मैनेजर श्रीमती चित्रा नाकरा एवं गाज़ियाबाद स्थित संन्यास आश्रम के स्वामी सत्यवेश जी एवं साध्वी गायत्री देवी का पुष्पों द्वारा स्वागत किया।

इसी क्रम में विद्यार्थियों द्वारा भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात प्रधानाचार्या श्रीमती चित्रा कांत ने वेद सप्ताह के अंतर्गत किए गए कार्यक्रम एवं छात्रों के संपूर्ण विकास एवं सुरक्षा से संबंधित आयोजित कार्यशालाओं का ब्यौरा दिया। तदुपरांत विद्यालय के धमार्चार्य करण सिंह जी ने वेद की शिक्षाओं एवं आर्य समाज की विशिष्टताओं की संक्षिप्त व्याख्या की। ईश्वरोपासना मंत्रों के गायन व वेद के सार को नृत्य नाटिका द्वारा प्रस्तुत किया गया ।विद्यालय के श्री एन के ऑबेरॉय ने वेदों की शिक्षाओं को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों ने ओम का सिमरन किया करो,मधुर गीत गाकर प्रस्तुत श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। तत्पश्चात स्वामी सत्यवेश ने अपने मधुर वाचन के द्वारा विद्यार्थियों को यज्ञ तथा वैदिक मूल्यों को अपने जीवन में उतारने व स्वाध्याय व दूसरों के साथ बॉटने की सीख दी। मैनेजर चित्रा नाकरा ने कहा वेद ज्ञान का भंडार है।

वेद हमें स्वयं को समझने की समझ उत्पन्न करते हैं। पारस्परिक सामंजस्य, वैश्विक सौहार्दता के संदेश देते हैं। इनका अनुसरण कर हम जीवन को सार्थक बना सकते हैं। वैदिक शिक्षा का अनुसरण करके ही नए भारत के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं। विद्यालय की प्रिन्सिपल श्रीमती चित्रा कांत ने कहा कि वेदों की वाणी तथा उनका सार अपने जीवन में उतार कर ही जीवन को सफल बनाया जा सकता है। अभिभावकों ने विद्यालय में किए गए इस कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा कहा कि उन्हें गर्व है कि उनके बच्चे इस विद्यालय में पढ़ रहे है तथा सद्गुणी बन रहें हैं।

ग्लोबल सोर्सिंग एक्सपोर्ट लीडरशिप अवार्ड 2024 का आयोजन

ऋषि तिवारी

नोएडा। हैंडलूम हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा ग्लोबल सोर्सिंग एक्सपोर्ट लीडरशिप अवार्ड 2024 का आयोजन सेक्टर 18 स्थित एक होटल में किया गया। कार्यक्रम में पूरे भारत से लगभग 300 निर्यातकों ने हिस्सा लिया है, जिनमें 45 निर्यातकों को विभिन्न राज्यों से विभिन्न उत्पादों के लिए पुरस्कार दिए गए।

संस्था के अध्यक्ष सीपी शर्मा ने बताया कि हैंडलूम हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन ने 40 बाइंग एजेंटों को भी आमंत्रित किया था इसी के साथ साथ कई विदेशी एजेंसियों ने भी आज के कार्यक्रम में भाग लिया था। इन एजेंसियों को आमंत्रित करने का उद्देश्य निर्यातकों के साथ उनकी बैठक कराना, उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाना और नए स्टार्टअप्स को निर्यात कार्य शुरू करने में मदद करना था। इस कार्यक्रम को आयोजित करने का उद्देश्य हमारे प्रधानमंत्री मोदी के उस विजन का समर्थन करना है, जिसमें 2030 तक निर्यात को तीन गुना करना और 2047 तक भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में स्थापित करना शामिल है।

मोहन कपूर ने बताया कि आज के कार्यक्रम के नेटवर्किंग इवेंट को हमारे सभी गणमान्य अतिथियों राकेश सचान, ब्रजेश सिंह, सांसद महेश शर्मा, डॉ. राकेश कुमार, ईपीसीएच के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर आर. के. वर्मा, बीएए के चेयरमैन विशाल ढींगरा और जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में सफलता पूर्वक पूरा किया गया।

सभी 45 निर्यातकों और 15 बाइंग एजेंसियों को पुरस्कार दिए गए हैं, इसके अलावा उत्तर प्रदेश के उन व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने निर्यात क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत बढेरा ने बताया कि हैंडलूम हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन हमेशा से देश के लघु और मध्यम उद्योगों के लिए अग्रणी भूमिका निभा रही है। हमारी एसोसिएशन का उद्देश्य निर्यातकों का कार्य आगे बढ़ाना, उनके उत्पादों को निर्यात करने में मदद करना, और उनकी लागत को कम करने में सहायता करना है। हमें उम्मीद है कि हम देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

गाजियाबाद में धर्म छिपाकर दुष्कर्म, दोस्त से कराया जबरन निकाह

गाजियाबाद, एजेंसी। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला के साथ धर्म छिपाकर दुष्कर्म और दोस्त के साथ निकाह कराने का मामला सामने आया है। महिला ने मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला ने दो बार गर्भपात कराने का भी आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अंकुर विहार थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला ने बताया कि वह सिलाई का कारखाना चलाती है। 2017 में नदीम उर्फ अमित शर्मा नाम का व्यक्ति उनके कारखाने पर आया और कहने लगा कि उनका काम प्लॉट खरीदने और बेचने का है। उनके कारखाने पर काम करने वाले लोगों को किस्तों पर प्लॉट चाहिए तो उनसे संपर्क कर लेना। आरोपी उनका फोन नंबर लेकर चला गया। प्लॉट को लेकर वह उनसे बात करने लगा। प्लॉट को लेकर उसने महिला को ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में बुलाया।

प्लॉट दिखाने के बाद आरोपी ने कहा कि वह उनसे दोस्ती करना चाहता है। महिला ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद आरोपी महिला के घर पहुंचा और अपने साथ कोल्ड ड्रिंक, खाने पीने का समान लाया। आरोपी ने कहा वह एक ही जाति के हैं, वह उनसे शादी करना चाहता है। आरोपी ने उन्हें कोल्ड ड्रिंक महिला को पिला दी। इसके बाद मिठाई खिलाई। जिसके खाने के बाद वह बेसुध हो गई। बेहोशी की हालत में नदीम उर्फ अमित शर्मा ने उनके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने महिला की आपत्तिजनक वीडियो भी बनाई।

जब महिला को होश में आया तो महिला के कपड़े अस्त व्यस्त थे। महिला को पीड़ा हो रही थी। महिला को दुष्कर्म होना महसूस हुआ। महिला ने नदीम को फोन किया तो वह बोला कि वह शादी करेगा।

किरतपुर में ब्लाक एडवोकेट क्लब का गठन

अमित अग्रवाल अध्यक्ष, हनु चौहान महासचिव बने

मौ० याकूब

किरतपुर। किरतपुर में अधिवक्ताओं द्वारा ब्लाक एडवोकेट क्लब का गठन किया गया। जिसमें नगर व ग्रामीण क्षेत्र के अधिवक्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से अमित अग्रवाल को संगठन का ब्लाक अध्यक्ष चुना गया। अमित अग्रवाल ने बताया कि अधिवक्ताओं की समस्या एंव उनके उत्पीड़न के विरुद्ध संगठित होकर आवाज उठाना उद्देश्य है।

शनिवार को मौहल्ला काजियान में स्थित ब्लाक एडवोकेट क्लब कार्यालय पर चौधरी नरदेव सिंह की अध्यक्षता एंव तलहा मकरानी के संचालन में आयोजित बैठक में ब्लाक की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से वरिष्ठ अधिवक्ता अमित अग्रवाल अध्यक्ष, तालिब हुसैन एड० वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राम गोपाल एड० उपाध्यक्ष, महामंत्री हनुमान चौहान एड०, सचिव महिपाल एड०, अरुण कुमार एड०, नरदेव सिंह एड०, अमित जंघाला एड०, कोषाध्यक्ष नितिन जैन एड०, संयुक्त सचिव विक्रांत चौधरी एड०, संयुक्त सचिव सांस्कृतिक शाजिया परवीन एड०, मीडिया प्रभारी सय्यद उजैर एड० व संगठन मंत्री मौ० फैजान एड० को बनाया गया। इनके अलावा एड० तलहा मकरानी, एड० फहीम अहमद, ताहिर कुरैशी एड०, नवनीत गिरि एड०, तलत अली एड. इफतेखार एड०, सोनू एड० कार्यकारिणी सदस्य चुने गये। खुरर्शीद अहमद एड०, ज्ञानेंद्र जंघाला एड०, सुभाष राजपूत एड०, धर्मेंद्र सिंह चौहान एड०, अतहर यार खान एड०, मुलायम सिंह एड०, नरदेव चौधरी एड०, विजेंद्र कुमार एड०, शंभु सिहं एड०, राहुल शर्मा एड०, नरेंद्र एड० संरक्षक बनाये गये।

इलेक्ट्रिशियन के इशारे पर हुई थी वेयर हाउस में चोरी, दो बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

नोएडा। फेज श्री नोएडा के थाना क्षेत्र के एक वेयर हाउस में चोरी करने वाले बदमाशों और पुलिस के बीच शुक्रवार देर रात मुठभेड़ हुई, जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगी। उसके साथी को पुलिस ने कांबिंग के बाद गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से चोरी किए गए 35 मोबाइल फोन बरामद किए गए। वेयर हाउस में चोरी की योजना इलेक्ट्रिशियन के इशारे पर हुई थी। जो उस वेयर हाउस में अक्सर आता जाता था। पुलिस गैंग के अन्य बदमाशों को पकड ? के लिए छापेमारी करने का दावा कर रही है।

एडीसीपी हरदेश कठेरिया ने बताया कि थाना फेज-3 पुलिस क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध बाइक पर सवार दो लोगों को रूकने का इशारा किया तो वह वह नहीं रुके एवं टीपीनगर से गढ़ी गोल चक्कर की तरफ भागने लगे। थाना फेस-3 पुलिस द्वारा पीछा करने पर दोनो बदमाश अपनी बाइक सर्विस रोड पर ही छोडकर ग्रीन बेल्ट में पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने लगे। पुलिस द्वारा की गयी जबावी कार्यवाही में एक बदमाश के पैर में गोली लगने एवं दूसरे बदमाश को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार गया। घायल बदमाश की पहचान तिगरी बिसरख निवासी पुष्पेन्द्र व कांबिंग में पकड़े गए बदमाश की पहचान गोलू के रूप में हुई। जिनके पास से वेयर हाउस से चोरी किए गए 30 मोबाइल फोन बरामद हुए पूछताछ में बताया कि वेयर हाउस में चोरी की योजना उसके साथ पेशे से इलेक्ट्रिशियन रविन्द्रर उर्फ काले ने बनाई थी। जिसके बाद पुलिस ने रविन्द्रर के घर पर छापेमारी कर उसे भी गिरफ्तार कर चोरी किए गए 5 मोबाइल फोन बरामद किए है। बाकी अन्य बदमाश की तलाश का दावा पुलिस कर रही है।

एक नजर

ऑटो और कैब चालकों को लुटने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

ऋषि तिवारी/ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क ग्रेटर नोएडा के कोतवाली पुलिस ने ऑटो और कैब बुक कर लूट की घटना करने वाले गैंग का खुलासा हुआ है और पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से चोरी के मोबाइल फोन, अवैध हथियार, घटना में इस्तेमाल की गई बाइक और नगदी बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों की पहचान मोमनाथल निवासी अमित पुत्र रणबीर, समस्तीपुर बिहार निवासी नीरज पुत्र मेहरचन्द और उन्नाव निवासी सुमित पुत्र गुरूप्रसाद के रुप में की है। यह गिरोह सवारी बनकर वाहन में बैठ जाता था। कुछ दूरी चलने के बाद वह हथियार के बल पर मोबाइल और अन्य सामान लूट व चोरी कर लिया करते थे।

एबिलिटी एकेडमी ने 109 रन से जीत दर्ज कर सेमिफाइनल में पहुंची

गाजियाबाद, एजेंसी। एबिलिटी एकेडमी ने एक्सटेंशन स्थित क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मैच में हर्षा स्पोर्ट्स को 109 रन से मात दे सेमिफाइनल में पहुंच गई। शानदार प्रदर्शन करने के लिए विवेक की मैन ऑफ द मैच चुना गया। जीएमएस ग्राउंड पर गाजियाबाद अंडर 17 कप खेला जा रहा है। एबिलिटी एकेडमी और हर्षा स्पोर्ट्स के बीच मैच खेला गया, जिसमें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एबिलिटी एकेडमी ने 254 रन बनाए। विवेक ने 63,अनुंग ने 34 रन का योगदान दिया। अरनव सिंह ने तीन विकेट पर। लक्ष्य को प्राप्त करने उतरी हर्षा स्पोर्ट्स की शुरूआत खराब रही और पूरी टीम 145 रन ही बना सकी। उज्जवल कुमार ने सबसे ज्यादा 52 रन बनाए। राज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए। बल्लेबाजी में अहम रन बनाने वाले विवेक को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

गाजियाबाद में इंटीरियर डिजाइनर हत्याकांड में शामिल सातवां आरोपी भी गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी। राजनगर एक्सटेंशन के रहने वाले इंटीरियर डिजाइनर तरुण पंवार हत्याकांड में फरार चल रहे सातवें आरोपी अक्षय को नंदग्राम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में दो आरोपी अभी भी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। डीसीपी सिटी राजेश कुमार ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी अक्षय मूलरूप से बागपत का रहने वाला है। हाल में लोनी में रह रहा है। पूछताछ में बताया है कि अंजली उसकी साली है। पति से अलग होने के बाद अंजलि को उसने औरा कायमेरा सोसायटी में एक फ्लैट लोन पर लेकर दिया था। इस फ्लैट को लेने के लिए छह लाख उसने और चार लाख अंजली ने दिए। बाकी का लोन था, जो अक्षय के खाते से जा रहा था। सोसायटी के एओए अध्यक्ष से कहकर उसने अंजली की नौकरी मेंटीनेंस विभाग में भी लगवाई। वहां पवन भी काम करता था। वहां उसकी भी दोस्ती पवन थी। कुछ दिन बाद पता चला कि अंजली व तरुण पंवार की दोस्ती हो गई। तरुण पंवार इंटीरियर डिजाइनर था। फ्लैट पर तरुण पंवार का आना जाना लगा रहता है। पवन की भी अंजलि से नजदीकी थी, उक्त बात जब पवन ने मुझे बताई तो मैने व परिवार वालों ने अंजली को डांटा था, लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद पवन ने अपने गांव के वंश, अंकुर, जीते, दीपांशु व अमित के साथ मिलकर योजना बनाई और उसकी हत्या कर दी। डीसीपी ने बताया अन्य आरोपियों को तलाश की जा रही है।

आईजीआरएस, समीर एप और गाजियाबाद 311 एप पर अब तक 24 हजार से अधिक शिकायतें

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय पर नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा जनसमस्याओं के समाधान को लेकर समीक्षा की गई। इस दौरान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतों के समाधान को लेकर सभी विभागों से जानकारी प्राप्त की गई। बैठक में निर्माण विभाग, उद्यान विभाग, जलकल विभाग, प्रकाश विभाग, स्वास्थ्य विभाग, संपत्ति विभाग सहित सभी जोनल प्रभारी उपस्थित हुए। नगर आयुक्त द्वारा अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव तथा अवनिंद्र कुमार के साथ सभी विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। आइजीआरएस के माध्यम से प्राप्त समस्याओं के समाधान को लेकर योजना बनाते हुए कार्य करने के लिए प्रभारी आईजीआरएस पल्लवी को निर्देश दिए। अगस्त माह में 414 आइजीआरएस पेंडिंग होने पर विभागों को नोटिस जारी करने के लिए वरिष्ठ प्रभारी आईजीआरएस को निर्देश दिए। इसके अलावा समीर ऐप पर गाजियाबाद नगर निगम की शिकायतें पेंडिंग ना होने पर टीम की सराहना की गई। ई नगर सेवा पर 15 शिकायतें लंबित होने पर तत्काल दो दिवस के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रभारी संभव डॉ. संजीव को निर्देश दिए गए। गाजियाबाद 311 एप के माध्यम से पांच माह में 24,000 शिकायतें प्राप्त हुई। जिनमें से 20,000 शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। शेष बची शिकायतों पर कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

गाजियाबाद में विवाहिता ने फांसी पर लटककर दी जान, किया था प्रेम विवाह

गाजियाबाद, एजेंसी। मसूरी गांव नाहल में पति फुरकान के साथ किराये के मकान में रहने वाली सानिया (22) ने देर रात दरवाजे के ऊपर ग्रिल में फंदा लगाकर जान दे दी। सुबह फुरकान को उठने पर सानिया का शव फंदे से लटका मिला। फंदे से शव को उतारकर फुरकान ने पुलिस को सूचना दी। मामले में सानिया के पिता अकबर अली ने फुरकान पर मारपीट करने और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया है। एसीपी मसूरी नरेश कुमार ने बताया कि सुबह एक महिला के आत्महत्या करने की सूचना मिली। मौके पर जांच की और पूछताछ में पता चला कि सानिया ने फुरकान से छह महीने पहले प्रेम विवाह किया था। दोनों परिवार से अलग किराये के मकान में रह रहे थे। दोनों के बीच पिछले कई दिनों से विवाद चल रहा था। प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। मामले में तहरीर मिलने पर उसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा।

विजयनगर में बनेगा तीसरा एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर

गाजियाबाद, एजेंसी। नगर निगम सीमा अंतर्गत निराश्रित श्वानों की रोकथाम के लिए लगातार कार्यवाही चल रही है। नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में संबंधित विभाग द्वारा नंदी पार्क नंदग्राम स्थित एबीसी सेंटर का संचालन किया जा रहा है। जिसमें प्रतिदिन लगभग 30 श्वानों के बधियाकरण किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

शिवम की दुल्हन बनेंगी इंग्लैंड की लूसी: चीन में हुई दोनों की मुलाकात, बरेली में कोर्ट मैरिज के लिए किया आवेदन

बरेली इंग्लैड के मैनचेस्टर की रहने वाली लूसी रॉलिंग ने बरेली के शिवम मिश्रा से कोर्ट मैरिज के लिए सदर तहसील में आवेदन किया है। इस पर अब तहसील से दोनों पक्षों के सत्यापन के लिए नोटिस जारी हुआ है। शहर के साहूकारा निवासी शिवम के आवेदन में दर्ज जानकारियों का सत्यापन किला थाना से होगा, जबकि लूसी के सत्यापन और एनओसी रिपोर्ट इंग्लैंड के दूतावास से मांगी गई है। सार्वजनिक सूचना जारी कर आपत्ति भी मांगी गई है। अगर 30 दिन में कोई आपत्ति दर्ज नहीं हुई तो कोर्ट मैरिज की प्रक्रिया शुरू होगी। किसी भी पक्ष से आपत्ति मिलने पर उसका निस्तारण एसडीएम कोर्ट में होगा। गोरी मैम और देसी छोरे की कहानी शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

चीन में हुई दोनों की मुलाकात

लूसी और शिवम ने शुक्रवार को अपने अधिवक्ता शांतनु मिश्रा के साथ कोर्ट मैरिज के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। शिवम के मुताबिक बरेली से इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद वह चीन में नौकरी करने चले गए। वहां उनकी मुलाकात लूसी रॉलिंग से हुई। लूसी मूलतः इंग्लैंड के मैनचेस्टर शहर की रहने वाली हैं। दोनों की दोस्ती हो गई। यह दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों ने एक-दूसरे को अच्छे तरह से जाना और फिर शादी करने का निर्णय लिया। उप जिलाधिकारी सदर गोविंद मौर्य के मुताबिक दोनों ने गवाहों के साथ बरेली की सदर तहसील में कोर्ट मैरिज के लिए आवेदन किया है। नियम अनुसार नोटिस के साथ दोनों पक्षों से आपत्ति के लिए सूचना जारी कर दी गई है। इसके बाद कोर्ट से विवाह स्वीकृति मिलेगी और प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

चबूतरे पर बैठे युवक पर की फायरिंग, चार नामजदों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, एक गिरफ्तार

हाथरस। सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव पचौं में घर के बाहर चबूतरे पर बैठे युवक पर गांव के चार नामजदों ने पिस्टल से फायर कर दिया। फायर की आवाज सुनकर मौके पर परिजन पहुंच गए, जिन्हें देखकर आरोपी बाइकों पर बैठकर फरार हो गए। घटना की रिपोर्ट चार नामजदों के खिलाफ दर्ज कराई गई है। एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

गांव पचौं निवासी पिंटू पुत्र बाबू सिंह ने बताया कि 29 अगस्त की शाम करीब पौने पांच बजे अपनी बुआ के घर के बाहर चबूतरे पर बैठे थे। तभी वहां उनके दो साथी क्रिकेट खेलकर आकर उनके साथ बैठ गए। इस दौरान पीछे से गांधी मूर्ति की तरफ से गली से होकर चार युवक आए। इनमें से दो के मुंह पर कपड़ा बंधा था। इनके नाम दीपक उर्फ दीपू, अभिषेक उर्फ चीकू पुत्रगण रेशमपाल, राजेश पुत्र सज्जनपाल और सोनू पुत्र गिर्राज बघेल हैं।

आरोपियों ने आकर गालियां दीं और पिस्टल से उन पर फायर कर दिया। गोली उनके कंधे के पास से निकल गई और वह बाल-बाल बच गए। घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीओ श्यामवीर सिंह का कहना है कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

हाथरस में लगने थे 16 हेल्थ एटीएम, तीन लगे, इनमें भी दो खराब

हाथरस। हाथरस में स्वास्थ्य केंद्रों पर 16 तरह की जांच करने के लिए हेल्थ एटीएम लगाने की योजना दो साल बाद भी एक कदम आगे नहीं सरक पाई है। जिले में 16 एटीएम लगाए जाने थे, तीन ही लग पाए। इनमें भी दो शुरू होने के एक माह बाद से ही बंद पड़े हैं। एक हेल्थ एटीएम सात दिन पहले शुरू हो पाया है। साल 2022 में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बामौली, आरती और टिकारी में हेल्थ एटीएम लगाए गए थे। एक माह तक इन्होंने काम किया, लेकिन इसके बाद ये खराब हो गए। इसमें बड़ी समस्या इन्हें चलाने वाले ऑपरेटर नहीं होने से आई। बामौली में सात दिन पहले लैब तकनीशियन की तैनाती हुई तो उसने आकर एटीएम चालू किया। आरती और टिकारी पर ये अभी भी बंद पड़े हैं। बामौली के हेल्थ एटीएम के चालू होने से यह भी साफ हो गया कि इसमें कोई बड़ी खामी नहीं थी, संचालन से संबंधित समस्या थी। लोगों का कहना है कि स्थानीय स्टाफ को प्रशिक्षण देकर इन्हें चलाया जा सकता है।

इन सीएचसी व पीएचसी पर लगाए जाने थे हेल्थ एटीएम

सीएचसी सादाबाद, सीएचसी सिकंदराराऊ, सीएचसी सासनी, सीएचसी मुरसान, सीएचसी सहपऊ, सीएचसी हसायन, सीएचसी महौ, सीएचसी कुरसंडा, पीएचसी बिसावर, पीएचसी टिकारी, पीएचसी चंदपा, पीएचसी हाथरस जंक्शन, पीएचसी महमूदपुर, पीएचसी नगला वीर सहाय, पीएचसी मानिकपुर, नगरीय पीएचसी मधुगढ़ी।

ये जांचें होनी हैं हेल्थ एटीएम से

हेल्थ एटीएम से ब्लड प्रेशर, शुगर, वजन, लंबाई, शरीर का तापमान, शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा, बॉडी मास इंडेक्स, बॉडी फैट, डिहाइड्रेशन, पल्स रेट आदि करीब 16 तरह की जांच होनी थी। उनकी रिपोर्ट भी तत्काल मिलनी थी।

हेल्थ एटीएम जब से लगा है, तब से ही यह बंद पड़ा है। कभी कहा जाता है कि ऑपरेटर नहीं है, कभी कोई तकनीकी समस्या बता दी जाती है।-ललित शर्मा निवासी गांव खोंडा। 2022 में हेल्थ एटीएम लगा था, लेकिन अभी तक कोई सुविधा नहीं मिली है। जब से लगा है, सिर्फ खड़ा हुआ है।-वीरपाल सिंह, टिकारी। दोनों हेल्थ एटीएम के बारे में जानकारी ली जाएगी। अगर बंद पड़े हैं, तो चालू कराए जाएंगे।-मंजीत सिंह, सीएमओ।

ससुराल वालों का उत्पीड़न चुपचाप सहती रही वो...शादी के छह माह बाद किया ऐसा हश्र; कांप गए घरवाले

मैनपुरी। मैनपुरी के भोगांव थाना क्षेत्र में नवविवाहिता की दहेज लोभी ससुराल वालों ने जान ले ली। मायके पक्ष का आरोप है कि बेटी की हत्या करने के बाद लाश को फंदे से लटका दिया, जिससे ये प्रतीत हो कि उसने आत्महत्या की है। घटना की जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने नवविवाहिता के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जनपद फरुर्खाबाद के थाना मोहम्मदाबाद के ग्राम संतोषपुर की रहने कांती देवी पत्नी सोबरन सिंह ने बताया कि बेटी सुकीर्ति उर्फ ज्योति की शादी थाना भोगांव के ग्राम नूरमपुर के रहने वाले बनवारी लाल पुत्र सतीश चन्द्र के साथ विगत 28 फरवरी 2024 को की थी। शादी में अपने सामर्थ्य के अनुसार खूब खर्च किया, लेकिन बेटी के ससुराल वाले खुश नहीं थे। शादी के कुछ दिन बाद तक तो सबकुछ ठीक ठाक रहा, लेकिन फिर उसका उत्पीड़न किया जाने लगा।

ससुराल वाले दहेज में कार की मांग को लेकर बेटी का उत्पीड़न करने लगे। इस मामले में कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन उन लोगों ने बेटी को प्रताड़ित करना बंद नहीं किया। बेटी सबकुछ चुपचाप सहती रही। शनिवार की सुबह ससुराल वालों का फोन आया कि बेटी ने आत्महत्या कर ली है। सूचना पर वे बेटी के ससुराल पहुंचे तो सच्चाई की जानकारी हो सकी।

बरेली में कुल की रस्म के साथ उर्स का समापन, सड़कों पर जायरीनों का सैलाब

बरेली। बरेली में आला हजरत के कुल की रस्म के साथ शनिवार को तीन दिवसीय उर्स का समापन हो गया। कुल की रस्म में देशभर के लाखों जायरीन शामिल हुए। दोपहर के वक्त तेज धूप होने के बावजूद रजा के दीवानों के कदम नहीं रुके। उर्स स्थल इस्लामिया इंटर कॉलेज का मैदान पूरी तरह खचाखच भर गया। आला हजरत इमाम अहमद रजा खां फाजिले बरेलवी के 106वें उर्स-ए-रजवी में शनिवार दोपहर दो बजे के बाद कुल की रस्म अदा की गई। इसी के साथ तीन रोजा उर्स का समापन हो गया। उर्स के समापन के बाद जायरीनों की वापसी का सिलसिला शुरू हुआ तो शहर की सड़क पर जायरीनों का सैलाब दिखाई दिया। उर्स में ढाई लाख जायरीन शामिल होने का दावा किया गया है। भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। शहर में रूट डायवर्जन लागू किया गया है। उर्स-ए-रजवी में कुल की रस्म से पहले देश-विदेश से आए उलमा ने तकरीरें दीं। कारी इकबाल रजा मुरादाबादी ने कहा कि मसलक आला हजरत ही मसलक अहले सुन्नत और मसलक ए हक है। इसी पर सख्ती से कायम रहे। मौलाना सलीम रजा ने सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर तकरीर दी।

मुफ्ती इमरान हनीफ ने कहा कि आज दुनिया का सबसे बड़ा समाज सुधारक हमारे कोई है तो हमारे पैगंबर ए इस्लाम हैं, जिन्होंने इंसान के हक के लिए आवाज को बुलंद किया है। आला हजरत के कुल में शनिवार को रजा के दीवानों का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही जायरीनों का हुजूम उर्स स्थल पर पहुंचने लगा। इस्लामियां इंटर कॉलेज का मैदान में जायरीनों से खचाखच भर गया। दोपहर करीब ढाई बजे आला हजरत के कुल की रस्म अदा की गई।

सीबीगंज के मथुरापुर स्थित मदरसा जमीयतुर्रजा में शुक्रवार को आला हजरत उर्स के मौके पर इमाम अहमद रजा इंटरनेशनल कॉफ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें आला हजरत की जिंदगी पर रोशनी डालने के साथ समाजी मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इसके बाद मुफ्ती-ए-आजम के कुल शरीफ की रस्म अदा की गई। कालपी शरीफ से आए सज्जादानशीं सैयद गयास-ए-मिल्लत ने कहा कि बरेली शरीफ से हमेशा अमन का पैगाम दिया जाता है।

मुल्कभर में बेकसूर मुसलमानों पर जुल्म व ज्यादती की जा रही है, हर तरफ मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे सब्र का इम्तिहान न लें।

इन इलाकों में जाने से बचें...उर्स के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिस ने आम लोगों के लिए भी एडवाइजरी जारी की है। झुमका तिराहा, मिनी बाइपास, किला पुल, चौपुला, पटेल चौक, नॉवल्टी, कोहाड़ापीर के मध्य उर्स-ए-रजवी में शामिल होने के अलावा अन्य कार्यों से जाने-आने से बचें।

एकेटीयू : 120 करोड़ की ठगी का सूत्रधार गिरफ्तार

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के 120 करोड़ रुपये ठगी के मामले में साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने ठगी के बड़े सूत्रधार को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने ही डोमेन खरीदकर एकेटीयू और यूनियन बैंक की फेक वेबसाइट बनाई थीं। वहीं ठगी की रकम ठिकाने लगाने में भी मुख्य भूमिका रही। शुक्रवार को आरोपी कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा गया।

इंस्पेक्टर साइबर क्राइम थाने के इंस्पेक्टर बृजेश कुमार यादव ने बताया कि मामले में गुजरात के भरूच निवासी अजय सुरेश भाई पटेल को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से ठगी की रकम से खरीदी गई एससयूवी भी बरामद की गई। पुलिस ने दावा किया है कि अजय ठगी के गिरोह के अहम किरदारों में से एक है। वह ठगी के मास्टरमाइंड फरार आरोपी कपिल मुनि का करीबी है। उसने श्री श्रद्धा एजुकेशनल ट्रस्ट के ट्रस्टी से कपिल की मुलाकात कराई थी। तब तय हुआ था कि ठगी की बड़ी रकम ट्रस्ट के खाते मे भेजी जाएगी। तभी 120 करोड़ में से 100 करोड़ रुपये ट्रस्ट के खाते में भेजे गए थे। आरोपी अजय पेशे से ठेकेदार है।

इस तरह फर्जी वेबसाइटों का हुआ इस्तेमाल...इंस्पेक्टर ने बताया कि बैंक और विवि की फर्जी वेबसाइट का ब्योरा एक-दूसरे से साझा किया गया। एकेटीयू के अधिकारियों से जब आरोपी अनुराग बैंक मैनेजर बन मिला था तो जो विजिटिंग कार्ड दिया था, उसमें बैंक की फेक वेबसाइट दर्ज की गई थी। जिससे अगर कोई उस वेबसाइट पर जाता तो उसमें बैंक मैनेजर के तौर पर अनुराग की फोटो व उसका विवरण दर्ज मिलता।

करंट की चपेट में आने से बालिका की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

औरैया। औरैया जिले के अजीतमल में घर के बाहर खेलते समय बिजली पोल में आ रहे करंट की चपेट में आकर एक बच्ची बुरी तरह से झुलस गई। जानकारी होने पर परिजन बच्ची को लेकर सीएचसी अजीतमल पहुंचे। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोनासी गांव निवासी शिवानंद, मजदूरी कर अपनी पत्नी कल्पना, पुत्र सम्राट, पुत्रियों महक और मिनी का भरण पोषण करता है। शनिवार की सुबह करीब साढ़े छह बजे उसकी पुत्री महक (7) जो कक्षा 01 में पढ़ती है, घर के बाहर खेल रही थी। खेलते हुए वह चबूतरे के पास गली में लगे बिजली के पोल के पास चली गई। जहां पोल में अर्थिंग के लिए लपेटे गए खुले तार में प्रवाहित करंट की चपेट में वह आ गई। इसी दौरान उधर से गुजर रहे ग्रामीणों की उस पर नजर पड़ी। तो उन्होंने परिजनों को सूचना दी। परिजन घायल महक को सीएचसी अजीतमल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों उसे घर ले गए और बिजली विभाग की लापरवाही बताते हुए मुआवजे की मांग की।

सूचना पर पुलिस क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार सिंह कोतवाली के क्राइम इंस्पेक्टर रुद्र प्रताप त्रिपाठी के साथ मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने परिजनों से वार्ता कर उन्हें समझाया। साथ ही बिजली विभाग इटावा को भी सूचना करते हुए कार्रवाई कराए जाने का आश्वासन दिया। इस दौरान पुलिस ने नाबालिग के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसडीएम अमित कुमार तिवारी ने बताया की विद्युत विभाग से बात हुई है। जिसमें पता चला है की इटावा जिले से उक्त गांव में सप्लाई आती है।

सिविल लाइंस में मसाज पार्लर की आड़ में चल रहा था सेक्स रैकेट, विदेशी युवती भी शामिल, 13 हिरासत में

प्रयागराज। सिविल लाइंस में रोडवेज बस अड्डे के ठीक बगल स्थित मॉल में स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट की सूचना पर शुक्रवार शाम छापा मारा गया। एक वीडियो वायरल होने के बाद मारे गए छापे में चार स्पा सेंटरों से 13 महिलाओं व युवतियों समेत 20 लोग हिरासत में लिए गए। इनमें से एक महिला संचालक व दो मैनेजर भी शामिल हैं। तीन स्पा सेंटरों के संचालकों की देर रात तक तलाश चलती रही। वहीं चारों स्पा सेंटरों को सील कर दिया गया है। शुक्रवार शाम साढ़े तीन बजे के करीब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रयागराज पुलिस को टैग करते हुए एक यूजर ने ट्वीट कर आरोप लगाया कि सिविल लाइंस में स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट चलाए जा रहे हैं। इनमें विदेशी मूल की महिलाओं को भी रखा गया है। ट्वीट में एक वीडियो भी पोस्ट किया गया जिसे स्पा सेंटर का बताया गया। इसमें वीडियो बनाने वाले युवक की कुछ लोगों से नोकझोंक की बात सुनाई देती है और एक विदेशी समेत कुछ महिलाएं भी दिखती हैं। ट्वीट की जानकारी अफसरों तक पहुंची तो हड़कंप मच गया और इसके बाद देर शाम रोडवेज बस अड्डे के ठीक बगल स्थित पी स्क्वॉयर मॉल में छापा मारा गया। यहां चार स्पा सेंटरों में पुलिस के पहुंचते ही अफरातफरी मच गई। इस दौरान अन्य लोग भाग निकले जबकि 13 महिलाओं व युवतियों समेत 20 लोग हिरासत में ले लिए गए। इनमें से एक नाइजीरियन मूल की भी महिला शामिल है। पकड़ी गई महिलाओं में से एक ने खुद को स्पा सेंटर संचालक बताया जबकि पुरुषों में से दो ने बताया कि वह अलग-अलग स्पा सेंटरों के मैनेजर हैं। चारों स्पा सेंटर सील करते हुए हिरासत में लिए गए लोगों को थाने लाया गया। महिलाओं व युवतियों को महिला थाने जबकि पुरुषों को सिविल लाइंस थाने में रखकर देर रात तक पूछताछ चलती रही। एसीपी सिविल लाइंस श्वेताभ पांडेय ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ चल रही है।

असली नाम कुछ और फर्जी नाम से कर रही थीं काम...सूत्रों के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई कि पकड़ी गई महिलाओं व युवतियों में से एक को छोड़कर अन्य सभी स्पा सेंटरों में काम करती हैं। यह अलग-अलग शहरों की हैं और प्रयागराज में किराये के कमरे लेकर रहती हैं। खास बात यह कि स्पा सेंटरों में वह फर्जी नाम से काम करती हैं जबकि इनके असली नाम कुछ और हैं। अफसरों ने बताया कि वह यहां कैसे पहुंचीं, विस्तृत पूछताछ के बाद ही पता चलेगा।

पुलिस की नाक के नीचे कैसे चल रहा था खेल?...पूरे मामले में स्थानीय पुलिस पर भी सवाल उठ रहे हैं। सवाल यह है कि पुलिस की नाक के नीचे स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे खेल की भनक कैसे नहीं लगी। मॉल रोडवेज बस अड्डे के ठीक बगल स्थित है। 500 मीटर की दूरी पर दो पुलिस चौकियां व एक किमी की दूरी पर थाना स्थित है। ऐसे में बड़ा सवाल है कि पुलिस को इसकी जानकारी कैसे नहीं हो पाई।

कौन है अतीक का करीबी समीर?... जिस ट्वीट पर पुलिस के एक्शन में आने के बाद इस पूरे खेल का भंडाफोड़ हुआ, उसमें लिखा एक नाम भी इस पूरे प्रकरण में बड़ा रहस्य है। दरअसल ट्वीट में यह भी आरोप लगाया गया कि सिविल लाइंस में अलग-अलग स्पा सेंटरों की आड़ में अनैतिक कार्य के धंधे का सरगना समीर है जो माफिया अतीक अहमद का करीबी रहा है। सवाल यह है कि आखिर यह समीर कौन है, क्या इसका वाकई अतीक से कोई संबंध है और अगर ऐसा है तो वह कैसे बेखौफ होकर इस धंधे को संचालित कर रहा था।

बदल रहा है गोरखपुर: CM योगी एशिया के पहले राजगिद्ध संरक्षण केंद्र का करेंगे उद्घाटन

गोरखपुर देश ही नहीं एशिया में राजगिद्ध (रेड हेडेड वल्चर) के संरक्षण के लिए गोरखपुर वन प्रभाग के कैम्पियरगंज रेंज में स्थापित ह्यजटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्रह्न का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इसके लिए 6 सितंबर की तिथि प्रस्तावित है।

इस जटायु संरक्षण केंद्र का शिलान्यास भी मुख्यमंत्री ने 7 अक्टूबर 2020 को किया था। जटायु संरक्षण केंद्र का उद्घाटन करने के बाद 6 सितंबर को ही मुख्यमंत्री स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित मानीराम क्षेत्र के सोनबरसा गांव में 634.66 करोड़ रुपये की पांच विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे। राजगिद्ध जटायु की गाथा तो रामायण काल से ही सभी जानते हैं लेकिन पर्यावरणीय खतरे के चलते जटायु के वंशजों के अस्तित्व पर ही संकट आ गया। योगी सरकार ने इस संकट को दूर करने का संकल्प लिया है। राजगिद्ध के संरक्षण व संवर्धन के लिए गोरखपुर वन प्रभाग के कैम्पियरगंज (भारीवैसी) में जटायु संरक्षण व संवर्धन केंद्र बनाया गया है। इस केंद्र के जरिये राजगिद्धों की संख्या बढ़ेगी ही, विलुप्त होती प्रजातियों में शामिल इन जीवों को देखने के लिए सैलानियों की आमद बढ़ने से ईको टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा।

जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र की स्थापना पर कुल 2 करोड़ 80 लाख 54 हजार रुपये की लागत आई है। इसमें ब्रीडिंग एवरी, होल्डिंग एवरी, हॉस्पिटल एवरी, नर्सरी एवरी, वेटनरी सेक्शन, प्रशासनिक भवन, रिकवरी एवरी, गार्डरूम, जेनरेटर रूम, पाथवे का निर्माण किया गया है।इस केंद्र में कुल 8 स्टाफ कार्यरत हैं। जटायु संरक्षण केंद्र में कुल 6 राजगिद्धों (नर एवं मादा) को लाया जा चुका है।

यहां राजगिद्धों गिद्धों की निगरानी की सीसी कैमरों से की जाएगी। गोरखपुर के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) विकास यादव के मुताबिक पांच हेक्टेयर जमीन पर बनाए गए इस केंद्र के लिए बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी और प्रदेश सरकार के बीच में समझौता हुआ है। गोरखपुर वन प्रभाग द्वारा बनाई गई कार्ययोजना के अनुसार इस जटायु संरक्षण केंद्र से आगामी आठ-दस साल में 40 जोड़े राजगिद्ध छोड़े जाने का लक्ष्य है। रेल ओवरब्रिज, स्मार्ट स्कूल और स्मार्ट पंचायत भवन का होगा लोकार्पण

मुस्लिम पहचान छिपाकर युवती से की शादी, धर्म परिवर्तन कराया

लखनऊ। ताज मोहम्मद ने बबलू बनकर युवती को प्यार के जाल में फंसाया और भगाकर शादी कर ली। ससुराल पहुंचने पर युवती को पता चला कि पति मुस्लिम है। विरोध पर जबरन धर्म परिवर्तन करा दिया गया। इस दौरान युवती ने दो बेटियों को जन्म दिया। आरोपी ने दूसरी युवती से निकाह कर लिया और सऊदी अरब चला गया। वहां से लौटा तो पीड़िता को तीन तलाक दे दिया। युवती ने शुक्रवार को निगोहां थाने में केस दर्ज कराया है। निगोहां के डीहा गांव निवासी नीलम मिश्र के अनुसार, कुछ साल पहले ताज मोहम्मद ने खुद को हिंदू बताकर प्यार के जाल में फंसाया था। शादी के बाद जबरन धर्म परिवर्तन कराके उनका नाम नाजिया रखवा दिया था। वह इतनी यातनाएं सिर्फ अपनी बच्चियों के लिए सहती रही। ताज ने वर्ष 2021 में शाजिया नाम की युवती से निकाह कर लिया और सऊदी अरब चला गया। पीड़िता के अनुसार, 25 जून 2024 को ताज लौटा और मारपीट कर उन्हें घर से भगा दिया। इसके बाद वह भाई शाश्वत मिश्रा के साथ रहने लगीं। आरोप है कि 24 अगस्त की शाम ताज उनके भाई के घर पहुंचा और मारपीट करते हुए तीन तलाक बोलकर चला गया। आजिज आकर उन्होंने शुक्रवार को निगोहां थाने में केस दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष अनुज तिवारी का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

अफवाह फैलाकर कराया था बवाल ,वीडियो को देखकर पुलिस ने पहचाने चेहरे, गाजियाबाद दुष्कर्म कांड की पूरी कहानी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के साहिबाबाद के लिंक रोड इलाके में बृहस्पतिवार को दिनभर चले बवाल के मामले में पुलिस को साजिश होने की जानकारी मिली है। पुलिस का कहना है कि कुछ लोगों ने अफवाह फैलाकर लोगों को भड़काया था। इसके लिए किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले को सामूहिक दुष्कर्म का बताया गया। बवाल करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी है। पुलिस ने 250 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। बवाल के वीडियो को देखकर आरोपियों के चहेरे पहचानने का प्रयास किया जा रहा है।

एसीपी साहिबाबाद रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि एसआई रुस्तम सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। बवाल के दौरान ट्रैफिक जाम हो गया था। इसमें स्कूली बच्चे और एंबुलेंस भी फंस गई थी। आगजनी के डर से लिंक रोड क्षेत्र की दुकानें बंद हो गई थीं। पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। पूरे घटनाक्रम के वीडियो मिले हैं। वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। एहतियात के तौर पर पूरे इलाके में पुलिस तैनात है।

विधायक बोले- पुलिस समाजवादी पार्टी की...लोनी के भाजपा विधायक नंदकिशोर शुक्रवार को दुष्कर्म पीड़ित किशोरी के परिवार से मिले। विधायक ने मीडिया से बातचीत के दौरान पुलिस पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यह पुलिस सरकार की नहीं, समाजवादी पार्टी की है। बड़े अफसर घटनास्थल पर क्यों नहीं आए। ये लोग परिवार से मिलने नहीं आएंगे क्योंकि झोला भरकर ऊपर नोट भेजते हैं। ऊपर उनके आका बैठे हैं, जो बेईमान हैं। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री से बात करेंगे।

विधायक बोले- पुलिस समाजवादी पार्टी की...लोनी के भाजपा विधायक नंदकिशोर शुक्रवार को दुष्कर्म पीड़ित किशोरी के परिवार से मिले। विधायक ने मीडिया से बातचीत के दौरान पुलिस पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यह पुलिस सरकार की नहीं, समाजवादी पार्टी की है। बड़े अफसर घटनास्थल पर क्यों नहीं आए। ये लोग परिवार से मिलने नहीं आएंगे क्योंकि झोला भरकर ऊपर नोट भेजते हैं। ऊपर उनके आका बैठे हैं, जो बेईमान हैं। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री से बात करेंगे।

दुष्कर्म केस की पूरी कहानी...दरअसल, लिंक रोड थाना इलाके की एक कॉलोनी बुधवार शाम करीब पांच बजे रिक्शा चालक की 16 साल की बेटी के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म किया गया। इस केस में नामजद कराए गए साहिबाबाद के शहीदनगर निवासी फैजान (20) को पुलिस ने बृहस्पतिवार सुबह दस बजे गिरफ्तार कर लिया। वह लिंक रोड क्षेत्र में कबाड़ी की दुकान पर काम करता है। पीड़िता और आरोपी अलग-अलग समुदाय के होने की वजह से तनाव की स्थिति बन गई।

घटना का पता चलने पर करीब 11 बजे हिंदू परिवार गौ रक्षक समेत कई संगठनों के लोग लिंक रोड थाने पर जमा हो गए। इन लोगों ने आरोपी को उनके हवाले किए जाने की मांग करते हुए पहले हंगामा-प्रदर्शन किया। इसके बाद सड़क पर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारी घटना को सामूहिक दुष्कर्म की बता रहे थे। आरोपी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

उनके जमा होने से सड़क पर ट्रैफिक जाम हो गया। दिल्ली जाने और वहां से आने वाले लोगों को घूमकर लंबे रास्ते से जाना पड़ा। हंगामा बढ़ता देख साहिबाबाद, कौशांबी और इंदिरापुर थाने से भी पुलिस बल मंगा लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने समझाया कि तहरीर के आधार पर ही केस दर्ज हुआ है। आरोपी पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस पर लगभग एक घंटा विरोध जताने के बाद वे लोग दोपहर 12 बजे लौट गए।

किशोरी को चांटे मारे, बाल खींचे...एफआईआर में किशोरी के पिता ने बताया है कि उनकी बेटी और आठ साल का बेटा घर पर थे। अन्य लोग काम पर गए हुए थे। फैजान घर में घुस गया। उसने बेटी के बाल खींचे, उसे चांटे मारे। बेटे ने विरोध किया तो उसे लात मारी। इसके बाद बेटी के मुंह पर रुमाल डाल दिया। इससे वह बेहोश हो गई। उसे जब होश आया तो पता चला कि उसके साथ गलत काम किया गया है। एसीपी रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा। साक्ष्य जुटाकर इस केस में कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चौकी के बाहर धरना दे रहे लोगों पर बरसीं पुलिस की लाठियां, सात घंटे चला बवाल...तोड़फोड़ और आगजनी के बाद कुछ लोग सूर्यनगर चौकी के बाहर धरना देकर बैठ गए। पुलिस ने उन्हें पहले समझा बुझाकर उठाने का प्रयास किया। जब वे लोग नहीं माने तो पुलिस ने सख्ती की। इस पर नोकझोंक हो गई। पुलिस ने लाठियां बरसा दीं। इस पर लोग भाग गए। इसके बाद पूरे इलाके को पुलिस छावनी बना दिया गया। इस तरह दोपहर दो बजे से शुरू हुआ बवाल सात घंटे बाद रात नौ बजे बजे थमा। आरोपी फैजान की गिरफ्तारी के बाद सैकड़ों लोगों ने पहले लिंक रोड थाने पर प्रदर्शन किया था।

सियासत : चाणक्य की 'चाल' से धाराशायी 100% स्ट्राइक वाला भ्रम!

चिराग पासवान की नींद उड़ाने वाली वो बातें

दीपक कुमार तिवारी।

नई दिल्ली/पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और उनकी पार्टी यूं हीं राडार पर नहीं आई। उनके बयानों ने मोदी सरकार को अनकम्फर्टेबल कर दिया था। राजनीति में साफगोई तो ठीक है मगर जब आप एलायंस पर निर्भर हों तो धैर्य की जरूरत रहती है। इसकी कमी चिराग पासवान में दिखी थी। जिसका नतीजा रहा कि पार्टी में टूट की खबरें मीडिया में आने लगी। इसके बाद चिराग पासवान फूलों का गुलदस्ता लेकर अमित शाह के दरवाजे पर पहुंचे। सांसदों से वीडियो जारी जारी कराए गए। पिछले दो दिनों से सफाई पर सफाई खुद चिराग पासवान दे रहे हैं। चिराग पासवान की इंजीनियरिंग की डिग्री विवादों में आ गई। कहा जा रहा है कि चिराग को 100% स्ट्राइक का भ्रम हो गया था, जिसे बीजेपी ने दूर कर दिया।

चिराग पासवान ने जिस फॉमूर्ले पर अपनी राजनीति शुरू की थी, लगता है अब उसी फॉमूर्ले पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। चिराग पासवान सत्ता में भी बने रहना चाहते थे और पीएम मोदी और बीजेपी का विरोध भी करना चाहते थे। लेकिन हाल के घटनाक्रम से लगता है कि अब ये फॉमूर्ला काम नहीं कर रहा है। चिराग पासवान ने पीएम मोदी की नीतियों पर सवाल उठाए थे। जिसके बाद बीजेपी असहज हो गई और चिराग पासवान पर अंदरूनी तौर पर लगाम लगाने की कोशिशें होने लगीं।

सबसे पहले चिराग पासवान के चाचा और उनके कट्टर विरोधी पशुपति पारस की पटना में बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जयसवाल से मुलाकात हुई। फिर पशुपति पारस की दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करवाई गई। इसी बीच खबर आई कि चिराग पासवान

की पार्टी में बगावत हो सकती है और उनके पांच में से तीन सांसद पार्टी छोड़ सकते हैं।

चाचा के एक्शन और बीजेपी के चाल ने चिराग पासवान की नींद उड़ा दी। सबसे पहले चिराग पासवान ने फूलों की गुलदस्ता के साथ अमित शाह के दरवाजे पर दस्तक दी। बातचीत के डिटेल में चिराग ने सिर्फ इतना कहा कि मुलाकात के दौरान कई राजनीतिक बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चचाएं हुई। वहां से निकलने के बाद अपने सांसदों से सफाई दिलवानी शुरू की। चिराग पासवान के सभी सांसद पार्टी में बने रहने की बात कह रहे हैं लेकिन जिस तरह से सफाई का दौर शुरू हुआ है, उससे अटकलों का बाजार और गर्म है। दरअसल, साल 2021 में भी चिराग पासवान से नाराज होकर उनके छह में से पांच सांसदों ने बगावत कर दी थी। उस वक्त चिराग पासवान के चाचा पशुपति पारस के नेतृत्व में पांच सांसद अलग हो गए थे और चिराग पासवान अकेले पड़ गए थे। एक बार फिर से वही स्थिति बनती दिख रही है।

चिराग पासवान अपने सांसदों से वीडियो जारी कराकर ये दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि पार्टी में सबकुछ ठीक है। चिराग पासवान के सभी सांसदों ने वीडियो जारी करके कहा है कि वो पार्टी के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं और राजद उनकी पार्टी को तोड़ने की साजिश कर रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) ने पांच सीटों पर चुनाव लड़ा था और सभी पांच सीटों पर जीत हासिल की थी। चुनाव जीतने के बाद चिराग पासवान को केंद्र सरकार में मंत्री बनाया गया था।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पीएम मोदी की कई नीतियों का विरोध किया था। आरक्षण में क्रिमी लेयर, लेटरल एंट्री, जातिगत जनगणना और वक्फ बोर्ड जैसे कई मुद्दों पर चिराग पासवान ने पीएम मोदी और बीजेपी से अलग स्टैंड लिया। जिसके बाद से ही लोजपा (रामविलास) में टूट की अटकलें फिर से शुरू हो गई। चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) के पास पांच सांसद हैं। इसमें वो एक खुद हैं। बाकी अन्य चार सांसदों में उनके एक बहनोई अरुण भारती हैं। इसके अलावा वीणा सिंह, राजेश वर्मा और शांभवी चौधरी हैं।

विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक मुकेश सहनी को कुछ इसी तरह का भ्रम मार्च 2022 में हो गया था। तब वीआईपी के सभी तीनों विधायक बीजेपी में शामिल हो गए थे। मुकेश सहनी को कानोंकान खबर तक नहीं लगी। इस सदमे से आज तक मुकेश सहनी उबर नहीं पाए। बीजेपी में शामिल वाले तीनों विधायक थे राजू सिंह, मिश्री लाल और स्वर्णा सिंह। तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने तीनों विधायकों को मान्यता देने में जरा सा भी देर नहीं की थी। तब बोचहां विधानसभा उपचुनाव को लेकर मुकेश सहनी की बीजेपी से ठन गई थी। सिर्फ एक सीट के चक्कर में तीन विधायकों को गंवाना पड़ा था।

चिराग पासवान ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा है, 'आज की तारीख में विपक्ष के द्वारा जो ये भ्रम फैलाया जा रहा है, मेरी पार्टी और मेरे सांसदों को लेकर, वह उसी साजिश को हवा देने की सोच है जो 2021 में रची गई थी। उस वक्त भी इनलोगों को लगा था कि ये चिराग पासवान को समाप्त कर देंगे, लेकिन ना उस वक्त ये लोग चिराग पासवान को समाप्त कर पाए और ना आगे कर पाएंगे। आज की तारीख में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का हर सांसद 'बिहार फर्स्ट-बिहारी फर्स्ट' की सोच को धरातल पर उतारने के लिए काम कर रहा है। अब हमलोग का ध्यान अगले साल, यानी 2025 में होनेवाले विधानसभा चुनाव पर है। जो लोग सोचते हैं कि लोजपा (रामविलास) में टूट हो, वो अपनी ख्वाहिशों को पर देने का काम कर रहे हैं, वे चाहते हैं कि ऐसा हो। लेकिन, ऐसा कुछ होनेवाला नहीं है। 'काठ की हांडी' बार बार नहीं चढ़ती है। इस बार ऐसा कुछ नहीं होगा।'

चिराग पासवान के सांसदों ने भी वीडियो जारी करके अपना-अपना पक्ष रखा है। खगड़िया से सांसद राजेश वर्मा ने वीडियो जारी करके कहा है कि वो पार्टी के साथ हैं। उन्होंने कहा, 'उन बेचारों का मनोबल टूटा जिन्होंने पार्टी टूटने की खबर चलाई। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से हमारी पार्टी में टूट होने की अपवाहों को हवा दी जा रही है। ये एनडीए को कमजोर करने की सोची-समझी साजिश है। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि ना ही हमारी पार्टी में टूट हो रही है और ना ही हमारी पार्टी के अंदर विरोधाभास है। हमलोग अपने नेता के साथ मजबूती के साथ खड़े हैं।'

जमुई से सांसद अरुण भारती ने कहा, 'राजद का चेहरा फिर एक बार बेनकाब हुआ। विकास के मुद्दो से ध्यान भटकाने का प्रयास करना राजद के चरित्र का अहम हिस्सा रहा है। मेरी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) में टूट को लेकर भ्रामक खबर फैलाना राजद की साजिश है। हम सभी अपनी पार्टी के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए एकजुट रहता है तो राजद का राजनीति का कोई भविष्य नहीं है, इसलिए अपनी खोई भी अस्तिव को वापस पाने के लिए जनता को भरमा रहे हैं।'

समस्तीपुर से सांसद शांभवी चौधरी ने वीडियो जारी करके कहा है, 'अफवाहों पर ध्यान ना दें। हमारी पार्टी लोजपा (रामविलास) में टूट को लेकर भ्रामक खबर फैलाने वाले राजद की यह पुरानी आदत है। वो लोगों को विकास के मुद्दों से भटकाना चाहते हैं। हम सब मजबूती से अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के नेतृत्व में एनडीए के साथ खड़े हैं।'

वैशाली से सांसद वीणा देवी ने कहा, 'चट्टान की तरह हमलोग चिराग पासवान के साथ खड़े हैं। पार्टी में कोई टूट नहीं होने वाली है। राजद के लोग भ्रम फैला रहे हैं। अब लोग अपना पुलाव पक्का रहा है, मनगढ़त कहानी बना रहे हैं। हमलोग एनडीए के साथ हैं और सबका साथ सबका विश्वास के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष के वीजन बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट के तर्ज पर काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि यहां कोई खेल होने वाला नहीं है उनके मंसूबो पर पानी फिर जाएगा।'

'रिएक्शन' से पहले पुलिस ने कर दिया 'एक्शन'

सुनसान सड़क और घुप अंधेरा,'बाबू साहेब' के साथ थे लोग

संवाददाता।

शिवहर। सुनसान सड़क, रात हो चुकी थी। राहगीरों का आवागमन लगभग थम गया था। करीब आधा दर्जन अपराधी लूट या डकैती की किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। तभी इस बात की भनक पुलिस को लग गई। फिर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देख अपराधी भागने लगे। खदेड़कर तीन को तो दबोच लिया गया, जानकी अन्य अपराधी फरार होने में सफल रहे। इन अपराधियों की पास हथियार और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए हैं।

शिवहर एसडीपीओ अनिल कुमार ने बताया कि नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत महुअरिया गांव से बालू मंडी के तरफ जाने वाली सड़क के किनारे रात में 5 से 6 अपराधी एकत्रित होकर लूट और डकैती की बड़ी घटना को अंजाम की योजना बना रहे थे। इसकी गुप्त सूचना नगर थानाध्यक्ष अभय कुमार सिंह को मिली। उन्होंने वरीय को सूचना दी। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई करने के लिए नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। देखा गया कि मौके पर 5 से 6 युवक बैठे हुए हैं।

एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस की गाड़ी को देखकर अपराधी भागने लगे। इस दौरान पुलिस ने तीन युवक को खदेड़ कर पकड़ लिया। इनमें तरियानी थाना क्षेत्र के तरियानी छपरा के अजीत सिंह के पुत्र बाबू साहेब उर्फ आशीष कुमार, सुरेश सिंह के बेटे दीपक कुमार सिंह और नगर थाना क्षेत्र के माधोपुर अनंत निवासी रूप नारायण भगत के पुत्र सचिन कुमार शामिल है। तीन अपराधी फरार होने में सफल रहे। इन तीनों के पास से एक देसी लोडेड पिस्टल, 7.65 एमएम का तीन जिंदा कारतूस, दो स्टील का बना चाकू, दो लोहे का बना (फाइटर) पंजा, दो मोबाइल और दो बाइक बरामद किया गया। फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

एसडीपीओ ने कहा कि गिरफ्तार अपराधी बाबू साहेब उर्फ आशीष कुमार का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। कहा कि सीतामढ़ी जिला अंतर्गत सोनवर्षा थाना में वर्ष 2022 अक्टूबर को आर्म्स एक्ट मामला दर्ज हुआ था। रुन्नीसैदपुर थाना में वर्ष 2024 में दो प्राथमिकी दर्ज हुई थी। शिवहर थाना में वर्ष 2024 के आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज हुआ था।

इधर, सीतामढ़ी जिले के मेजरगंज थाने की पुलिस टीम ने गुप्त सूचना पर डुमरी कला गांव में छापेमारी कर आर्म्स के साथ चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बदमाश भागने में सफल हो गया। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर ननकार गांव के सुनील कुमार, डुमरी कला के रूपेश कुमार, विमलेश कुमार और कुंदन कुमार के रूप में की गयी है। पकड़े गए सुनील कुमार के पास से एक लोडेड देसी पिस्टल, 0.315 एमएम का जिंदा कारतूस बरामद किया गया। वहीं, मौके से तीन बाइक जब्त किया गया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार सभी बदमाश किसी लूट की घटना को अंजाम देने की फिराक में थे।

पुलिस के अनुसार, सभी अपराधी गांव के रूपेश कुमार के बगीचा में लूटपाट का प्लान तैयार कर रहे थे। इसी बीच, सूचना पर थानाध्यक्ष ललित कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बगीचे की घेराबंदी कर चार बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, मौके से कुन्नू पटेल फरार हो गया। छापेमारी दल में शामिल एसआइ साकेंद्र कुमार के आवेदन पर बदमाशों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बिहार में किसानों का खेती से हो रहा मोहभंग!

यही हाल रहा तो रोटी-दाल तक हो जाएगी महंगी

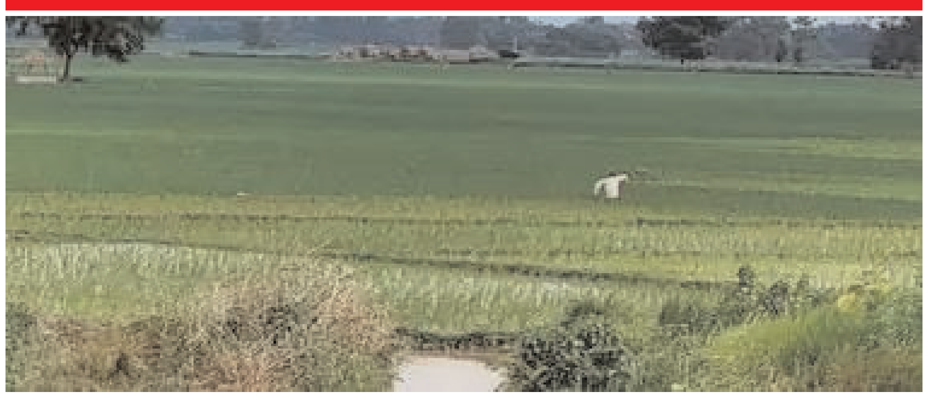

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार में पिछले तीन साल में अनाज उत्पादन में सात लाख टन की कमी आई है। खेती का रकबा भी दो लाख हेक्टेयर घट गया है। चावल, गेहूं, दाल और मक्का के उत्पादन में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। हालाँकि, चावल के उत्पादन में वृद्धि हुई है और गेहूं में भी मामूली सुधार दिख रहा है, लेकिन यह पिछले साल की तुलना में कम है। तिलहन का उत्पादन घटा है, हालांकि उपज बढ़ी है। कुल मिलाकर, वर्ष 2023-24 में खाद्यान्न उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दस लाख मीट्रिक टन की वृद्धि हुई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में गेहूं के उत्पादन में सुधार हुआ है, लेकिन यह अभी भी दो साल पहले के स्तर से कम है। वर्ष 2021-22 में 68.98 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उत्पादन हुआ था, जो अगले वर्ष घटकर 66 लाख मीट्रिक टन रह गया। वर्ष 2023-24 में उत्पादन बढ़कर 67.08 लाख मीट्रिक टन हो गया। बिहार में दाल का उत्पादन पहले से ही कम होता रहा है और पिछले वर्ष इसमें भारी गिरावट आई है। वर्ष 2021-22 में 3.88 लाख मीट्रिक टन और 2022-23 में 4.14 लाख मीट्रिक टन दाल का उत्पादन हुआ। हालांकि, अगले ही वर्ष उत्पादन में लगभग दो लाख मीट्रिक टन की गिरावट आई और यह घटकर 2.85 लाख मीट्रिक टन रह गया। मक्का के उत्पादन में भी उतार-चढ़ाव देखा गया है। वर्ष 2021-22 में 34.71 लाख मीट्रिक टन मक्का का उत्पादन हुआ, जो 2022-23 में बढ़कर 48.29 लाख मीट्रिक टन हो गया, लेकिन अगले वर्ष यह घटकर 33.78 लाख मीट्रिक टन रह गया। पिछले वर्ष की तुलना में मक्का के उत्पादन में लगभग 15 लाख मीट्रिक टन की गिरावट आई है।

चावल उत्पादन में वृद्धि देखी गई है, जबकि खेती का रकबा लगभग समान रहा है। वर्ष 2021-22 में 77.17 लाख मीट्रिक टन चावल का उत्पादन हुआ, जो 2022-23 में बढ़कर 78.73 लाख मीट्रिक टन हो गया और उसके बाद के वर्ष में 86.75 लाख मीट्रिक टन हो गया। चावल की खेती का क्षेत्रफल वर्ष 2021-22 में 30.91 लाख हेक्टेयर था, जो अगले वर्ष घटकर 29.35 लाख हेक्टेयर हो गया और फिर 2023-24 में 30.34 लाख हेक्टेयर हो गया।

बिहार में बीजेपी का बनाएंगे डेढ़ करोड़ सदस्य : दिलीप जयसवाल

सदस्यता अभियान पर निकले बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष, कांटी में हुआ भव्य स्वागत

दीपक तिवारी।

मुजफ्फरपुर। बिहार में हम बीजेपी का डेढ़ करोड़ सदस्य बनाएंगे। सदस्यता अभियान का शुरूआत 1 सितंबर को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा सदस्य बनाकर प्रारंभ किया जाएगा। प्रधानमंत्री को सदस्य बनते ही बिहार बीजेपी के हजारों कार्यकर्ता इस अभियान में जुट जाएंगे। प्रदेश के हर एक परिवार से राष्ट्रवाद व देशभक्ति को मजबूत बनाने के लिए बीजेपी का कम से कम एक सदस्य बनना हमारा लक्ष्य है। निर्धारित समय सीमा के अंदर हम इस लक्ष्य को पूरा करेंगे।

उक्त बातें शनिवार को पटना से बेतिया जाने के क्रम में कांटी क्षेत्र के छपरा काली मंदिर पर उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर में यह अभियान सत प्रतिशत सफल होगा। इस जिले में पूर्व मंत्री अजीत कुमार जैसे हजारों जीवंत कार्यकर्ता हमारे दल में हैं, जो पार्टी के कार्यक्रमों एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संकल्प को पूरा करने के लिए अनवरत

संघर्ष कर रहे हैं। इससे पूर्व छपरा काली मंदिर पहुंचते ही भारतीय जनता पार्टी के हजारों कार्यकताओं ने पूर्व मंत्री अजीत कुमार के नेतृत्व में श्री जायसवाल का गाजे बाजे के साथ भव्य स्वागत किया। अहले सुबह से जुटे हजारो कार्यकताओं का उत्साह देखा श्री जायसवाल गाड़ी से उतरकर कार्यकताओं के साथ पैदल चलकर काली मंदिर पहुंचे, जहां काली मां का पूजा अर्चना किया एवं मां का आशीर्वाद प्राप्त किया।

काली मंदिर के महंत पंडित श्याम नारायण झा ने दिलीप जायसवाल , सतीश चंद्र दुबे व पूर्व मंत्री अजीत कुमार को पूजा अर्चना के उपरांत मां का चुंदरी आशीर्वाद स्वरूप में भेंट किया। मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे भी उपस्थित थे। श्री दुबे ने कार्यकताओं से सदस्यता अभियान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने का अपील किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करने वालों में मुखिया इंद्र मोहन झा ,रणधीर कुमार सिंह,श्री कृष्णा , कमलेश कुमार सिंह,अशोक पासवान, कमलेश कांत गिरी, प्रभाकर चौधरी ,मोहम्मद शमीम, नंदन महतो, नूनू मिश्रा ,अनिल शाही, मंकू पाठक ,साकेत रमन पांडे, नागेंद्र पंडित , रंजीत चौधरी ,पप्पू सिंह ,उपेंद्र शाह, शिव कुमार सहनी ,मुन्ना सहनी, जयसिंह कुशवाह , अखिलेश शाह, राम आशीष राम, अनिल पंडित, राकेश कुमार सिंह, अमरजीत पासवान,राजकुमार शाह, चंदन पासवान, हरिनंदन राम, रमेश कुमार शर्मा उर्फ टुना शर्मा , राज किशोर सहनी आदि प्रमुख थे।

दहेज के लिए पति ने पत्नी की गला घोंटकर कर दी हत्या,आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता।

मोतिहारी । जिले के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र स्थित डुमरिया गांव में एक सनकी पति ने अपने पत्नी का हाथ पांव बांधा और फिर गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद खुद पुलिस को घटना के बारे में जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। मृतका की पहचान सहाबुद्दीन मियां की 30 साल की पत्नी सलीना खातून के रूप में की गई है। घटना को लेकर मृतका के पिता तुरकौलिया थाना क्षेत्र के परशुरामपुर निवासी हमीद ने बताया कि बेटी की शादी साल 2016 में डुमरिया घाट थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव निवासी नईम मियां के बड़े बेटे सहबुद्दिल से की थी। शादी के बाद उनका दामाद लगातार पैसों की मांग करता था। वह कुछ दिनों से बाइक खरीदने के लिए 80 हजार रुपए की मांग कर रहा था। इसके साथ ही उनकी बेटी के साथ वह मारपीट भी करता था। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को दामाद से फोन पर बात हुई थी। वह कही बाहर होने की बात कह रहा था। इसके साथ ही उसने कहा कि इलाज के लिए सलीना को पैसे भेज दे रहे है। आप उसके पास जाकर इलाज करा दीजिएगा। वह ठीक हो जाएगी तो आएंगे। इसके बाद रात को तीन बजे थाना से फोन आया कि आपकी बेटी की मौत हो गई है। आपके दामाद ने उसकी हत्या कर दी है। वह पुलिस हिरासत में है।जानकारी के अनुसार आरोपी पति शुक्रवार को बाहर से घर आया था। रात के 10 बजे पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ और फिर हाथ पाव बांध कर उसी के दुपट्टा से गला घोंट कर हत्या कर दिया। मामले को लेकर डुमरिया घाट के प्रभारी थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि पति ने पत्नी की गला घोंट कर हत्या कर दिया है। उसने खुद को पुलिस के हवाले भी कर दिया है। युवती के शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर थाना लाया गया है। फिलहाल मायके वालों के तरफ से कोई आवेदन नहीं मिला है।

अशोक चौधरी भूमिहारों पर बोल अब पूरी और बुरी तरह से फंसे

नीतीश कुमार की पार्टी में बवाल

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार में नीतीश सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने जहानाबाद में भूमिहारों पर निशाना साधा। लेकिन उन्हें क्या पता था कि उनका ये बयान ही उन्हें अपनी पार्टी में ही बुरी तरह से फंसा देगा। खासतौर पर तब जब इसी समाज के एक नेता यानी मोकामा के बाहुबली पूर्व विधायत अनंत सिंह सीएम नीतीश कुमार से हाल ही में मिले हैं। अशोक चौधरी ने उन्होंने लोकसभा चुनाव में जेडीयू उम्मीदवार की हार के लिए भूमिहारों को जिम्मेदार ठहराया था। अशोक चौधरी ने खुलेआम भूमिहारों को चेतावनी तक दे दी थी कि वो अगर जेडीयू का साथ नहीं देंगे तो उनके समाज में विधानसभा का टिकट ही नहीं मिलेगा।

लेकिन अब जेडीयू के कद्दावर एमएलसी और इसी समाज से आने वाले एक नेता ने उन्हें आईना दिखा दिया है। जदयू के अंदर अशोक चौधरी के खिलाफ जबरदस्त गुस्सा फैल रहा है। इसी कड़ी में पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और एमएलसी नीरज कुमार ने अशोक चौधरी के बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा कि अशोक चौधरी का बयान पार्टी लाइन

के खिलाफ है। नीरज कुमार ने कहा कि जदयू में टिकट जाति के आधार पर नहीं बल्कि योग्यता के आधार पर दिया जाता है। नीरज यहीं नहीं रुके। एक स्थानीय न्यूज पोर्टल से बात करते हुए उन्होंने अशोक चौधरी को खूब सुनाया। दरअसल अशोक चौधरी जहानाबाद से जदयू के उम्मीदवार चंद्रेश्वर चंद्रवंशी की हार के बाद वहां के भूमिहारों को खरी-खोटी सुना आए थे। इसी को लेकर वो अपनी पार्टी में ही पूरी और बुरी तरह से फंस गए। जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने अशोक चौधरी के बयान की निंदा करते हुए कहा कि खुद अशोक चौधरी लोकसभा चुनाव में कटिहार सीट के प्रभारी थे और जदयू वहां से भी हार गई थी। नीरज कुमार ने यहां तक कहा कि जदयू के निर्माण में अशोक चौधरी की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी और नीतीश कुमार के खिलाफ बयान देना गलत है।

अशोक चौधरी ने 29 अगस्त को जहानाबाद में एक कार्यक्रम में कहा था, 'कुछ लोग जात-पात की राजनीति करते हैं। क्या नीतीश कुमार ने ऐसा किया कि जहां भूमिहार का गांव होगा वहां सड़क नहीं बनेगी? लेकिन जब आप अतिपिछड़ा को उम्मीदवार बनाते हैं तो भूमिहार लोग दिल्ली-कलकत्ता भाग जाते हैं। कहते हैं हम वोट नहीं देंगे। चुनाव के समय ही दिल्ली-बम्बई भाग गए। आपकी जाति (भूमिहार) का उम्मीदवार अगर खड़ा है तो आप कहेंगे बढ़िया है। अगर मेरा उम्मीदवार (अति पिछड़ा) तीन दिन-चार दिन आपके दरवाजे नहीं गया तो आप कहेंगे की खराब है।' इसके अलावा अशोक चौधरी यहां तक कह गए कि ऐसे लोगों को विधानसभा चुनाव में पार्टी टिकट नहीं देगी। इसी दौरान अशोक चौधरी ने कहा कि वो भूमिहारों को अच्छी तरह से जानते हैं क्योंकि उन्होंने अपनी बेटी की शादी एक भूमिहार से की है। पालीगंज में मौरी गांव के किसान (स्थानीय निवासी) सुभाष शर्मा ने कहा कि अशोक चौधरी ये क्यों भूल जाते हैं कि वो जदयू में कांग्रेस छोड़ कर आए थे।

वो अगर भूमिहारों की बात करते हैं तो इस समाज के लोगों ने जितना सरकार से लिया नहीं, उतना लोगों को दिल खोल कर दिया है। चाहे वो शिक्षण संस्थान हों या शहीद या फिर कवि। अशोक चौधरी ने ऐसी बात कहकर अपनी मानसिकता उजागर की है। क्या वो फिर से बिहार को 90 के दशक में ढकेलना चाहते है? आज जब बिहार में सामाजिक समरसता है तो वो क्या उसे खत्म करने पर आमादा हैं?

जनकपुरधाम के विकास के लिए सभी को सहयोग करना होगा : सभापति

संवाददाता।

जनकपुरधाम। जनकपुरधाम के विकास के लिए सभी का सहयोग करना होगा। उपयुक्त बातें गंगासागर तट अवस्थित कानू समाज के कुल देवता गणिनाथ पूजनोत्सव के अवसर पर आयोजित सम्मान कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि पद से बोलते हुए मधेश प्रदेश के सभापति श्री राम चंद्र मंडल ने कहीं। सभापति ने कहा कि जगत जननी माता सीता की भूमि जनकपुरधाम की पहचान विश्व स्तर पर है। करोड़ों हिन्दूओं के आस्था के केन्द्र है। लेकिन यहां के मठ मंदिर अतिक्रमण का शिकार हो रहा है।

मठ मंदिर को संरक्षण के लिए हर जनकपुरवासी का कर्तव्य है। सभापति ने कहा कि जनकपुरधाम के विकास के लिए मधेश सरकार भी गंभीर है। उन्होंने कहा कि गणि नाथ महाराज सिर्फ कानून के ही कूल देवता नहीं है अपितु संपूर्ण हिन्दू का आराध्य देव हैं।कानू समाज धनुषा के अध्यक्ष राज कुमार साह की अध्यक्षता में संपन्न इस कार्यक्रम में संविधान सभा सदस्य तथा संघीय सरकार के पूर्व राज्य मंत्री अरविंद साह, संविधान सभा सदस्य उर्मिला साह्र, जनकपुरधाम उप महानगरपालिका के उप मेयर किशोरीसाह, नेपाल बैश्य कल्याण महासंघ के अध्यक्ष अमर नाथ गुप्ता, कोषाध्यक्ष राम वावू साह, नेपाल बैश्य कल्याण महासंघ धनुषा के अध्यक्ष श्याम साह , नेपाल तेली कल्याण समाज धनुषा के अध्यक्ष ललित साह राम युवा कमिटी के अध्यक्ष सरोज कुमार साह सहित कई गणमान्य लोगों ने विचार व्यक्त किए।गणीनाथ पूजा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता थी।

खेत में सो रहे किसान की धारदार हथियार से हत्या

जांच के लिए पहुंचे एसडीपीओ

संवाददाता।

मोतिहारी । जिले के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र स्थित चैता सरेह में शुक्रवार को धान के खेत में पानी पटाने गए एक युवक की देर रात धारदार हथियार से अज्ञात अपराधियों ने हत्या कर दी। शनिवार की सुबह जब ग्रामीण खेत की ओर गए तो खून से लथपथ शव मचान पर पड़ा हुआ देखा तो शोर मचाया। इसके बाद लोगों ने गांव और घर वालों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे पकड़ीदयाल एसडीपीओ सुबोध कुमार ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान चैता निवासी शिवमंगल साह के 38 साल के बेटे छोटे लाल साह के रूप में हुई है। हत्या के पीछे की वजह अब तक सामने नहीं आई है। हालांकि कुछ लोग मामला प्रेम प्रसंग का बता रहे है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि छोटेलाल साह बीती रात खाना खा कर घर से एक किलोमीटर दूर अपने धान के खेत में मोटर से पानी पटाने गया था। रात में पानी पटाने के दौरान वह वही मचान पर सो गया, इसी बीच किसी ने धारदार हथियार से उसका चेहरा काट कर हत्या कर दिया।

जानकारी के अनुसार छोटेलाल की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। वह आलू प्याज का होल सेल काम करता था। पकड़ीदयाल और शेखपुरवा बाजार में उसका काम चलता था। तीन भाइयों में सबसे तेज तर्रार यही था। घर में सभी भाई मिलकर काफी तेजी से धंधा को आगे बढ़ा रहे थे। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार छोटेलाल को दो बेटी और एक बेटा है। बेटा होने के बाद दस दिन पहले पहले घर में खुशियां मनाई गई थी। वही जांच के लिए एफएसएल की मदद भी ली जा रही है। टीम को बुला कर जांच कराया जा रहा है। हत्या के बारे में परिजन कुछ भी नहीं बता रहे है। फिलहाल पुलिस शक के आधार पर तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

चरण सिंह

विचार

संघर्ष का प्रतीक बनीं विनेश फोगाट!

अंतरराष्ट्रीय पहलवान विनेश फोगाट आज की तारीख में देश का गौरव बन चुकी हैं। जिस तरह से उनका पूरा जीवन संघर्ष में बीता। जिस तरह से उन्होंने भाजपा के सांसद और कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष रहे बृजभूषण शरण सिंह पर लगने वाले यौन शोषण को लेकर बृजभूषण सिंह के खिलाफ जंतर मंतर पर उनके खिलाफ होने वाला आंदोलन हो। केंद्र सरकार का आंदोलन को खत्म करने वाली रणनीति के खिलाफ खड़ा होना हो, ओलंपिक में अपने वजन की कुश्ती में फाइनल में पहुंचना हो। १०० ग्राम अधिक वजन होने की वजह से फाइनल के लिए डिस्क्वालीफाई करने के खिलाफ लड़ना हो। अब जब विनेश फोगाट सिंधू बॉर्डर पर २०० दिन पूरे होने पर किसानों के बीच बैठी हों। ऐसे में कहा जा सकता है कि विनेश फोगाट हर किसी की आवाज बनने का प्रयास कर रही है। देखने की बात यह है कि आंदोलन में जिस तरह से विनेश फोगाट ने किसान आंदोलन में किसानों की पैरवी करते हुए कहा कि कोई शौकिया आंदोलन नहीं करता। मजबूरी में आंदोलन करने पड़ते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब कोई भी आंदोलन बड़ा चलता है तो लोगों को उम्मीद बंधती है। किसान आंदोलन के २०० दिन पूरे हो गये फिर भी ऐसा लग रहा है कि जैसे आज ही किसान आंदोलन शुरू हुआ हो।

देखने की बात यह है कि जहां दूसरे खिलाड़ी पैसे कमाकर ऐशोआराम की जिंदगी बिताने लग जाते हैं, ऐसे में विनेश फोगाट संघर्ष में दिखाई देती हैं। जहां उन्होंने दिल्ली जंतर मंतर पर महिला पहलवानों के साथ किये जाने वाले यौन शोषण के खिलाफ आवाज उठाई वहीं किसान आंदोलन में भी वह सक्रिय दिखाई दीं। किसान आंदोलन में जिस गेटअप में विनेश फोगाट गई थीं वह पूरा नेता वाला गेटअप था। विनेश फोगाट जिस तरह से एक आंदोलनकारी के रूप में उभरकर सामने आये हैं उससे यह लगता कि वह उनका चेहरा विधायक या सांसद बनने वाला चेहरा नहीं है बल्कि वह एक क्रांतिकारी क्रांतिकारी का है। देखने की बात यह भी है कि अधिकतर आंदोलन में विनेश फोगाट के साथ बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक भी रहे हैं। अब जब किसान आंदोलन में विनेश फोगाट पहुंची हैं तो फिर बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक क्यों पहुंचे।

वैसे पहलवानों के आंदोलन से लेकर अब तक के विनेश फोगाट के संघर्ष की समीक्षा की जाए तो विनेश फोगाट न तो आंदोलन में झुकीं और न ही आंदोलन को खत्म कराने के लिए किये गये केंद्र सरकार के प्रयास के आगे। उल्टे विनेश फोगाट ने अपने को हर जगह साबित किया। जब गृहमंत्री अमित शाह ने पहलवानों की समस्या को सुनने के लिए बुलाया तो साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने तो अमित शाह के साथ मीटिंग की पर विनेश फोगाट वहां नहीं पहुंची। ऐसे ही तत्कालीन खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने मीटिंग की तब भी विनेश फोगाट ने मीटिंग से दूरी बनाकर रखी। मतलब विनेश फोगाट को अपनी जिंदगी में समझौते नहीं करने हैं।

बड़ी चुनौती साफ सुथरी सरकार की

-अजीत द्विवेदी-

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। तीन चरण में होने वाले मतदान के पहले चरण की अधिसूचना जारी हो गई है और नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। इसके साथ ही आतंकवादियों की ओर से चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने के प्रयास भी चल रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से एक दिन पहले यानी 19 अगस्त को आतंकवादियों ने अपेक्षाकृत शांत और सुरक्षित माने जाने वाले उधमपुर इलाके में सुरक्षा बलों पर हमला कर दिया, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ के एक इंस्पेक्टर शहीद हो गए। असल में इस साल अप्रैल, मई में हुए लोकसभा चुनावों में जम्मू कश्मीर के लोगों के खुल कर शामिल होने और जम कर मतदान करने की परिघटना ने आतंकवादियों और सीमा पार बैठे उनके आकाओं को असहज कर दिया है। वे समझ नहीं पाए कि क्यों इतनी बड़ी संख्या में लोग चुनाव प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं। राज्य की सभी पांच लोकसभा सीटों पर औसतन 50 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ, जो एक रिकॉर्ड है। तभी लोकसभा चुनाव के बाद से ही सुरक्षा बलों पर हमले में तेजी आई, खासतौर से जम्मू के इलाके में, जिसे आमतौर पर शांत और सुरक्षित माना जाता है। अकेले जुलाई के महीने में सुरक्षा बलों पर 10 बड़े हमले हुए हैं, जिनमें कैप्टेन रैंक के अधिकारियों सहित कुल 15 जवान शहीद हुए। अगस्त में भी एक हफ्ते के अंतराल पर दो हमले हुए, जिसमें सेना के एक कैप्टेन और सीआरपीएफ के एक इंस्पेक्टर शहीद हो गए। ये हमले अनायास या अचानक नहीं हो रहे हैं। इनके पीछे किसी बड़ी साजिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। तभी आशंका जताई जा रही है कि विधानसभा चुनाव के दौरान सुरक्षा बलों और आम नागरिकों को भी निशाना बनाने वाले हमलों में बढ़ोतरी हो सकती है। इस लिहाज से चुनाव प्रक्रिया में सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती है। चुनाव आयोग, राज्य प्रशासन और सुरक्षा बलों को हर स्थिति में नागरिकों को सुरक्षा मुहैया करानी होगी और उनके मन में सुरक्षा की धारणा पुख्ता करनी होगी ताकि वे खुल कर चुनावी प्रक्रिया में शामिल हों। चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने का मतलब है कि बढ़ चढ़ कर चुनाव लडने.वाले सामने आएं और मतदान करने के लिए भी लोग बेखौफ होकर निकलें। लोकसभा चुनाव से ज्यादा मतदान विधानसभा में हो तभी चुनाव आयोग की सफलता मानी जाएगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि मतदान स्वतंत्र और निष्पक्ष हों। इसमें किसी तरह की गड़बड़ी की खबरों से लोगों का भरोसा टूटेगा और सारी कवायद विफल हो जाएगी। जम्मू कश्मीर में चुनाव की दूसरी चुनौती सनातन है। लम्बे समय से वहां स्थिर और पूर्ण बहुमत वाली सरकार नहीं बनी है। हर बार गठबंधन की सरकार बनती है क्योंकि चुनाव हमेशा बहुकोणीय होता है, जिसमें किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिलता है। इस बार भी चुनाव से पहले राजनीतिक परिदृश्य पूरी तरह से बंटा हुआ दिख रहा है। पांच साल पहले जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 और 35ए को समाप्त करने के केंद्र सरकार के फैसले के बाद पार्टियों में जो राजनीतिक एकता दिखी थी वह पांच साल में समाप्त हो गई है। गुपकर एलांयस नाम की कोई चीज अब मौजूद नहीं है। नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और कांग्रेस तीनों अलग अलग ताल ठोंक रहे हैं, जिन्होंने नवंबर 2018 में साथ मिल कर सरकार बनाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। इनके अलावा सज्जाद लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंसड़, गुलाम नबी आजाद की प्रोग्रेसिव डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी और अल्ताफ बुखारी की अपनी पार्टीड़ की भी तैयारी है। भाजपा जो पिछली बार दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी थी वह ज्यादा बड़ी तैयारी के साथ चुनाव में उतरेगी। इस बहुकोणीय मुकाबले में किसी पार्टी के लिए बहुमत हासिल करना मुश्किल प्रतीत होता है। त्रिशंकु विधानसभा में कैसी सरकार बनेगी और वह कितनी स्थिर होगा और लोगों का कितना भला कर पाएगी, यह देखने वाली बात होगी। तीसरी चुनौती अलगाववादी ताकतों से है। लोकसभा चुनाव में बारामूला लोकसभा सीट के नतीजे से इस खतरे की आशंका स्पष्ट दिख रही है। निर्दलीय उम्मीदवार इंजीनियर शेख राशिद ने इस सीट पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक उमर अब्दुल्ला को हरा दिया। वह भी तब जबकि शेख राशिद दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। उन्होंने जेल से चुनाव लड़ा और उनके दो बेटों ने चुनाव की कमान संभाली। शेख राशिद उग्र अलगाववादी विचारों के हैं और इसलिए जेल में बंद हैं। बारामूला लोकसभा सीट पर लोगों ने उदार और लोकतांत्रिक उमर अब्दुल्ला की बजाय उग्र और अलगाववादी विचार वाले शेख राशिद को चुना।

अरुण श्रीवास्तव

वर्तमान मामले में जहां कोलकाता के आर जी कार अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या ने देश की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया एवं जिस क्रूरता और वीभत्सता के साथ यह बलात्कार किया गया, वह निर्भया कांड की याद दिलाता है। यह सत्तारूढ़ केंद्र और राज्य सरकार के समक्ष यक्ष प्रश्न खड़ा करता है कि क्या देश में न्यायपालिका विभिन्न महिला दुर्व्यवहार मामलों में न्याय की मांग करने वाली पीड़ित महिलाओं के लिए सही दिशा में काम कर रही है।

कंगना के बहाने कंगना पर

चूंकि कंगना पर फिर कुछ लिखने वाला था इसलिए भी विभिन्न टीवी चैनलों पर उनके साक्षात्कार देखना पड़ा। समझ में नहीं आया कि चैनल वाले कंगना पर इतने मेहरबान क्यूं है। दनादन साक्षात्कार पर साक्षात्कार, विश्लेषण पर विश्लेषण शक की सुई सधी-बधी की ओर इशारा करता है क्योंकि इधर कई वर्षों से अपनी फिल्म को हिट कराने, दर्शकों को सिनेमा और सिनेमा घरों की ओर आकर्षित करने के विवादित मुद्दों को उठाना, कुछ भी बोल देना आम होता जा रहा है। मसलन पद्मावत को लेकर ही पूरा उत्तर भारत (दक्षिण का पता नहीं) हफ्तों जलता रहा, इस फिल्म की अभिनेत्री दीपिका पादुकोण पर भी भांति भांति तरीके से एक अतिवादी ने तो दीपिका की नाक काट कर लाने वाले को सम्मानित करने की ही घोषणा नहीं की बल्कि धनराशि की भी घोषणा कर दी थी।

हालांकि कुछ इसी तरह की बात कंगना को लेकर भी फैलाई जा रही है। अंतर है तो सिर्फ इतना कि दीपिका ने कभी भी इसे सार्वजनिक नहीं किया पर कंगना घूम घूम कर प्रचारित कर रही हैं।

बात मुद्दे की। इधर कुछ वर्षों से कंगना रनौत को चर्चा में बने रहने का भूत सवार है। वो येन केन प्रकारेण चर्चा में बने रहना चाहतीं हैं चाहे इसके लिए उन्हें ऐड़ी चोटी का पसीना एक ही क्यों न करना पड़े। सोशल मीडिया के दौर में अपनी बात कहना और भी आसान हो गया। पहले राजनीति में आने के लिए, अपनी पार्टी की आंखों में छाने के लिए ने अपनी प्रेस विज्ञप्तियों के साथ अखबारों के दफ्तरों के चक्कर लगाते थे अब घर बैठे ट्यूट कर देते हैं। कंगना ने भी इसे हथियार बनाया। एक ट्यूट में उन्होंने कहा कि 2019 में मुझे झांसी से टिकट दिया जा रहा था, एक अन्य ट्यूट में उन्होंने

ममता बनर्जी पर करते हुए लिखा कि, बांग्लादेशी और रोहिंग्या उनके चहेते हैं। एक अन्य ट्यूट में तो हद कर दी कि, मोदी को गुंडई का गुंडई से देना चाहिए।

लाइम लाइट में बने रहने के लिए उन्होंने सारी हदें पार कर दी?। एक चैनल को दिए गए साक्षात्कार में कंगना ने यह तक कह दिया कि देश को 'असली' आजादी 2014 के बाद मिली है मतलब 1947 से लेकर अब तक हम गुलाम थे। गुलाम रहकर हमने भी की जंग लड़ी। जैसे कंगना वैसे ही साक्षात्कार लेने वाली ऐंकर नाविका। उनको गलती के लिए टोंका तक नहीं। यही नहीं इसी चैनल पर इसी ऐंकर को एक दिये गये साक्षात्कार में फिर बेवकूफी वाली बातें कर दी। उन्होंने कहा कि जब देश आजाद हुआ तो सुभाष चंद्र बोस कहां थे, उन्हें प्रधानमंत्री क्यों नहीं बनने दिया। अब इन्हें यह तक पता नहीं कि नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की मृत्यु आजादी के काफी पहले हो चुकी थी। प्रसंगवश बोस और नेहरू के पटेल के बीच चुनाव पार्टी अध्यक्ष के लिए हुआ था न कि प्रधानमंत्री के लिए।

कंगना भूल जातीं हैं कि वे फिल्म अभिनेत्री के साथ साथ एक सांसद हैं। फिल्मी दुनिया में कुछ भी बोल कर निकला जा सकता है या फिर फिल्मी दुनिया में एक-एक सीन की कई कई बार में फिल्माई जाती है पर राजनीति में बयान वापस लिया जाता है।

फिर फिल्मों में फिल्म हिट कराने लिखी ऐसा नहीं है।

कंगना यहीं नहीं रुकतीं। चुनावी सभाओं में भी अंट-शंट बोली और चुनाव के बाद भी यह जारी रहा। बजट सत्र के दौरान हमेशा की तरह उन्होंने राहुल को निशाने पर लेते हुए कहा कि, मुझे तो लगता है कि वे नशा करते हैं सदन में भी नशा करके आते हैं उनकी जांच होनी चाहिए। जबकि कंगना खुद बता चुकीं हैं कि वे ड्रग लेती रही हैं। कंगना पहली बार की सांसद हैं जबकि राहुल चौथी-पांचवीं बार के। फिर इस बार के राहुल नेता प्रतिपक्ष हैं फिर सामान्य शिष्टाचार तक नहीं निभातीं। न फिल्म के क्षेत्र में न राजनीति के क्षेत्र में। वो समझती हैं कि जो हमने कहा दिया वही अंतिम सत्य है। हमीं परम ज्ञानी हैं जो कह दिया वह ब्रह्म वाक्य है। जबकि हाल के दिनों में उन्होंने जितने भी इंटरव्यू दिये जिसे भी दिए एक पंक्ति एक बार में पूरा नहीं कर पातीं उसमें भी दर्जनों गलतियां। सांसद बनने के बाद उन्होंने, लल्लनटॉप पर सौरभ द्विवेदी को, न्यूज 24 पर मानक गुप्ता को तथा अंजना ओम गुप्ता को साक्षात्कार दिया। तीनों खासकर सौरभ और मानक ने कई-कई बार कंगना को करेक्ट किया, फैक्ट सुधारे।

एक नजर उनके ताजा राजनीतिक ज्ञान पर। भूतपूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को रामनाथ कोविड कहा, तो उन्हें देश का पहला दलित राष्ट्रपति बताया जबकि वो दूसरे थे। इसी तरह भारत को तीसरा अर्थव्यवस्था वाला देश बताया जबकि अभी तीसरे स्थान पर है।

न्यूज 24 के मानक गुप्ता को तो उनके अधिकतर सवाल (रैपिड फायर) में अपनी फिल्म इमरजेंसी देखने की नसीहत देती रहीं। जैसे वे सवाल का जवाब देने नहीं इमरजेंसी फिल्म के प्रमोशन के लिए आयीं हों। इसी तरह जातिगत जनगणना के सवाल को उन्होंने खारिज करते हुए कहा कि कोई जाति नहीं होती। मोदी जी के अनुसार देश में तीन जातियां हैं जबकि मोदी ने चार जातियां बतायीं थीं। यदि जाति का सवाल बकवास है तो कंगना अपने नाम के साथ रनौत/रणावत क्यों लिखतीं है। सरकार हर फार्म में जाति का कॉलम क्यों शामिल किए हुए है ? सौरभ द्विवेदी ने जब कालेकर कमेटी का हवाला दिया तब कंगना दांए बांए करने लगीं। कंगना ने कहा कि, जब मुझ पर हमला हुआ तो लोग चुप थे। मुझ पर हवाई अड्डे पर हमला हुआ था। पर इंदिरा गांधी को उनके ही सुरक्षा ने गोलियों से छलनी कर दिया इस पर इन्होंने कुछ नहीं कहा। अपनी फिल्म इमरजेंसी में इसे उन्होंने किस रूप में दिखाया है यह तो फिल्म देखने पर ही पता चलेगा। पर साक्षात्कार में इंदिरा की हत्या के लिए उन्होंने इमरजेंसी वजह बताई जबकि हत्या का कारण पंजाब में फैला आंदोलन और गोल्डन टेम्पल पर हमला रहा। इमरजेंसी के आठ-नौ साल बाद हुई थी।

जिस तरह स्मृति ईरानी राहुल गांधी की निंदा करने का कोई मौका नहीं छोड़ती ठीक उसी तरह कंगना भी कोई मौका नहीं छोड़ना चाहतीं। राहुल की निंदा करते करते वो तो हांसिए पर आ गई पर कंगना कहां पर पहुंचेगी यह तो वही जानें।

ऊषा शुक्ला

युवा वर्ग में नशे की लत एक बड़ी समस्या

युवा नशे की लत के ज्यादा शिकार हैं। नशे की लत लगने के कई कारण हैं। ड्रग्स, शराब और निकोटीन के मामले में, ये पदार्थ आपके शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से महसूस करने के तरीके को प्रभावित करते हैं। ये भावनाएँ आनंददायक हो सकती हैं और पदार्थों को फिर से इस्तेमाल करने की तीव्र इच्छा पैदा कर सकती चूँकि युवावस्था में कैरियर को लेकर एक किस्म का दबाव और तनाव रहता है। ऐसे में युवा इन समस्याओं से निपटने के लिए नशीली दवाओं का सहारा लेता है और अंततः समस्याओं के कुचक्र में फंस जाता है। इसके साथ ही युवा एक गलत पूर्वधारणा का भी शिकार होते हैं।नशे की लत का शिकार होने वाले सर्वाधिक युवा हैं, जिनकी उम्र 18-35 साल है. कई युवाओं की इन बुरी आदतों के चलते उनका परिवार बबार्दी की कगार पर आ गयी है. हजारीबाग जिले में धड़ल्ले से अफीम, ब्राउन शुगर और गांजा का कारोबार हो रहा है. नशा के आदी युवा अब सड़कों पर छिनतई, लूट, चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं.आजकल के युवा वर्ग में दिन प्रतिदिन नशे की लत बढ़ती चली जा रही है। आखिर इसका कारण क्या है। देखा गया है कि बच्चे अभी पूरी तरह से व्यस्त भी नहीं हो पाते हैं,। जिस उम्र में बच्चों को अपने भविष्य में कुछ बनने का सपना देखना चाहिए। इस उम्र में बच्चे नए-नए तरीके के ड्रग्स को अपनाने की कोशिश करना चाहते हैं। आखिर इसका जिम्मेदार कौन है। अधिकतर लोगों का कहना है कि बच्चे नशा करना केवल मात्र फिल्मों से सीखते हैं। पर सोचने वाली बात तो यह है की माता-पिता क्या कर रहे हैं। कहां गए माता-पिता के संस्कार। जिस उम्र में बच्चों को बिठाकर माता-पिता को बच्चों की काउंसलिंग करनी चाहिए। उसे उम्र में मां-बाप बच्चों की जायज और नाजायज सारी फरमाइश है पूरी करते हैं। अपने बच्चों को बेवजह का ऐसो आराम देने के लिए किसी भी बुरे रास्ते पर चलने को तैयार हो जाते हैं। और यहीं से बर्बाद होता है बच्चों का भविष्य। अपने बच्चों को प्यार कीजिए पर उतना ही प्यार कीजिए जिसमें वह बिगड़ ना जाए। बच्चा जैसे ही धीरे-धीरे बड़ा होता है वैसे-वैसे बच्चों के कंधे पर जिम्मेदारियां का बोझ डालना शुरू कर दीजिए। बच्चों को सिखाए कि भविष्य बनाना कितना जरूरी है। अच्छे रास्ते पर चलना भगवान की नजर में कितना बड़ा पुण्य काम है। बच्चों की काउंसलिंग कीजिए कि हमें अपने घर के औकात के अनुसार ही अपना जीवन का निर्वाह करना चाहिए। दूसरे लोग अपने बच्चों को क्या दे रहे हैं। कौन सी सुख सुविधा दे रहे हैं उस पर ध्यान नहीं देना चाहिए। लेकिन बच्चों में कंपटीशन तो बाद में आता है माता-पिता और इस पड़ोसी के बच्चों से कंपटीशन में आगे आना चाहते हैं और वह अपने बच्चों को उनके बच्चों से ज्यादा और महंगा गैजेट देने की कोशिश करते हैं। भले ही औकात ना हो। भले ही पैसा किसी का चोरी करना पड़े या किसी का हड़पना पड़े। अपने बच्चों को सबसे महंगा सामान देना है। माता-पिता को चाहिए की बच्चों को पैसे की बचत करना सिखाए। अगर कोई खिलौना आप अपने बच्चों को दस रुपए का देने जा रहे हैं तो बच्चे को कोई खिलौना आठ रुपए का ही दे और दो रूपए उसके हाथ पर देकर कहें की जा बेटा किसी मजबूर को यह पैसा देते हैं। इससे बच्चा दूसरों की मदद करना सीखेगा। अपने ऊपर बेवजह पैसे उड़ाने वाला बच्चा कुछ पैसे बचा कर किसी मजबूर को मदद करने की सोचेगा। और यही संवरता है लाडले का जीवन।नयी पीढ़ी के युवा तेजी से नशे की लत का शिकार हो रहे हैं. नशाखोरी का शिकार हो चुके युवा अपने साथ ही अपने परिवार के लिए भी मुसीबत बन रहे हैं. विद्यार्थियों मैं नशे की आदत की बढ़ती प्रवृति का आखिर कारण क्या है ?इसका एक कारण है सहनशक्ति की कमी। युवा आजकल बहुत जल्दी अपना हौसला खो देते हैं, जिसका परिणाम यह होता है कि वे डिप्रेशन में चले जाते हैं और फिर वे नशे की गिरफ्त में फंस जाते हैं। माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों को हालात से लड?ा सिखाएं और उन्हें मजबूत बनाएं। दूसरा बड़ा कारण ये है कि आजकल नशा फैशन बनता चला जा रहा है।नशे की लत के दो प्रमुख कारण हैं जब किसी व्यक्ति को कोई मानसिक बीमारी होती है जिसका निदान नहीं किया जाता या जिसका इलाज नहीं किया जाता। मानसिक बीमारी के लक्षण किसी भी उम्र में विकसित हो सकते हैं, लेकिन किशोरावस्था के दौरान इनके होने की संभावना अधिक होती है। मानसिक विकार भी जीवन के किसी भी मोड़ पर हो सकते है ।

कश्मीर में राजनीति की सीरत व सूरत दोनों बदली!

-मनु श्रीवत्स-

जम्मू-कश्मीर का स्वरूप व भूगोल बदलने के साथ-साथ प्रदेश की पूरी राजनीति भी बदल गई है। नए परिवेश और नए राजनीतिक माहौल के बीच होने जा रहे विधानसभा चुनाव अपने आप में बहुत ही दिलचस्प और अलग होने वाले हैं। यहां एक तरफ प्रदेश का आकार बदल गया है वहीं प्रदेश विधानसभा के स्वरूप में भी बड़ा बदलाव आया है। 90 सीटों में से कश्मीर संभाग में में 47 विधानसभा क्षेत्र हो गए हैं वही जम्मू संभाग को छह नए विधानसभा क्षेत्र मिले हैं। अब कश्मीरी पंड़ित समुदाय में से दो लोगों को मनोनीत किया जाने का प्रावधान है, इन दो मनोनीत सदस्यों में से एक महिला होनी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में लगभग दस वर्षों के बाद विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। पिछले चुनाव 2014 में हुए थे। इन दस वर्षों में बहुत कुछ बदल गया है। बहुचर्चित अनुच्छेद-370 की समाप्ति हो चुकी है और जम्मू-कश्मीर अब एक पूर्ण राज्य की जगह एक केंद्र शासित प्रदेश बन चुका है। जबकि प्रदेश के एक हिस्से, लद्दाख को जम्मू-कश्मीर से अलग करके एक अलग केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया जा चुका है। जम्मू-कश्मीर का स्वरूप व भूगोल बदलने के साथ-साथ प्रदेश की पूरी राजनीति भी बदल गई है। नए परिवेश और नए राजनीतिक माहौल के बीच होने जा रहे विधानसभा चुनाव अपने आप में बहुत ही दिलचस्प और अलग होने वाले हैं।

यहां एक तरफ प्रदेश का आकार बदल गया है वहीं प्रदेश विधानसभा के स्वरूप में भी बड़ा बदलाव आया है। पहले प्रदेश विधानसभा का संख्या बल तकनीकी रूप से 107 था। लेकिन चुनाव 87 विधानसभा क्षेत्रों पर ही हुआ करता था। ऐसा इसलिए क्योंकि, 24 विधानसभा क्षेत्र पाक अधिकृत कश्मीर के लिए रिक्त छोड़े जाते रहे हैं। कुछ पाठकों के लिए यह जानकारी नई हो सकती है, तो उनको बताते चलें कि भारत पाक अधिकृत कश्मीर को अपना हिस्सा मानता है, इसलिए तकनीकी रूप से पाक अधिकृत कश्मीर के 24 इलाकों की सीटों का जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में प्रवधान रखा गया है।

पहले विधानसभा में पहुंचने वाले 87 विधायकों में से जम्मू संभाग के 37 क्षेत्रों से विधायक चुने जाते थे जबकि कश्मीर संभाग से चुने गए 46 विधायक विधानसभा पहुंचते थे। लद्दाख संभाग से चार विधायक विधानसभा पहुंचा करते थे। दो सीटों पर दो महिलाओं को मनोनीत किया जाता था। ऐसा पूरे देश में जम्मू-कश्मीर में ही एक प्रावधान था। दो महिला मनोनीत विधायकों को मिला कर विधानसभा का कुल संख्या बल 89 रहता था।

2022 में हुआ ताजा परिसीमन

साल 2022 में हुए ताजा परिसीमन के बाद जम्मू-कश्मीर विधानसभा की कुल सीटे अब बढ़ कर 114 हो गई हैं जोकि पहले 107 थीं। पहले की तरह इन 114 में से अब भी पाक अधिकृत कश्मीर के 24 क्षेत्रों को रिक्त रखा गया है। लेकिन चुनाव अब 90 विधानसभा क्षेत्रों के लिए होगा। इन 90 सीटों में से कश्मीर संभाग की सीटों की संख्या में एक सीट की बढ़ोतरी हुई है। अब घाटी में 47 विधानसभा क्षेत्र हो गए हैं जबकि जम्मू संभाग को छह नए विधानसभा क्षेत्र मिले हैं जिससे संभाग के विधानसभा क्षेत्रों की संख्या 43 हो गई है। दो महिलाओं को मनोनीत किए जाने के प्रावधान को बदला गया है। अब कश्मीरी पंड़ित समुदाय में से दो लोगों को मनोनीत किया जाने का प्रावधान रखा गया है, इन दो मनोनीत सदस्यों में से एक महिला होनी चाहिए।

इसी तरह से यह पहली बार होगा कि जम्मू-कश्मीर से अलग कर दिए जाने के कारण अब विधानसभा में लद्दाख का कोई भी प्रतिनिधि नजर नही आएगा।

नए परिसीमन में एक बड़ा निर्णय लेते हुए अनुसूचित जनजातियों के लिए नौ विधानसभा क्षेत्र आरक्षित कर दिए गए हैं। अनुसूचित जनजातियों के लिए प्रदेश में पहली बार इस तरह से विधानसभा क्षेत्रों को आरक्षित किया गया है। आरक्षित किए गए क्षेत्रों में से छह जम्मू संभाग में हैं जबकि तीन कश्मीर संभाग में हैं।

जम्मू संभाग में गुलाबगढ़, राजौरी, बुद्धल, थन्नामंड़ी, सुरनकोट और मेंढर को अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित किया गया है जबकि कश्मीर घाटी के गुरेज, कंगन और कुकडनाग को नए परिसीमन के बाद अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित किया गया है।

नए परिसीमन के बाद हुए बदलावों में अब जम्मू संभाग के रामनगर, कठुआ, रामगढ़, बिश्नाह, सुचेत्तगढ़, मढ़ और अखनूर विधानसभा हलकों को अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित किया गया है। कुल सात विधानसभा क्षेत्रों को अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित रखा गया है। लेकिन कश्मीर संभाग से कोई भी विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित नही है। ऐसा इस कारण से हुआ है क्योंकि कश्मीर में अनुसूचित जातियों की आबादी नही है।

विधानसभा अब पांच साला कार्यकाल

एक और बड़ा महत्वपूर्ण व तकनीकी बदलाव विधानसभा के कार्यकाल को लेकर हुआ है। पहले जम्मू-कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल छह वर्ष का हुआ करता था, मगर इस बार जो विधानसभा गठित होगी उसका कार्यकाल देश के अन्य हिस्सों की तरह अब पांच वर्ष का ही होगा।

जम्मू-कश्मीर की विधानसभा के कार्यकाल को लेकर यह एक बेहद दिलचस्प मामला था। उल्लेखनीय है कि 1972 तक प्रदेश की विधानसभा का कार्यकाल भी अन्य राज्यों की विधानसभाओं की तरह पांच साल का ही हुआ करता था। लेकिन 1975 में आपातकाल लगने के बाद देश में लोकसभा व विधानसभाओं का कार्यकाल छह वर्ष का कर दिया गया था। जम्मू-कश्मीर में उस समय शेख महोम्मद अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कांफ्रेंस की सरकार थी जिसने नई प्रणाली को फौरन जम्मू-कश्मीर में लागू करते हुए शेष देश की तरह जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा का कार्यकाल बढ़ाकर छह साल कर दिया था।

मगर 1977 में जब केंद्र की सत्ता में बदलाव हुआ तो जनता पार्टी सरकार ने छह साल की व्यवस्था को फौरन समाप्त कर दिया और देश वापस पांच साल वाली प्रणाली पर लौट गया। ऐसा लेकिन जम्मू-कश्मीर में नही हुआ और विधानसभा की छह साल की व्यवस्था यथावत जारी रही। यह कानूनी और तकनीकी रूप से इसलिए संभव हो सका क्योंकि अनुच्छेद-370 के अंतर्गत उस समय यह बाध्यता थी कि केंद्र का कोई भी कानून प्रदेश में लागू करते समय प्रदेश की विधानसभा से बकायदा उस कानून को पारित करवाना आवश्यक होता था।

उस समय की शेख सरकार ने छह साल वाली प्रणाली लागू करते समय तो विधानसभा से प्रस्ताव पारित करवा लिया था मगर शेख सरकार ने फिर से पांच साल वाली प्रणाली पर लौटने के लिए विधानसभा में कोई प्रस्ताव नही लाया। इस तरह से जम्मू-कश्मीर में तभी से विधानसभा का कार्यकाल छह साल का ही चलता चला आ रहा था।

कुल 47 साल तक यह व्यवस्था जम्मू-कश्मीर में बनी रही और इस दौरान 1977, 1983, 1987, 1996, 2002, 2008 और 2014 में सात बार विधानसभा का गठन हुआ और किसी भी सरकार ने छह वर्ष वाली प्रणाली को निरस्त करने के लिए कोई कदम नही उठाया। यहां तक कि अनुच्छेद-370 का विरोध करने वाली भारतीय जनता पार्टी भी 2014 में सरकार का हिस्सा बनी मगर उसने भी छह साल वाली प्रणाली को समाप्त करने के लिए कोई प्रयास नही किया।

बदले राजनीतिक समीकरण

राजनीति में दस वर्षों का अंतराल बहुत बड़ा अंतराल होता है। लंबे अर्से के बाद हो रहे जम्मू-कश्मीर के चुनाव में भी कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। कई राजनीतिक दल बिखर गए हैं तो कई नए बने भी हैं। कई नेताओं का राजनीतिक जीवन समाप्ति की ओर है या समाप्त हो चुका है। इन बीते सालों में नेशनल कांफ्रेंस को छोड़ कर लगभग सभी दलों में तोड़-फोड़ हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**

समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

हरियाणा की राजनीति से सियासी कद बढ़ाना चाहते हैं UP के क्षेत्रीय दल, सपा संग ये पार्टी ठोक रहीं ताल

चंडीगढ़। उत्तर प्रदेश की राजनीति में दखल रखने वाली क्षेत्रीय पार्टियां प्रदेश से बाहर निकल कर चुनाव मैदान में ताल ठोकना चाह रही हैं। इनकी मंशा अब अपना सियासी कद बढ़ाने की है। इसी मंशा के साथ बहुजन समाज पार्टी ने इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) और आजाद समाज पार्टी (आसपा) ने जननायक जनता पार्टी (जजपा) के साथ गठबंधन किया है।

बसपा 34 और आसपा 20 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। इंडिया गठबंधन में शामिल समाजवादी पार्टी (सपा) ने कांग्रेस से पांच सीटें मांगी हैं। वहीं, एनडीए में शामिल राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) को भाजपा एक से दो सीटें दे सकती है। बीते लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश की क्षेत्रीय पार्टियां पक्ष और विपक्ष दो गुटों में बंट गई हैं।

सपा और आसपा इंडिया गठबंधन में शामिल होकर विपक्ष में बैठ रही हैं। वहीं, रालोद एनडीए गठबंधन में शामिल है। इसके मुखिया जयंत चौधरी मोदी सरकार की कैबिनेट में भी शामिल हैं। सिर्फ बसपा इन दोनों में से किसी गुट में शामिल नहीं है।

लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। हरियाणा, उत्तर प्रदेश का पड़ोसी राज्य है और यहां की परिस्थितियां, मुद्दे जातीय व सियासी समीकरण उत्तर प्रदेश से काफी मिलते-जुलते हैं। इसलिए उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय दलों के हरियाणा में सियासत की राह आसान दिख रही है।

हरियाणा की राजनीति में अनुभव की बात करें तो बसपा के अलावा किसी दल ने न तो प्रदेश में कोई चुनाव लड़ा है और न उनका संगठन है। 2019 का विधानसभा चुनाव छोड़ दें तो बसपा साल 2000 से लगातार हरियाणा में एक विधानसभा सीट पर जीत हासिल करती रही है और हर चुनाव में पांच से साढ़े सात प्रतिशत से अधिक वोट भी हासिल किए हैं। 2019 के चुनाव में बसपा एक भी सीट नहीं जीत पाई और पार्टी का मत प्रतिशत 2014 की तुलना में दो प्रतिशत से अधिक गिर गया। अब बसपा की कमान युवा नेता आकाश आनंद के हाथ में है और पार्टी एक बार फिर 21 प्रतिशत अनुसूचित जाति के मतदाताओं के सहारे हरियाणा में पैर जमाना चाह रही है।

इनेलो और बसपा गठबंधन के बाद जजपा ने आसपा से गठजोड़ किया है। इस समझौते से आसपा से अधिक जजपा को मदद मिलने की आस है। किसानों की नाराजगी और विधायकों के साथ छोड़ने से जजपा अनुसूचित जाति के मतदाताओं के भरोसे अपनी स्थिति सुधारना चाहती है। समाजवादी पार्टी हरियाणा में कांग्रेस के सहारे अपनी जमीन तलाशना चाह रही है, लेकिन अभी तक दोनों दलों में बात नहीं बनी है। हरियाणा कांग्रेस के नेता विधानसभा चुनाव में किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करना चाहते हैं। उनको विश्वास है कि पार्टी बिना किसी गठबंधन के प्रदेश की सत्ता हासिल कर लेगी। वहीं, सपा 3.5 प्रतिशत मुस्लिम, 30 प्रतिशत ओबीसी और उत्तर प्रदेश के करीब 12 लाख प्रवासी मतदाताओं के प्रभाव वाली पांच सीटों पर प्रत्याशी उतारना चाह रही है।

लोकसभा चुनाव से कुछ समय पहले एनडीए में शामिल हुआ रालोद अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश से जुड़ी और जाट मतदाताओं के प्रभाव वाली सीटों पर चुनाव लड़ना चाह रही है। रालोद के मुखिया जयंत चौधरी के दादा चौधरी चरण सिंह की ससुराल सोनीपत गांव गढ़ी कुंडल में है।

इसके अलावा चौधरी चरण सिंह का प्रभाव आज भी हरियाणा के जाट मतदाताओं पर है। दूसरी ओर 22 जाट मतदाताओं को साधने के लिए भाजपा भी रालोद को एक से दो सीटें दे सकती है। दिल्ली में हुई भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में इस पर चर्चा हुई है। हरियाणा की राजनीति में कांग्रेस के विकल्प के रूप लोक दल ही था। कांग्रेस आज भी अपनी जगह कायम है। उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय दल जिन सामाजिक, जातीय व क्षेत्रीय समीकरणों को देखते हुए हरियाणा की राजनीति में उतरना चाह रहे हैं उसमें उनकी राह आसान नहीं होगी।

मायावती की सक्रियता कम होने के बाद बसपा का आधार उत्तर प्रदेश में ही कमजोर हुआ है। उसकी जगह आजाद समाज पार्टी अनुसूचित जाति के मतदाताओं के सहारे कुछ सीटों पर अच्छा प्रदर्शन कर सकती है, लेकिन रालोद की राह मुश्किल है। क्योंकि हरियाणा में कांग्रेस, इनेलो और जजपा तीनों दलों में बड़े जाट नेता हैं। -प्रो राजेंद्र शर्मा, अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक

रोहतक में अजय चौटाला बोले: पंजाब में चन्नी जैसा होगा हरियाणा में नायब सैनी का हश्र

रोहतक । जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद अजय चौटाला का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भाजपा से मिले हुए हैं। ईडी की कार्रवाई मात्र खानापूर्ति है। जांच एजेंसी को कार्रवाई करनी होती तो 10 साल इंतजार क्यों किया। चौटाला शनिवार को पार्टी कार्यालय में कार्यकताओं के साथ बैठक के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। अजय चौटाला ने कहा कि भाजपा व कांग्रेस में एक सांपनाथ तो दूसरी नागनाथ है, लेकिन कांग्रेस के करीब जाने का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि कांग्रेस ने बिना कसूर उसके पिता पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला व उसे जेल भिजवाया। भाजपा के साथ पहले भी गठबंधन रह चुका है। टिकटों के बंटवारे के सवाल पर अजय चौटाला ने कहा कि दो सितंबर को पार्टी की बैठक है,

जिसमें गठबंधन की टिकटों पर मंथन होगा। इसके बाद सूची जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब के विधानसभा चुनाव से कांग्रेस मुख्यमंत्री बदला था।चरणजीत सिंह चन्नी को कमान सौंपी। चुनाव में कांग्रेस की करारी हार हुए, उसी तरह हरियाणा में नायब सैनी का हश्र होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के साथ गठबंधन का जजपा को नुकसान उठाना पड़ा। क्योंकि भाजपा ने किसान विरोधी नीतियां अपनाई। वे अब प्रदेश की जनता के बीच जा रहे हैं। जनता तय करेगी। जनता ने आशीर्वाद दिया तो एक बार फिर जजपा के हाथ में सत्ता की चॉबी रहेगी। इस मौके पर जिला प्रभारी हरज्ञान सिंह मोखरा, जिला अध्यक्ष संदीप हुड्डा, पूर्व जिला अध्यक्ष बलवान सिंह सुहाग, राजेश सैनी व अन्य पार्टी नेता व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

प्रवासी मजदूर की हत्या, गौरक्षक दल के सात सदस्य गिरफ्तार, सीएम ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण

चंडीगढ़। हरियाणा के चरखी दादरी जिले में पश्चिम बंगाल के एक प्रवासी मजदूर की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में गौरक्षक समूह के सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोप है कि मजदूर ने पशु मांस खाया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, साबिर मलिक की हत्या 27 अगस्त को की गई थी। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा, 'मॉब लिंचिंग जैसी बातें कहना सही नहीं है, क्योंकि गौरक्षा के लिए विधानसभा में सख्त कानून बनाया गया है और इस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। मैं कहना चाहता हूं कि ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए और ये घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं।'

पुलिस ने बताया कि पीड़ित के पशु मांस खाने के संदेह में अभिषेक, मोहित, रविंदर, कमलजीत और साहिल ने खाली प्लास्टिक की बोतलें बेचने के बहाने उसे एक दुकान पर बुलाया और फिर उसकी पिटाई कर दी। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों के हस्तक्षेप के बाद आरोपी मलिक को दूसरी जगह ले गए और फिर से उसकी पिटाई की, जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले में दो नाबालिगों को भी पकड़ा गया है।

बाढड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक तेजपाल सोनी ने बताया कि मंगलवार देर शाम पुलिस को सूचना मिली थी कि भांडवा गांव के समीप एक युवक का शव पड़ा है। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल के 24-परगना जिले के गांव बासंती बल्लारोप मेजरपाला शिवगंज निवासी साबिर मलिक के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने उसके साले सुजाउद्दीन सरदर के बयान दर्ज किए।

सरदर ने अपने जीजा साबिर मलिक की हत्या किए जाने का आरोप लगाया। सुजाउद्दीन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 27 अगस्त को कुछ लोग उनके पास पहुंचे। उन लोगों ने कहा कि तुम संरक्षित पशु का मांस खाते हो। इसके बाद वो उन्हें थाने लेकर चले गए। उसके थाने जाने के बाद कुछ लोग दोबारा वहां पहुंचे और कबाड़ बेचने के बहाने जीजा साबिर मलिक को ले गए।

उक्त लोगों ने उनके एक अन्य जानकार असम के लंगला निवासी असीरउद्दीन को भी वहां बुलाया। उक्त लोगों ने उसके जीजा व असीरउद्दीन की डंडों से पिटाई की और वहां बाइक पर बैठाकर ले गए। इसके बाद उसके जीजा का शव भांडवा गांव के समीप से बरामद हुआ।

पुलिस के मुताबिक, चरखी दादरी पुलिस ने बधरा गांव में एक प्रवासी की हत्या के मामले में दो नाबालिगों समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। मृतक की पहचान साबिर मलिक के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अभिषेक, रविंदर, मोहित, कमलजीत और साहिल के रूप में हुई है। मामले की आगे की जांच जारी है।

अधर में फंसी कंगना की 'इमरजेंसी': फिल्म के खिलाफ दायर PIL पर हुई सुनवाई

चंडीगढ़। कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी के खिलाफ हाईकोर्ट में दायर की गई जनहित याचिका का आज हाईकोर्ट ने निपटारा कर दिया है। आज सुबह इस फिल्म के खिलाफ दायर पीआईएल पर जैसे ही सुनवाई शुरू हुई तो सेंसर बोर्ड की तरफ से हाईकोर्ट को बताया गया कि अभी तक इस फिल्म को सेंसर बोर्ड ने सर्टिफिकेट जारी नहीं किया है। जब तक सेंसर सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाता है, तब तक फिल्म रिलीज नहीं हो सकती। इसके साथ ही सेंसर बोर्ड ने यह भी बताया की बोर्ड देश के सभी समुदायों और धर्म की भावनाओं पर गौर करने के बाद ही सर्टिफिकेट जारी करता है।

जहां तक इमरजेंसी फिल्म का मामला है तो सेंसर हर तरह की शिकायत सुनने को तैयार है और याचिकाकर्ता को शिकायत उन्हें मिल चुकी है। सभी शिकायतों पर

गौर कर ही सर्टिफिकेट दिया जाएगा। हाईकोर्ट ने सेंसर बोर्ड का पक्ष सुनने के बाद याचिकाकर्ता को कहा कि अगर उनकी शिकायत पर कारवाई नहीं होती है तो वे दोबारा अपनी इस मांग को लेकर हाईकोर्ट आ सकते हैं। बता दें कि मोहाली के गुरिंदर सिंह और अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर इस फिल्म के रिलीज किया जाने पर रोक लगाने की मांग की थी और कहा था कि इस फिल्म में सिख समुदाय को सही तरीके से पेश नहीं किया गया है, इसलिए इस फिल्म पर रोक लगाई जाए।

करनाल में पश्चिमी यमुना नहर में कटाव: चार दिनों से जारी मरम्मत कार्य, अधिकारियों ने किया निरीक्षण

करनाल । करनाल में पश्चिमी यमुना नहर में रेलवे ओवरब्रिज के समीप 27 अगस्त को नहर की स्लैब में करीब 100 फीट लंबा कटाव हो गया था, जिससे विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। तुरंत ही कटाव को भरने का कार्य शुरू किया गया, लेकिन 28 अगस्त को नहर के दूसरी तरफ भी स्लैब में कटाव हो गया। अधिकारियों ने स्थिति संभालने के लिए मिट्टी भरकर कट्टे लगाए, लेकिन तेज पानी के बहाव के कारण वे बह गए। नहर में पानी का बहाव पहले 12 हजार क्यूसेक था, जिसे घटाकर अब 3 हजार क्यूसेक किया गया है। बिगड़ती स्थिति को देखते हुए मुख्यालय के अधिकारी भी सतर्क हो गए हैं। इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द निकालने के लिए निदेशालय से प्रिंसिपल निदेशक बीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक टीम

करनाल पहुंची, जिसमें सिंचाई विभाग के एचओडी स्पेशल, चीफ इंजीनियर यमुना वाटर सर्विस एमएल राणा शामिल रहे।

टीम ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया और विभाग के अधिकारियों से अब तक किए गए प्रयासों की जानकारी ली। इस दौरान एसई आजाद सिंह, एक्सईएन रणवीर सिंह, मनोज कुमार सहित एसडीओ व जेई भी मौजूद रहे। कटाव को रोकने के लिए अब जगाधरी से पत्थर मंगवाया गया है। पहले पानीपत से काला पत्थर मंगवाया गया था, लेकिन अब जगाधरी के पत्थरों से नहर के अंदर के हिस्से को मजबूत किया जा रहा है। नहर का तट टूटे हुए चार दिन हो चुके हैं, लेकिन कटाव को पूरी तरह से बंद करने में अभी तक सफलता नहीं मिली है, जिससे स्थिति गंभीर बनी हुई है। एक्सईएन रणवीर सिंह ने बताया कि नहर के समीप रेलवे ओवरब्रिज होने के कारण नहर अंदर से कमजोर हो गई थी और लगातार पानी के बहाव के कारण स्लैब नीचे धंस गई।

तनखाइया घोषित होने के अगले दिन श्री अकाल तख्त साहिब पहुंचे सुखबीर बादल

अमृतसर । श्री अकाल तख्त साहिब की तरफ से तनखाइया घोषित किए जाने के अगले ही दिन पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल शनिवार को अपने साथियों का स्पष्टीकरण दिलवाने पहुंचे। उनके साथ पूर्व मंत्री दलजीत चीमा, गुलजार सिंह रणीके, शरणजीत ढिल्लों, कंवरजीत रोजी बरकंदी, वरदेव सिंह और महेश इंदर सिंह गुजराल, परमबंस बंटी रोमाणा हैं। इन सभी ने अकाल तख्त के जत्थेदार से मिलकर स्पष्टीकरण दिया। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने कहा कि पांच सिंह साहिबान ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब सरकार में उपमुख्यमंत्री व शिअद के अध्यक्ष रहते हुए कुछ ऐसे फैसले लिए, जिससे पंथ की छवि को काफी नुकसान पहुंचा।

इससे शिरोमणि अकाली दल के साथ-साथ सिख हितों को भी भारी नुकसान हुआ, इसलिए सरकार में रहते हुए सुखबीर सिंह बादल और उनके सहयोगी मंत्री भी इस सारे मामले में बराबर के दोषी हैं। उन्हें भी 15 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण

देना होगा। जब तक सुखबीर सिंह बादल अपने सहयोगियों के साथ एक विनम्र सिख की तरह अकाल तख्त साहिब पर गुरु ग्रंथ साहिब की उपस्थिति में सिख संगत और पांच सिंह साहिबान के सामने अपनी गलतियों को स्वीकार करके धार्मिक सजा पूरी नहीं करते, तब तक वह तनखाइया ही रहेंगे। धार्मिक सजा पूरी होने तक वह किसी राजनीतिक व सामाजिक गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

क्या होता है तनखाइया?...सिख पंथ में श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से पंथ से जुड़ी गलतियों के लिए किसी व्यक्ति को दोषी करार दिए जाने को तनखाइया और धार्मिक सजा सुनाने को तनखा लगाना कहा जाता है। तनखाइया घोषित करने के बाद संबंधित व्यक्ति को अपने ऊपर लगे आरोपों का सामना करने के लिए अकाल तख्त साहिब पर बुलाया जाता है। इस दौरान अकाल तख्त से संगत के सामने सिंह साहिबान धार्मिक गलतियों को बोल कर सुनाते हैं। दोषी से पूछा जाता है कि क्या वह इन्हें स्वीकार करता है।

अगर तनखाइया व्यक्ति गलतियां स्वीकार कर लेता है, तो उसे धार्मिक सजा सुनाई जाती है। गलतियां स्वीकार न करने पर उसे सिख पंथ से निष्कासित करने का एलान कर दिया जाता है। पूर्व सीएम सुरजीत सिंह बरनाला व कैप्टन अमरिंदर सिंह, शिअद नेता सुच्चा सिंह लंगाह, पटना साहिब के जत्थेदार ज्ञानी इकबाल सिंह और पूर्व मंत्री सिकंदर सिंह मलूका आदि को भी तनखाइया घोषित किया जा चुका है।

मौत का बदला मौत: अमेरिका से मिली सुपारी और दूध देने जा रहे दोधी को गोलियों से भूना

अमृतसर। अमृतसर देहाती के कस्बा जंडियाला के गांव तारागढ़ के नजदीक दूध का कारोबार करने वाले दोधी कुलबीर सिंह की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद बड़े खुलासे किए हैं।

कुलबीर सिंह की मौत का कारण उसकी प्रेमिका की मौत बना है। प्रेमिका की मौत के आरोप में वह जेल में रह चुका है। प्रेमिका के परिवार वालों ने ही सुपारी देकर हत्या करवाई है। मृतक कुलबीर के पिता अमरीक सिंह की शिकायत पर पांच लोगों पर केस दर्ज किया गया है, जो मृतक की पूर्व प्रेमिका के परिवार के हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि कुलबीर की हत्या सुपारी देकर अमेरिका में बैठे कुछ लोगों ने करवाई है। गांव धारड़ निवासी कश्मीर सिंह ने अपने रिश्तेदार जगरूप सिंह के माध्यम से इस घटना को अंजाम दिया। उसी ने दो शार्प शूटरों को इसके लिए हायर कर हत्या को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में धारड़ निवासी जगरूप सिंह, कश्मीर सिंह, इकबाल कौर व तख्तू चक्क, जिला तरनतारन निवासी वरिंदर सिंह, सुक्खा सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस

इनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

2011 में हुई थी लड़की की मौत...गांव धारड़ के कश्मीर सिंह की बेटी की वर्ष 2011 में मौत हो गई थी। उसे शक था कि उसकी बेटी जोकि एमके होटल में नौकरी करती थी, के साथ कुलबीर सिंह के संबंध थे। उसकी बेटी की मौत होने के बाद कश्मीर सिंह के परिवार ने कुलबीर सिंह के खिलाफ थाना सिविल लाइन में हत्या का केस भी दर्ज करवाया था। मृतक करीब दो साल तक जेल में भी रहा था, उसके पश्चात वह उस केस में बरी हो गया। परिवार ने इसी बात की रंजिश रखी हुई थी कि कुलबीर सिंह उनकी बेटी की मौत का कारण है और उसे अदालत ने भी बरी कर दिया।

अमेरिका में रहने वाले रिश्तेदार ने दी थी सुपारी...आरोपियों का रिश्तेदार जगरूप सिंह अमेरिका में रहता है। लड़की के पिता कश्मीर सिंह और मां इकबाल कौर ने उसके साथ संपर्क किया जिसके पश्चात जगरूप सिंह ने वरिंदर सिंह, सुक्खा सिंह को सुपारी देकर कुलबीर सिंह की गोलियां मार कर हत्या करवा दी।

कार का शीशा खुलवाकर मारी थी गोली...कुलबीर सिंह की उस समय गोलियां मार कर हत्या कर दी गई, जब वह गांव तलावां में लोगों के घरों में दूध देने के लिए पहुंचा था। वह अपनी कार में सवार होकर लोगों को दूध देने के बाद अपने घर वापस ही जा रहा था कि रास्ते में दो हमलावरों ने उसे रोका और कार का शीशा-खटखटाकर उसका शीशा खुलवाया। शीशा खोलते ही हमलावरों ने उस पर ताबड़ तोड़ गोलियां चला दी।

छात्रा आत्महत्या मामले में दो महिला अध्यापकों पर केस दर्ज

जालंधर। जालंधर के पीएपी के अंदर स्थित स्कूल की छात्रा की आत्महत्या मामले में पुलिस ने दो महिला टीचरों पर केस दर्ज कर लिया है। शुक्रवार को 12वीं की छात्रा ने महिला टीचरों की प्रताड़ना से आहत होकर घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद पुलिस ने स्कूल की दो टीचर्स उर्वशी व नीतू गुप्ता के खिलाफ धारा 108,3,(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

टीचर्स द्वारा स्कूल फीस को लेकर छात्रा को परेशान किया जा रहा था। इसके अलावा लड़की बीमारी के कारण स्कूल नहीं जा रही थी, जिसके लिए भी उसे धमकाया जा रहा था। पुलिस ने मृतक छात्रा की दोस्त के साथ मरने से पहले की गई चैट और परिजनों के बयानों को आधार बनाते हुए केस दर्ज किया है। उधर स्कूल की प्रिंसिपल रश्मि विज ने कहा कि स्कूल प्रबंधन अध्यापकों के साथ खड़ा है और उन पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। छात्रा लंबे समय से बीमारी का बहाना बनाकर स्कूल नहीं आ रही थी तो टीचर ने उसकी मां को फोन कर स्कूल भेजने के लिए कहा था। वहीं फीस के लिए प्रताड़ित करने वाली जैसी कोई बात नहीं है क्योंकि छात्रा से फीस नहीं ली जाती है। वह 15 अगस्त से पहले से स्कूल नहीं आ रही है तो अध्यापकों ने स्कूल आने के लिए कहा था। पिछले साल भी छात्रा की क्लास में सिर्फ 51 फीसदी ही उपस्थिति थी और इस बार भी यही हाल था। बोर्ड एग्जाम को लेकर छात्रा डिप्रेशन में थी इसलिए अध्यापकों को दोषी ठहराना गलत है।

पंजाब में नवंबर में होंगे पंचायत चुनाव, राज्य चुनाव आयोग ने शुरू की तैयारियां

चंडीगढ़। पंजाब में नवंबर में पंचायत चुनाव होंगे। राज्य चुनाव आयोग ने इसे लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। बीते वीरवार को हुई कैबिनेट की बैठक में द पंजाब पंचायत इलेक्शन रूल्स-1994 में भी बदलाव को मंजूरी दे दी है। अब दो सितंबर से शुरू हो रहे पंजाब विधानसभा मानसून सत्र में रूल्स में किए संशोधन पर बिल लाकर मंजूरी दी जाएगी। अब पंच और सरपंच के चुनाव बिना पार्टी सिंबल के होंगे। प्रत्याशियों को राज्य चुनाव आयोग की ओर से जारी किए जाने वाले चिह्न यानी सिंबल पर चुनाव लड़ना

होगा। नवंबर में पंचायत चुनाव को लेकर राज्य चुनाव आयोग के निर्देश पर पंजाब सरकार के स्थानीय सरकार विभाग ने 86 अधिकारियों व कर्मचारियों के विभागीय तबादले किए हैं। विभागों में बड़े स्तर पर तबादले किए जा रहे हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक 15 सितंबर तक स्थानीय निकाय विभाग और अन्य विभागों में तबादले किए जाएंगे।

जिला परिषद और पंचायत समितियों पर लागू नहीं होगा सिंबल नियम...द पंजाब पंचायत इलेक्शन रूल्स-1994 के रूल 12 में किए संशोधन का नया नियम जिला परिषद और पंचायत समितियों पर लागू नहीं होगा। यह दोनों ढांचागत तरीके से चुनाव संपन्न होंगे। पंचायत चुनाव को लेकर राज्य चुनाव आयोग ने सभी जिलों के डिप्टी कमिश्नरों को पत्र लिखा है। उन्हें अंतिम मतदाता सूची तैयार करने के आदेश दिए गए हैं। हालांकि, ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग ने गांवों के वार्ड विभाजन और आरक्षण को लेकर पहले ही आदेश जारी कर दिए थे।

स्थानीय सरकार विभाग के 86 अधिकारियों के तबादले हुए...स्थानीय सरकार विभाग के 86 अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले किए हैं। उनमें तीन सहायक कॉरपोरेशन इंजीनियर, दो सहायक टाउन प्लानर, सहायक इंजीनियर, सुपरिंटेंडेंट, जूनियर इंजीनियर, चीफ सेनेटरी इंस्पेक्टर, सुपरिंटेंडेंट सेनिटेशन, लेखाकार, बिल्डिंग इंस्पेक्टर और इंस्पेक्टर रैंक के 86 अधिकारी हैं।

एयरपोर्ट की जमीन पर तलवंडी राणा के लिए सड़क बनाने की योजना नहीं चढ़ी सिरे, इन कारणों से आई अड़चन

हिसार। हिसार से तलवंडी राणा के लिए 2.2 किलोमीटर की रोड एयरपोर्ट की जमीन पर बनाने की योजना सिरे नहीं चढ़ सकी है। नई सड़क में कई मोड़ आने, काफी जमीन खराब होने और एनआईसीडीसी के साथ हुआ समझौता इसमें अड़चन बन गया है। ऐसे में अब फैसला किया गया है कि अब सड़क बनाने के लिए वन विभाग की जमीन का ही इस्तेमाल किया जाएगा और उसे बदले में एविएशन की जमीन दी जाएगी।

बता दें कि तलवंडी राणा के ग्रामीणों ने 2.3 किलोमीटर की रोड बनने के बाद 2.2 किलोमीटर और सड़क बनाने की मांग की थी। इसे लेकर ग्रामीणों ने 505 दिनों तक

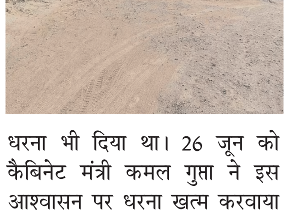

धरना भी दिया था। 26 जून को कैबिनेट मंत्री कमल गुप्ता ने इस आश्वासन पर धरना खत्म करवाया था कि जल्द ही सड़क बना दी जाएगी। उस समय उन्होंने कहा था कि 2.2 किलोमीटर की सड़क में एविएशन व वन विभाग की जमीन आती है। चूंकि एविएशन मेरे पास है तो इस पर सड़क बन जाएगी। मगर वन विभाग को बदले में जमीन देनी होगी। इस जमीन की ट्रांसफर की प्रक्रिया आज ही शुरू कर दी जाएगी। मगर कुछ समय बाद कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जमीन ट्रांसफर की प्रक्रिया में काफी समय लगेगा। इसे देखते हुए अब पूरी सड़क एविएशन की जमीन पर ही बनाई जाएगी।

यह बताई जा रही है वजह...कैबिनेट मंत्री की मानें तो जब एविएशन की जमीन पर सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई तो उसमें सामने आया कि सड़क में काफी मोड़ आ रहे हैं। अगर सड़क सीधी बनाते हैं तो काफी जमीन खराब हो रही है। इसके अलावा प्रदेश सरकार व एनआईसीडीसी में समझौता हुआ था, लेकिन अगर वह इस जमीन पर सड़क बनाते हैं तो उनकी जमीन कम हो जाएगी। अगर ऐसा होता है तो एनआईसीडीसी भी उसी के अनुसार निवेश की जाने वाली राशि को कम कर देगा। उनके पास एविएशन की कुछ जमीन ऐसी है, जो वन विभाग की जमीन में मिली हुई है। इस जमीन का कुछ इस्तेमाल भी नहीं हो सकता। अब यह जमीन वन विभाग को बदले में दे दी जाएगी।

मुख्यमंत्री तलवंडी राणा रोड बनवाने के अपने वादे को पूरा करें : कोहली...तलवंडी राणा रोड बचाओ संघर्ष समिति की बैठक शुक्रवार को गांव तलवंडी राणा में समिति के अध्यक्ष एडवोकेट ओपी कोहली की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

ट्रंप की सुरक्षा में फिर चूक: रैली के दौरान शख्स ने जबरदस्ती मीडिया के बीच घुसने की कोशिश, पुलिस ने किया काबू

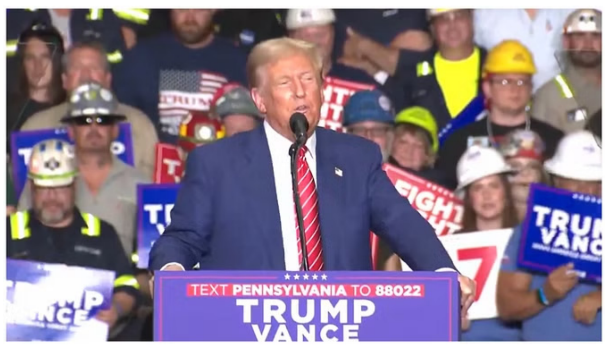

वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की सरगर्मियां तेज हैं। राष्ट्रपति पद के लिए दोनों उम्मीदवार- डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस लगातार रैलियों में एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। इस बीच रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप ने शुक्रवार को पेंसिलवेनिया में रैली की, जहां एक बार फिर एक शख्स के हंगामे के बाद उनकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए। बता दें कि पिछले महीने पेंसिलवेनिया में रैली के दौरान ही ट्रंप पर एक शूटर ने हमला कर दिया था। इस हमले में गोली उनके कान को छूकर निकल गई थी और वे बाल-बाल बच गए थे। इस घटना के बाद ट्रंप की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हुए थे।

पेंसिलवेनिया की रैली में अब क्या हुआ?...बताया गया है कि पेंसिलवेनिया के जॉनटाउन में ट्रंप की रैली के दौरान एक शख्स प्रेस एरिया (मीडिया एरिया) में घुस आया था। इस दौरान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति कुछ मीडिया समूहों को अपने खिलाफ पक्षपाती रवैये के लिए खरी-खरी सुना रहे थे। इसी दौरान एक शख्स साइकिल रैक में सवार होकर मीडिया एरिया तक पहुंच गया और मंच के ठीक सामने उस जगह चढ़ने की कोशिश करने लगा, जहां चैनलों के कैमरे और टीवी रिपोर्टर तैनात होते हैं।

शख्स की इस हरकत को देखते ही वहां मौजूद लोगों ने उसे नीचे घसीट लिया। इस दौरान पुलिस अफसर भी घटनास्थल पर पहुंच गए। एक पुलिसकर्मी ने इस दौरान शख्स पर काबू पाने के लिए उस पर टेजर (शॉक देने वाली बंदूक) से वार किए। बाद में पुलिसकर्मी इस शख्स को बाहर ले गए। मजेदार बात यह है कि इस घटना को ट्रंप ने खुद देखा और कहा, क्या मेरी रैली से अलग कहीं और ज्यादा मजा आ सकता है?

एक और शख्स को हिरासत में लिया गया...इस घटना के ठीक बाद पुलिस ने भीड़ में शामिल एक और व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। हालांकि, यह साफ नहीं है कि उसे किस वजह से पकड़ा गया है या उसका पहले गिरफ्तार किए गए शख्स से कोई संबंध है। इस घटना के बाद एक बार फिर ट्रंप की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। दरअसल, ट्रंप की सुरक्षा के लिए तैनात सीक्रेट सर्विस और पुलिसकर्मियों पर लोगों की जांच के बाद ही उन्हें रैली में शामिल होने की अनुमति से जुड़ी जिम्मेदारी होती है। हालांकि, पेंसिलवेनिया में अचानक एक शख्स के घुस आने की घटना ने फिर से ट्रंप की सुरक्षा के मुद्दे को केंद्र में ला दिया है।

रैली के दौरान ट्रंप पर हुआ था हमला...पेंसिलवेनिया में 14 जुलाई को ट्रंप की रैली के दौरान हुई गोलीबारी हुई थी। इस घटना में एक व्यक्ति की जान गई थी, वहीं दो अन्य लोग घायल हुए थे।

हमलावर की पहचान 20 साल के थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में हुई थी, जिसे हमले के तुरंत बाद सीक्रेट सर्विस स्नाइपर्स ने ढेर कर दिया था। हमले में ट्रंप बाल-बाल बच गए थे और गोली उनके कान को छूकर निकल गई।

IPS की वर्दी के साथ संगीत साधक!

बिहार डीजीपी आलोक राज के गाने वाले वीडियो पर फिदा सोशल मीडिया

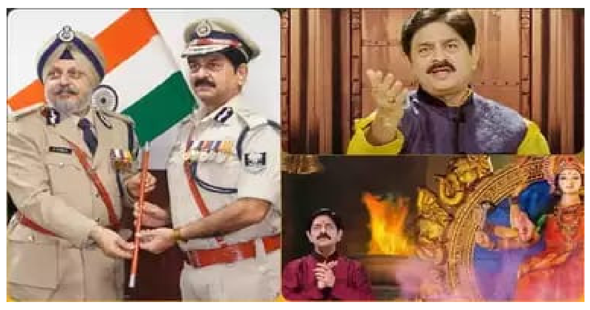

संवाददाता।
पटना। 1989 बैच के क्ढर अधिकारी आलोक राज बिहार के नए प्रभारी पुलिस महानिदेशक (DGP) बने हैं। वे पहले से विजिलेंस इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो के डीजी भी हैं। आलोक राज अपनी जिम्मेदार छवि के लिए जाने जाते हैं, लेकिन वे शास्त्रीय संगीत के भी शौकीन हैं। डीजीपी बनते ही भोले बाबा और मां दुर्गा पर उनके गाए वीडियो सोशल मीडिया पर छाए गए। वैसे, आलोक राज का मानना है कि कार्यस्थल पर सिर्फ काम मायने रखता है। आलोक राज की छवि एक जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ आईपीएस अधिकारी की रही है।
उक्क्ष बनते ही आलोक राज के गाए गीत सोशल मीडिया पर दिखने लगे हैं। जिसमें 'ये भोला सबसे बड़ा है और जय अंबे मां जय जय अंबे मां' के वीडियो ज्यादा दिख रहे हैं। इसके अलावा 'वल्कल ना ओढ़ री' भी शामिल है।
दरअसल, आलोक राज को स्कूल-कॉलेज के जमाने में फिल्मी गानों का बहुत शौक था। 20 अगस्त 1989 को जब इंडियन पुलिस सर्विस जॉइन किए तो गीत-संगीत का शौक पीछे छुटता चला गया। नौकरी के 20-22 साल बाद उन्होंने 2011 में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की विधिवत शिक्षा ली। 6 साल के रियाज के बाद 2017 में आलोक राज का पहला एल्बम आया था। जिसका नाम था 'साईं रचना'। इसके बाद कई भजन और गजलों के एल्बम आईपीएस आलोक राज के आए। उन एल्बमों में आलोक ने बतौर एक्टर परफॉर्म भी किए।
अपनी संगीत प्रेम को आलोक राज ने कभी छिपाया नहीं।

बिहार में भूमि सर्वे के बीच नीतीश सरकार का फैसला,वंशावली बनाने के लिए करना होगा भुगतान

रेट फिक्स,हर अप्लाई का अलग रेट

संवाददाता।
औरंगाबाद। बिहार में भूमि सर्वे को लेकर अब तक हजारों ग्राम सभा का आयोजन हो चुका है। सरकार लगातार अखबारों के माध्यम से और स्थानीय प्रशासन के माध्यम से लोगों को जागरूक करने में जुटी है। बिहार के औरंगाबाद जिले के मदनपुर प्रखंड कार्यालय के मल्टी पर्पस भवन में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी और सरपंच के अलावा ग्राम कचहरी के सचिव की उपस्थिति भी रही। इस दौरान इसमें ग्रामीणों के साथ वंशावली निर्माण और उसके निर्गत करने की जानकारी के साथ पंचायत में चल रहे कार्यों पर चर्चा की गई।

इस विचार विमर्श में कहा गया है कि पंचायती राज विभाग की ओर से प्राप्त निर्देशों के आधार पर वंशावली का निर्माण किया जाएगा। बिहार सरकार की ओर से दिए गए निर्देश के मुताबिक पहली बार वंशावली निर्माण के लिए 10 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। अगर दूसरी बार उसे बनाया जाएगा, तो 100 रुपये शुल्क देने होंगे। सभी शुल्क ग्राम सेवक के पास जमा कर रसीद ले लेना होगा। उसके बाद सात दिनों के अंदर जांच के बाद ग्राम कचहरी सचिव को भेजेंगे। ग्राम कचहरी सचिव सरपंच को अग्रसारित करेंगे। उसके बाद वंशावली का निर्माण संपन्न होगा।

जानकारी के मुताबिक सर्वे में वंशावली का काफी महत्व है। बिना वंशावली के खतियान में नाम नहीं चढ़ेगा। वंशावली नहीं रहने पर दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। वंशावली को लेकर आपत्ति होने की स्थिति में सरपंच को आवेदन दिया जा सकेगा। वो भी एक सप्ताह के भीतर। उसके बाद सरपंच के द्वारा ग्राम सेवक को वंशावली वापस कर दी जाएगी। वंशावली से जुड़ी और जमीन सर्वे से जुड़ी जानकारी को लेकर लगातार बैठक चल रही है। बिहार के कई प्रखंडों और पंचायतों में बकायदा कार्यशाला का आयोजन कर इसकी जानकारी दी जा रही है। प्रखंड के सभी पंचायत में शिविर लगाने की बात कही जा रही है। शिविर में उपस्थित अधिकारी लोगों को जानकारी दे रहे हैं। सर्वे के दौरान भूमि स्वामी को अपने आवश्यक दस्तावेज के साथ शिविर में उपस्थित होना होगा तभी जाकर उन्हें अपने भूमि से संबंधित जानकारी मिलेगी।

मुजफ्फरपुर: बन्दरा के लोहरखा घाट पर डूबा नाव,1 की मौत,बाकी सवार निकले

कई सालों से यहां होती रही है पुल निर्माण की मांग

दीपक तिवारी।
मुजफ्फरपुर। जिले के हत्था थाना क्षेत्र के लोहरखा में बागमती नदी की उपाधारा में नौका सवार जीतन कुमार (32)की मौत नदी में डूबने से हो गई,2 अन्य लोग इस दौरान निकलने में सफल रहे। बताया जाता है कि मृतक जीतन कुमार शनिवार की शाम ग्रामीण श्रवण कुमार एवं ब्रजेश कुमार के साथ नदी पार से घास लाने नाव से जा रहे थे।

इसी दौरान बागमती नदी की उप धारा में लोहरखा घाट पर नाव पलट गई। हादसे के दौरान 2 सहयात्री ग्रमीण युवक निकल गए, लेकिन जीतन कुमार की नदी में डूबने से मौत हो गई। लोगों का बताना था कि जीतन कुमार को तैरने नहीं आ रहा था।हादसे की सूचना मिलते हीं परिजनों में चीखपुकार मच गई।स्वजनों एवं ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। घटना की सूचना तत्काल हत्था थाना पुलिस एवं बन्दरा अंचल के अधिकारी को दी गई। बन्दरा अंचल अधिकारी अंकुर राय ने बताया कि राजस्व कर्मचारी को घटनास्थल पर भेजा गया है।आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। बताया गया कि 4-5लोग नाव पर सवार होकर नदी पार जा रहे थे।इसी दौरान नाव डूब गई।बाकी लोग सुरक्षित निकल गए,लेकिन एक की डूबने से मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि शव को नदी से निकलवाने एवं पोस्टमार्टम में भेजने की कार्यवाई की जा रही है। घटना के बाद हत्था थाना अध्यक्ष शशि भूषण सहयोगी सशस्त्र पुलिस बलों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के लिए मेडिकल भेजने की कार्रवाई की गई।

रात के अंधेरे होने के बावजूद लोगों की भीड़ मौके पर जुटी रही। टॉर्च जलाकर पुलिस पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी को आवश्यक कागजी एवं अन्य कार्रवाई करनी पड़ी।

ग्रामीणों में दिखा आक्रोश...घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों का बताना था कि बागमती नदी की उपधारा लोहरखा घाट पर कई सालों से पुल निर्माण की मांग की जा रही है। कई मौकों पर स्थानीय विधायक एवं सांसद के द्वारा पुल निर्माण को लेकर आश्वासन भी मिलते रहे। पिछले 4 साल से स्थानीय विधायक कई पुल निर्माण कराने की घोषणा एवं दिलाशा देते रहे हैं,लेकिन धरातल पर इस दिशा में अब तक कार्रवाई नहीं हो सकी है।

लिहाजा यहां नौका से ही लोग नदी पार कर आवागमन करते हैं।ऐसे में अक्सर कई तरह की परेशानी लोगों को होती है।

अमृत लाल मीणा बने बिहार के नए मुख्य सचिव नीतीश कुमार से की मुलाकात

संवाददाता।
पटना। बिहार के नए मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा बने हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद पदभार ग्रहण किया। 1989 बैच के आईएएस अधिकारी अमृत लाल मीणा पहले केंद्र सरकार में कोयला विभाग के सचिव थे। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से बिहार वापस आए हैं। पहले वो कोयला विभाग में सचिव के पद पर कार्यरत थे। बिहार के मुख्य सचिव के तौर पर उनकी नियुक्ति को लेकर सामान्य प्रशासन विभाग ने अधिसूचना जारी की थी। मुख्य सचिव रहे ब्रजेश मेहरोत्रा का कार्यकाल 31 अगस्त को समाप्त हो गया, जिसके बाद मीणा को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अमृत लाल मीणा को सौंपी गई है। नए मुख्य सचिव को लेकर पिछले कई दिनों से अटकलें लगाई जा रही थीं, जो अब जाकर खत्म हुई। अमृत लाल मीणा सीएम नीतीश कुमार के करीबी माने जाते हैं। उनकी नियुक्ति को राज्य प्रशासन में महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

अमृत लाल मीणा, राजस्थान के करौली जिले के रहने वाले हैं, उन्हें बिहार का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया। अमृत लाल मीणा, पहले केंद्रीय कोयला सचिव के रूप में कार्यरत थे। शनिवार को केंद्र सरकार ने उन्हें इस पद से मुक्त कर दिया और बिहार वापस भेज दिया। मीणा बिहार के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव भी रह चुके हैं।

अमृत लाल मीणा अनुसूचित जनजाति समुदाय से आते हैं। वे राजस्थान से आने वाले दूसरे आईएएस अधिकारी हैं जिन्हें ब्यूरोक्रेसी का मुखिया बनाया गया है। उनसे पहले जयपुर के शिवदास मीणा को तमिलनाडु का मुख्य सचिव बनाया गया था। शिवदास मीणा हाल ही में इस पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। अमृत लाल मीणा के पास 35 साल का प्रशासनिक अनुभव है। अपने लंबे करियर में उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। अब बिहार के सबसे बड़े प्रशासनिक पद की जिम्मेदारी उनके कंधों पर है।

चिराग पासवान की पार्टी टूट रही है?

एलजेपीआर सांसद वीणा देवी की ओर से आया बड़ा बयान

दीपक कुमार तिवारी।
पटना। बिहार की सियासत की केंद्र में आज कल चिराग पासवान और उनकी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) है। कई दिनों से खबरें चल रही है कि चिराग की पार्टी में कभी टूट हो सकता है। संभव है कि एलजेपीआर के तीन सांसद पार्टी छोड़ सकते हैं। सियासी चचाओं के बीच सांसद वीणा देवी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने अपनी पार्टी में टूट की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) पर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया है। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए वीणा देवी ने कहा कि उनकी पार्टी के तीन सांसदों के टूटने की खबरें पूरी तरह से झूठी हैं। वीणा देवी ने कहा कि हम लोग चिराग पासवान के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं और एनडीए के साथ हैं।
यहां कोई खेल नहीं होने वाला है, उनके मंसूबों पर पानी फिर जाएगा। आरजेडी अनाप-शनाप बोलती रहती है। ऐसे में उनके बातों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है।

वहीं, झारखंड में अकेले चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि चिराग पासवान जो भी फैसला लेंगे, पार्टी उनका पूरा साथ देगी। हाल ही में अमित शाह और चिराग पासवान की अचानक हुई मुलाकात पर वीणा देवी ने कहा कि चिराग पासवान केंद्रीय मंत्री हैं और देश के गृह मंत्री से उनकी मुलाकात होना स्वाभाविक है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के आरक्षण पर दिए गए बयान पर उन्होंने कहा कि वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती हैं। वहीं, 1 सितंबर को तेजस्वी यादव के आरक्षण के मुद्दे पर होने वाले धरने पर उन्होंने कहा कि नेता का काम धरना देना है, उन्हें धरना देने दीजिए। उससे कोई फर्क नहीं पड़ता है।

तकनीक ने दुनिया को बदला: हरिवंश

हरिवंश: पत्रकारिता का लोकधर्म' पुस्तक का लोकार्पण

भोपाल। 31 अगस्त 2024। राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने कहा है कि 300-400 वर्षों में विचार ने इतिहास को बदला, लेकिन नब्बे के दशक के बाद ह्यतकनीकह्ल ने दुनिया को बदला। हरिवंश आज सप्रे संग्रहालय में अपने ऊपर प्रकाशित पुस्तक 'हरिवंश: पत्रकारिता का लोकधर्म' के लोकार्पण व चर्चा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। पुस्तक को प्रलेक प्रकाशन ने छापा है। लोकार्पण समारोह में पुस्तक के प्रकाशक जितेंद्र पात्रो भी उपस्थित थे।

समारोह को संबोधित करते हुए हरिवंश ने कहा कि मुख्यधारा की पत्रकारिता आदर्शों से दूर चली गई। समारोह को संबोधित करते हुए ह्यनवनीतह्ल के संपादक विश्वनाथ सचदेव ने कहा कि हरिवंश की पत्रकारिता ही लोकधर्म की पत्रकारिता है। पत्रकारिता का धर्म ही है लोक की चिंता। आजादी के दौर में पत्रकारिता विशेष कर हिंदी पत्रकारिता ने समाज को एक दिशा दी, किंतु धीरे-धीरे वह अपने उद्येश्यों से भटक गई। जबसे दृश्य माध्यम आया है, पत्रकारिता के स्वरूप में बदलाव आया है।

विश्वनाथ सचदेव ने कहा कि हरिवंश जैसे व्यक्ति पत्रकारिता छोडकर राजनीति में चले गए यह राजनीति के लिए बड़ी उपलब्धि हो सकती है, किंतु पत्रकारिता की बड़ी क्षति है। किताब के संपादक कृपाशंकर चौबे ने कहा कि लेखन बहुत ही आसान कार्य है, लेकिन ह्यसंपादनह्ल एक जटिल और चुनौतीपूर्ण कार्य है। उन्होंने कहा कि विश्वनाथ सचदेव और हरिवंश जी जैसे लोगों की बदौलत ही पत्रकारिता का लोकधर्म आज बचा हुआ है। सप्रे संग्रहालय के संस्थापक निदेशक विजयदत्त श्रीधर ने कहा कि हरिवंश जी आई किताब पत्रकारिता की धरोहर है इसके लोकार्पण के साथ ही यह भी मंशा थी कि विश्वनाथ जी, हरिवंश जी और कृपाशंकर चौबे जैसी विभूतियों से पत्रकारित के विद्यार्थियों का संवाद हो, जिससे उनके अनुभवों का लाभ मिल सके। कार्यक्रम के दूसरे चरण में पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने तीनों विभूतियों से पत्रकारिता के मौजूदा परिदृश्य को लेकर सवाल किये। आरंभ में संग्रहालय की ओर से डॉ. शिवकुमार अवस्थी, डॉ. रत्नेश, अरविंद श्रीधर ने अतिथियों का स्वागत किया।

संचालन मीडिया शिक्षक लालबहादुर ओझा ने किया तथा आभार प्रदर्शन वरिष्ठ टीवी पत्रकार राजेश बादल ने किया।

उड़ान के बाद रूस का एमआई-8टी हेलीकॉप्टर लापता, 22 लोग हैं सवार

मॉस्को। रूस में बड़े हादसे की खबर है। दरअसल रूस का एक हेलीकॉप्टर उड़ान के दौरान लापता हो गया है। हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका है। हेलीकॉप्टर जिस वक्त लापता हुआ, उस वक्त उसमें तीन क्रू के सदस्यों समेत कुल 22 लोग सवार थे।
एमआई-8टी हेलीकॉप्टर का हादसों का रहा है इतिहास

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस के एमआई-8टी हेलीकॉप्टर ने शनिवार को रूस के पूर्वी इलाके में स्थित कामाचाटका पेनिसुला से उड़ान भरी थी। हेलीकॉप्टर में तीन क्रू सदस्यों समेत कुल 22 लोग सवार थे। रूस की संघीय हवाई यातायात एजेंसी ने बताया कि हेलीकॉप्टर वचकाझेट्स बेस से उड़ा था, लेकिन जब तय समय पर भी हेलीकॉप्टर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंचा, इसके बाद खोज अभियान चलाया गया है। एमआई-8टी एक दो इंजन वाला हेलीकॉप्टर है, जिसे साल 1960 में डिजाइन किया गया था। रूस के अलावा कई अन्य देशों द्वारा भी इस हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इस हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने का भी लंबा इतिहास है।

अलग प्रशासन की मांग को लेकर कुकी-जो समुदाय के लोगों का प्रदर्शन जारी

इंफाल मणिपुर के कई इलाकों में कुकी-जो समुदाय के लोगों ने शनिवार को अलग प्रशासन की मांग करते हुए तीन रैलियां निकाली। उन्होंने हाल ही में जारी हुए वीडियो, जिसमें मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं, के विरोध में प्रदर्शन भी किया। कुकी-जो समुदाय के लोगों ने चुराचांदपुर जिले के लीशांग, कांगपोकपी में कीथेलमनबी और तेंगनौपाल में मोरेह में रैलियां निकाली।

मणिपुर के कई इलाकों में कुकी-जो समुदाय के लोगों ने निकाली रैलियां...चुराचांदपुर में रैली एंग्लो कुकी वॉर गेट से शुरू हुई और तुईबौंग के शांति मैदान में खत्म हुई। इस दौरान जिले में सभी स्कूल और बाजारों को बंद रखा गया। आयुक्त (गृह) एन अशोक कुमार ने लोगों से रैली के मद्देनजर व्यावसायिक प्रतिष्ठान और प्राइवेट संस्थानों को खुला रखने का आग्रह किया। कांगपोकपी में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने रैली में हिस्सा लिया। उन्होंने कीथेल्मनबी सैन्य कॉलोनी से लेकर थॉमस ग्राउंड तक रैली की। कांगपोकपी में प्रदर्शन कर रहे एक प्रदर्शनकारी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, कुकी-जो समुदाय के लोगों के लिए केंद्र शासित प्रदेश की मांग को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है। इसके अलावा हम सीएम बीरेन सिंह के वायरल ऑडियो क्लिप के खिलाफ भी प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, मणिपुर सरकार ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो में मुख्यमंत्री की आवाज होने का दावा झूठ है।

खतरा भांपते ही चिराग पासवान का मिशन 'व' शुरू, सियासी एक्शन पर पैनी नजर

'बिना आग के धुआं नहीं उठता'

दीपक कुमार तिवारी।
पटना। लोकसभा चुनाव में बिहार से चिराग पासवान ने सौ फीसदी स्ट्राइक रेट दिया। सभी उम्मीदवार जीतकर सांसद बन गए। चिराग पासवान केंद्र में कैबिनेट मंत्री बन गए। उसके बाद सब कुछ सामान्य चल रहा था। अचानक एक दिन चिराग के चाचा पशुपति पारस बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष से मिलते हैं। उसके बाद से चचाओं का सिलसिला चल पड़ता है। उधर, कहते हैं न कि दूध का जला, मट्ठा फूंक-फूंक कर पीता है। सियासी जानकार मानते हैं कि चिराग पासवान इन दिनों यही कर रहे हैं। 13 जून, 2021 की रात चिराग पासवान के जेहन से नहीं निकली है। छह सांसदों वाले चिराग पासवान अचानक अकेले पड़ गए। चाचा पशुपति पारस, भाई प्रिंस पासवान और तीन सांसदों ने मिलकर पार्टी पर कब्जा कर लिया। चिराग पासवान उस दौरान बिल्कुल अकेले पड़ गए। हालांकि, अपनी कोशिश जारी रखी। क्षेत्र में मेहनत की और उसका परिणाम भी जनता ने दिया।

राजनीतिक जगत में चल रही चर्चा की मानें, तो एक बार फिर लोजपा (आर) पर टूट का बादल मंडराने लगा है। हालांकि चिराग पासवान इसे विपक्ष का अफवाह बताते हुए कहते हैं कि मैं पीएम नरेंद्र मोदी का आज भी हनुमान हूं। और मुझे अपने सांसदों पर पूरा भरोसा है। दरअसल लोजपा का सौ फीसदी स्ट्राइक रेट ने विपक्ष की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि जिन तीन सांसदों के टूटने की बात कही जा रही है उनमें नीतीश सरकार में मंत्री रहे अशोक चौधरी की पुत्री सांभवी चौधरी, गत चुनाव में बागी सांसद वीणा देवी और लोजपा के बाहरी उम्मीदवार राजेश वर्मा शामिल हैं। हालांकि, खबर ये भी मिली है कि इस आशंका के मद्देनजर चिराग पासवान ने मिशन यू शुरू कर दिया है। यू यानी यूनिटी। कयास लगाए जा रहे हैं कि पार्टी में यूनिटी को प्रमुखता देते हुए चिराग ने सभी सांसदों से बातचीत भी की है।

लोजपा (आर) के नाराज पदाधिकारी अक्सर चिराग पासवान पर बाहरी उम्मीदवार को टिकट बेच देने का आरोप लगाते हैं। इसका जवाब चिराग पासवान देते भी रहे हैं। यह किसी और को भी देता तो उन्हें टिकट नहीं मिला वो आरोप लगाते। लेकिन मैं इसे दूसरे तरीके से देखता हूं। पहले हमसे उम्मीदवार के बारे में सवाल पूछे जाते थे। अब मेरे पास उम्मीदवारों की कमी नहीं है। लेकिन लोजपा (आर) के प्रमुख चिराग पासवान को इन सवालों से गुजरना पड़ता है या फिर पार्टी में टूट का खतरा मंडराता रहता है तो उसकी वजह भी वे स्वयं हैं। दरअसल लोजपा के उम्मीदवारों का जुड़ाव सांगठनिक स्तर पर इस तरह से नहीं होता। जिस तरह से कैडर बेस्ड पार्टियों का होता है। कैडर बेस्ड कार्यकताओं का पार्टी से जुड़ाव होता है। पर जो अपनी समृद्ध आर्थिक आधार से लोजपा (आर) में आते हैं और चुनाव लड़कर जीत जाते हैं, वे स्वयं इस तरह के चुनाव को इन्वेस्टमेंट की तरह देखते हैं। जहां ज्यादा की उम्मीद दिखती है उधर लुढ़क जाते हैं। राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चा की मानें, तो जिस तरह से लैटरल नियुक्ति हो या वक्फ बोर्ड का मसला या आरक्षण में क्रीमीलेयर को लेकर ही जो आक्रामक विचार आए। वह कहीं न कहीं तेजस्वी यादव के स्वर में स्वर मिले नजर आए। और तब राजनीतिक गलियारों में यह बातें भी उठी कि क्या किसी धरातल पर राहुल, चिराग, तेजस्वी की कही खिचड़ी तो नहीं पक रही है। भाजपा के भीतर खाने की बात करें तो एक चर्चा यह भी है कि इधर चिराग पासवान की महत्वाकांक्षा बढ़ गई थी। प्रतिक्रिया देने में अक्सर गठबंधन धर्म का पालन करना चिराग पासवान भूल जा रहे थे। ऐसे में केंद्र की सरकार पर कई तरह के सवाल उठ खड़े हो रहे थे।

वरिष्ट पत्रकार ओम प्रकाश अश्क का मानना है कि छोटे दलों में सांसदों की संख्या कम होती है। ऐसे में दल बदल कानून का प्रेशर बहुत कम होता है। और ऐसे छोटे दल में आयातित उम्मीदवार हों तो यह खतरा और बढ़ जाता है। गौर करें तो लोजपा को जिस टूट का सामना करना पड़ा या जो संकट गहरा रहा है वह ऐसे ही आयातित उम्मीदवार के कारण। सांगठनिक आधार से निकले ऐसे उम्मीदवार में ये संकट इसलिए कम होती है कि वर्षों से संगठन में रहने से पार्टी के प्रति लगाव होता है। लेकिन संयोग कहें या सोची समझी रणनीति। आर्थिक रूप से संपन्न और आयातित उम्मीदवार इस बार भी लोजपा के उम्मीदवार बने और जीते। और इस जीत में उन्हें पार्टी नजर नहीं आती। इसलिए क्षणिक लाभ के लिए इधर-उधर झांक लिया तो कोई नैतिक गुरेज भी नहीं।

संक्षिप्त खबरें

आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सुस्त पड़कर 6.1 फीसदी, उएअ बोले- चुनावों के कारण रफ्तार धीमी हुई

नई दिल्ली। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में गिरावट से जुलाई में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर घटकर 6.1 फीसदी रह गई है। हालांकि, यह मासिक आधार पर जून के 5.1 फीसदी से ज्यादा है। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई, 2023 में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट व बिजली क्षेत्र का उत्पादन 8.5 फीसदी की दर से बढ़ा था। आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में कच्चे तेल के उत्पादन में 2.9 फीसदी और प्राकृतिक गैस में 1.3 फीसदी गिरावट रही। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीने में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 6.1 फीसदी बढ़ा है।

चुनावों के कारण आर्थिक वृद्धि दर में गिरावटःसीईए

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा, विकास की रफ्तार मजबूत है। पहली तिमाही में वृद्धि दर इसलिए घटी, क्योंकि लोकसभा चुनाव सात चरणों में चला था।?जून तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण वास्तविक रूप से जीडीपी का 34.8 फीसदी रहा। यह दशार्ता है कि निजी निवेश अपनी भूमिका निभा रहा है। मानसून में अच्छी प्रगति हुई है। कॉरपोरेट और बैंकों का बही-खाता अच्छी स्थिति में हैं।

आंकेड़े हमारे अनुमान के मुताबिक हैं

इन्फोमेरिक्स रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री मनोरंजन शर्मा कहते हैं, "ये आंकड़े पूरी तरह से हमारी उम्मीदों के अनुरूप हैं, हमने अपना ध्यान सार्वजनिक डोमेन में रखा है। हमने 6.8% का पूवार्नुमान दिया था और ये आंकड़े 6.7% पर आ गए हैं।"

उन्होंने आगे कहा कि यदि भारत वार्षिक आधार पर लगातार 7% की जीडीपी वृद्धि दर्ज करने में सक्षम होगा तो देश मजबूत स्थिति में होगा।

सख्ती: अवैध फिनफ्लुएंसर के साथ सेबी में पंजीकृत लोगों का नहीं होगा कोई लेनदेन, कम होगा जोखिम

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने गैर-पंजीकृत फिनफ्लुएंसर को लेकर नियम कड़े कर दिए हैं। अब सेबी के किसी भी पंजीकृत व्यक्ति का इस तरह के अवैध फिनफ्लुएंसर के साथ कोई लेनदेन नहीं होगा। सेबी बोर्ड ने पिछले माह प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

सेबी ने शुक्रवार को जारी तीन अलग अधिसूचनाओं में कहा, सेबी की ओर से विनियमित व्यक्ति और ऐसे व्यक्तियों के एजेंट का ऐसे किसी अन्य व्यक्ति के साथ संपर्क नहीं होगा, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सलाह देता है या रिटर्न का स्पष्ट दावा करता है। इस कदम से यह सुनिश्चित होगा कि म्यूचुअल फंड कंपनियां, रिसर्च एनालिस्ट, पंजीकृत निवेश सलाहकार और स्टॉक ब्रोकर फिनफ्लुएंसर के साथ साझेदारी न करें।

46 ब्रोकरों के लाइसेंस रद्द

सेबी ने 46 ब्रोकरों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। इनमें 7 कमोडिटी और 39 स्टॉक ब्रोकर हैं। यह सभी पंजीकरण की जरूरतों को पूरा करने में विफल रहे हैं। इसके अलावा 22 डिपॉजिटरी भागीदारों के भी पंजीकरण रद्द कर दिए गए हैं। प्रमुख स्टॉक ब्रोकरों में रिफ्लेक्शन इन्वेस्टमेंट, विनीत सिक्योरिटीज, क्वांटम ग्लोबल सिक्योरिटीज, वेलइंडिया सिक्योरिटीज, अंबर सोल्यूशंस, आर्केडिया शेयर सहित अन्य ब्रोकर हैं।

मारुति सुजुकी २ एक नया अवतार लाने की तैयारी कर रही

नई दिल्ली। भारतीय खरीदारों के बीच एसयूवी सेगमेंट की मांग हमेशा भारी रही है। इसका प्रमाण इस तथ्य से मिलता है कि 2024 की पहली छमाही में, भारत में कुल यात्री वाहन बिक्री में अकेले एसयूवी सेगमेंट की हिस्सेदारी 52% थी। अगर आप भी निकट भविष्य में नई एसयूवी खरीदने का प्लान कर रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। दरअसल, भारत की सबसे बड़ी कार रिटेलर कंपनी मारुति सुजुकी आने वाले दिनों में अपनी लोकप्रिय एसयूवी फ्रंटएक्स का अपडेटेड वर्जन लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कई मीडिया आउटलेट्स दावा कर रहे हैं कि मारुति सुजुकी फ्रोंक्स फेसलिफ्ट को अगले साल यानी अगले साल लॉन्च किया जा सकता है। 2025 में। समाचार वेबसाइट पर प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, आगामी फेसलिफ्टेड मारुति सुजुकी सुजुकी फ्रोंक्स एक शक्तिशाली स्वदेशी रूप से विकसित हाइब्रिड इंजन द्वारा संचालित होने वाली पहली कॉम्पैक्ट एसयूवी होगी। आइए मारुति सुजुकी फ्रंट के फीचर्स, पावरट्रेन और कीमत के बारे में विस्तार से जानते हैं।हम आपको बता दें कि भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग के साथ ग्राहकों की पसंद में हाइब्रिड पावरट्रेन मॉडल भी शामिल हो रहे हैं। ऐसे में इस सेगमेंट में मारुति सुजुकी फ्रोंक्स की भूमिका काफी अहम हो जाएगी। अगले साल आने वाली अपडेटेड मारुति सुजुकी फ्रोंक्स इंजन का उपयोग करेगी जो पहली बार नई मारुति स्विफ्ट में इस्तेमाल किया गया था।

ऐसे में मारुति सुजुकी फ्रोंटेक्स ल्एश तकनीक वाली पहली कॉम्पैक्ट एसयूवी होगी, जो 35 किलोमीटर प्रति लीटर से ज्यादा का माइलेज देने में सक्षम है। हम आपको सूचित करते हैं कि मारुति सुजुकी फ्रोंक्स अप्रैल 2023 में लॉन्च होने के बाद से 10 महीनों में सबसे तेज गति से 1 लाख एसयूवी बेचने वाला पहला मॉडल बन गया है। वहीं अगर मौजूदा पावरट्रेन की बात करें तो मारुति सुजुकी फ्रंट में खरीदारों को दो इंजन का विकल्प मिलता है। पहला 1.0छ टर्बो-पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित है जो 100ुँस्र की अधिकतम पावर और 148ठे का पीक टॉर्क पैदा कर सकता है। वहीं, दूसरा 1.2 लीटर गैसोलीन इंजन से लैस है, जो अधिकतम 90 एचपी की पावर पैदा करने में सक्षम है। और अधिकतम टॉर्क 113 एनएम। ग्राहकों के पास अपनी कार में स्वचालित या मैन्युअल ट्रांसमिशन का उपयोग करने का विकल्प होता है। इसके अलावा, कार सीएनजी विकल्प के साथ भी आती है जो अधिकतम 77.5 पीएस की पावर पैदा कर सकती है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने चीन को बताया 'अनोखी समस्या', बोले- पूरी दुनिया इस पर बहस कर रही

नई दिल्ली। चीन को 'अनोखी समस्या' बताते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि दुनिया में भारत अकेला ऐसा देश नहीं है जो इस देश (चीन) के बारे में बहस कर रहा है। शनिवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए हुए जयशंकर ने कहा कि सभी ने दशकों पहले जानबूझकर चीनी उत्पादन की प्रकृति को नजरअंदाज करना चुना और अब शिकायत कर रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ संबंधों व सीमा पर स्थिति को देखते हुए वहां से होने वाले निवेश की समीक्षा की जानी चाहिए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर के अनुसार चीन एक अनोखी समस्या है क्योंकि इसकी एक अनूठी राजनीति और अर्थव्यवस्था है। यह सिर्फ भारत की समस्या नहीं है। जयशंकर ने जोर देकर कहा, "हम दुनिया के अकेले देश नहीं हैं जो चीन के बारे में बहस कर रहे हैं।" एक कार्यक्रम में यूरोप और अमेरिका का उदाहरण देते हुए विदेश मंत्री ने कहा, "यूरोप जाकर उनसे पूछिए कि आज आपकी प्रमुख आर्थिक या राष्ट्रीय सुरक्षा बहसों में से कौन सी सबसे अहम है? यह चीन के बारे में है। संयुक्त राज्य अमेरिका को देखिए, यह चीन से ग्रस्त है, और कई मायनों में सही भी है।" गौरतलब है कि 2020 में, भारत और चीनी सैनिकों के बीच गलवान में झड़प हुई थी, उसी साल कोविड महामारी शुरू हुई थी।

मई 2020 से, जब चीनी सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर यथास्थिति को आक्रामक रूप से बदलने की कोशिश की, तब से दोनों पक्ष पेट्रोलिंग पॉइंट 15 के पास आगे की स्थिति में तैनात हैं, जो गलवान झड़प के बाद एक तनाव के बिंदु के रूप में उभरा। इस बीच, जयशंकर ने आगे पूछा, "जब आपके कई पड़ोसी हों तो क्या होता है?" उन्होंने पड़ोसी देशों बांग्लादेश और पाकिस्तान का एक छोटा-सा संदर्भ देते हुए, कहा कि सरकार में बदलाव हमेशा देश में राजनीतिक बहस को जन्म देगा।" ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम नामक कार्यक्रम में विदेश मंत्री जयशंकर बोले, आप जानते हैं, पड़ोसियों के साथ रिश्ते बहुत जटिल होते हैं। वे सभी लोकतांत्रिक राजनीति में हैं। वहां सरकारें बदलेंगी, और उनके देश में राजनीतिक बहसें होंगी। अक्सर, हम उन बहसों का केंद्र होंगे। यह स्वाभाविक है क्योंकि हम एक बड़े देश हैं। हमें ऐसी अपेक्षा रखनी होगी, योजना बनानी होगी और अपनी नीति में इसे शामिल करना होगा। हमें यह भी अपेक्षा रखनी होगी कि हमारे पड़ोस में कुछ बदलाव होंगे, कुछ अधिक जैविक और कुछ अधिक विघटनकारी भी होंगे। जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत को बांग्लादेश के साथ आपसी हितों का आधार तलाशना होगा। भारत वहां की 'वर्तमान सरकार' से भी इसी आधार पर बातचीत को आगे बढ़ाएगा। विदेश मंत्री पाकिस्तान के साथ संबंधों पर भी खुलकर बोले।

जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि पाकिस्तान के साथ निर्बाध बातचीत का युग समाप्त हो गया है। करनी के फल होते हैं। और जहां तक जम्मू-कश्मीर का सवाल है, मुझे लगता है कि अनुच्छेद 370 खत्म हो चुका है। इसलिए, आज मुद्दा यह है कि हम पाकिस्तान के साथ किस तरह के रिश्ते की कल्पना कर सकते हैं?...चाहे घटनाएं सकारात्मक या नकारात्मक दिशा में जाएं, हम उस पर प्रतिक्रिया करेंगे।

राज्यों को करों में हिस्सेदारी के रूप में 3.66 लाख करोड़ जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार को विभिन्न कर और गैर-कर राजस्व के माध्यम से जुलाई 2024 के अंत तक कुल 10,23,406 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, प्राप्त राशि वित्त वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान (बीई) का 31.9 प्रतिशत है। दूसरी ओर, करों में हिस्सेदारी के हस्तांतरण के रूप में केंद्र की ओर से राज्य सरकारों को 3,66,630 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए हैं।

सरकार की प्राप्तियों में कर राजस्व (केंद्र को शुद्ध) 7,15,224 करोड़ रुपये, गैर-कर राजस्व 3,01,796 करोड़ रुपये और गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां 6,386 करोड़ रुपये हैं। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को जुलाई 2024 तक के मासिक खातों को समेकित और प्रकाशित किया, जो चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार के वित्तीय प्रदर्शन की विस्तृत जानकारी प्रदान करता है। मंत्रालय की रिपोर्ट में, यह बताया गया है कि एकत्र किए गए कर राजस्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा राज्य सरकारों के साथ साझा किया गया है। विशेष रूप से, करों में राज्य सरकारों के हिस्से के रूप में 3,66,630 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए हैं। मंत्रालय के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में यह 57,109 करोड़ रुपये की वृद्धि है।

यह सरकार द्वारा राजकोषीय संघवाद को दशार्ता है। मंत्रालय ने कहा, "इस अवधि तक भारत सरकार द्वारा करों में हिस्सेदारी के हस्तांतरण के रूप में राज्य सरकारों को 3,66,630 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 57,109 करोड़ रुपये अधिक है। व्यय पक्ष पर, सरकार ने जुलाई 2024 तक कुल 13,00,351 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जो वर्ष के बजट अनुमानों का 27 प्रतिशत है। इसमें से 10,39,091 करोड़ रुपये राजस्व खाते पर खर्च किए गए हैं, जबकि 2,61,260 करोड़ रुपये पूंजी खाता व्यय के लिए निर्देशित किए गए हैं।

अब एक यूपीआई अकाउंट से पांच लोग कर सकेंगे भुगतान

नई दिल्ली। अब एक ही यूपीआई अकाउंट से पांच लोग भुगतान कर सकते हैं। एक यूपीआई अकाउंट का इस्तेमाल पांच मोबाइल में किया जा सकेगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने यूपीआई सर्किल डेलिगेटेड पेमेंट सर्विस मुहैया कराई है। इसे नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने लॉन्च किया है। इसके जरिये एक दिन में 5,000 रुपये और एक महीने में अधिकतम 15,000 रुपये का लेनदेन किया जा सकता है।

यूपीआई की इस नई सुविधा को अपने मोबाइल में एक्टिवेट करके आप अपने यूपीआई में पांच व्यक्तियों को जोड़ पाएंगे। इसके बाद सभी लोग एक ही बैंक अकाउंट से यूपीआई भुगतान कर पाएंगे। इस सुविधा से उन लोगों को राहत मिलेगी जिनका अपना कोई बैंक खाता नहीं है। आज भी घर में ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनमें परिवार के मुखिया के पास बैंक अकाउंट है। लेकिन घर में बुजुर्गों, बच्चों और घर में रहने वाली महिलाओं का कोई बैंक खाता नहीं है और ये लोग भुगतान के लिए दूसरों पर निर्भर रहते हैं। ऐसे ही लोगों को ध्यान में रखकर यह सुविधा शुरू की गई है।

दो तरह के यूजर होंगे

यूपीआई सर्किल में दो तरह के यूजर होंगे। पहला प्राइमरी और दूसरा सेकंडरी। सेकंडरी यूजर को पूर्ण और आंशिक भुगतान की सुविधा होगी। पूर्ण भुगतान की सुविधा में सेंडरी यूजर को एक सीमा तक भुगतान करने के लिए प्राइमरी यूजर यानी बैंक में खाता रखने वाले से मंजूरी की जरूरत नहीं होगी। लेकिन आंशिक भुगतान की सुविधा वाले सेकंडरी यूजर का भुगतान तब तक पूरा नहीं होगा जब तक प्राइमरी यूजर उसे मंजूरी नहीं देता है। ऐसे यूजर के लिए प्राइमरी यूजर ही यूपीआई पिन डालेगा।

NHPC-रेलटेल समेत चार कंपनियों को नवरत्न का दर्जा मकानों की कीमतों का इंडेक्स घटकर 3.3% पहुंचा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपनी चार कंपनियों सतलुज जल विद्युत निगम लि., नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लि. (एनएचपीसी), सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि. और रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि. को नवरत्न का दर्जा दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन कंपनियों को नवरत्न के रूप में अपग्रेड करने को मंजूरी दे दी है। देश में अब 25 सरकारी स्वामित्व वाली नवरत्न कंपनियां हैं। नवरत्न कंपनियों को केंद्र से मंजूरी लिए बिना 1,000 करोड़ तक निवेश करने की स्वायत्तता होती है।

मकानों की कीमतों का इंडेक्स घटकर 3.3% पहुंचा...पूरे देश में मकानों की कीमतों का इंडेक्स (एचपीआई) जून तिमाही में घटकर 3.3 फीसदी रह गया है। एक साल पहले समान अवधि में यह 5.1 फीसदी रह गया था। मार्च तिमाही में यह 4.1 फीसदी रहा था। आरबीआई यह आंकड़ा 10 बड़े शहरों के पंजीकरण प्राधिकरण से मिले लेनदेन के आधार पर जारी करता है। जिन शहरों की कीमतों के आधार पर यह इंडेक्स तैयार होता है, उनमें अहमदाबाद, बंगलूरू, चेन्नई, दिल्ली, जयपुर, कानपुर, कोच्चि, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई हैं।

एक्सिस बैंक का वीजा और मिंटोक से करार...एक्सिस बैंक ने वीजा और मिंटोक के साथ करार किया है। इसके तहत मर्चेंट के लिए नियो एप लॉन्च किया जाएगा। बैंक के कार्ड्स एवं पेमेंट के प्रमुख संजीव मोघे ने कहा, एप से भुगतान लेनदेन, रिपोर्ट देखने और सीधे सेवा अनुरोध कर सकते हैं।

आईओसी-आरबीएल का को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड...इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और आरबीएल बैंक ने साझेदारी में को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड पेश किया है।?आईओसी के कार्यकारी निदेशक एनडी माथुर ने कहा, ग्राहक इससे सालाना 250 लीटर तक मुफ्त पेट्रोल ले सकते हैं।?हर लेनदेन पर रिवॉर्ड पॉइंट भी मिलेगा।

37 लाख भरकर सेबी के साथ मामले का निपटान...विस्तार रेलिगेयर मीडिया फंड के निदेशक रहे गुरप्रीत सिंह धिल्लो ने 37 लाख रुपये चुकाकर सेबी के साथ मामले का निपटान कर लिया है। विस्तार सेबी में पंजीकृत वेंचर कैपिटल थी। विस्तार पर आरोप था कि फंड की कथित योजनाओं को बंद नहीं किया था।

कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स घटाकर 1,850 रुपये प्रति टन किया गया...सरकार ने शनिवार से घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 2,100 रुपये प्रति टन से घटाकर 1,850 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को 'शून्य' पर बरकरार रखा गया है। शुक्रवार देर रात जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि नई दरें 31 अगस्त 2024 से प्रभावी हैं। भारत ने पहली बार 1 जुलाई 2022 को विंडफॉल प्रॉफिट टैक्स लगाया, जो उन देशों में शामिल हो गया, जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण मुनाफे पर कर लगाते हैं। पिछले दो हफ्तों में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती है।

क्या है समय की सबसे छोटी इकाई का नाम, जिसका इस्तेमाल कर 21 वर्ष के कैवल्य वोहरा बन गए अरबपति

नई दिल्ली। भारतीय स्टार्टअप जगत में एक नाम इन दिनों सुर्खियों में छाया हुआ है। यह नाम है कैवल्य वोहरा का। उनकी उम्र है महज 21 वर्ष। हुरुन के अरबपतियों की सूची में उनका नाम देश के सबसे युवा अरबपति के रूप में शामिल किया गया है। लिस्ट दूसरे सबसे युवा अरबपति के रूप में आदित पलिचा का नाम है। जिन्होंने कैवल्य के साथ मिलकर अरबों का कारोबार खड़ा किया है। वे एक ऑनलाइन किराना डिलिवरी प्लेटफॉर्म सह-संस्थापक हैं। इस प्लेटफॉर्म ने भारत में लोगों के ऑनलाइन किराने का सामान खरीदने के तरीके को बदल दिया है। कैवल्य वोहरा और आदित पलिचा ने यह कारनामा समय की सबसे छोटी इकाई के नाम का इस्तेमाल कर किया। वह क्या है? कैवल्य वोहरा का कच्ची उम्र में ही अरबपति बनने का सफर कैसे शुरू हुआ? आइए सवाल-जवाब से समझें उनकी पूरी कहानी।

कहां से शुरू हुआ कैवल्य वोहरा के अरबपति बनने का सफर?...कैवल्य वोहरा का जन्म 15 मार्च, 2003 को कर्नाटक के बेंगलुरु में हुआ था। शिपिंग व्यवसाय से जुड़े परिवार में पले-बढ़े कैवल्य बचपन से ही एक मजबूत कारोबारी मानसिकता वाले लोगों के बीच पहले। उद्यमिता के इस शुरूआती अनुभव ने उन्हें अपना खुद का कुछ शुरू करने में दिलचस्पी जगाई। अपने व्यावसायिक हितों को समझने के अलावा, वोहरा में अलग-अलग भाषाएं सीखने की भी प्रतिभा थी। वे हिंदी, अंग्रेजी और फ्रेंच में धाराप्रवाह थे। उनकी शुरूआती पढ़ाई-लिखाई बेंगलुरु में हुई।

वोहरा ने क्यों छोड़ दी स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की पढ़ाई?...बेंगलूरू से प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण करने के बाद वोहरा स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय पहुंचे वहां उन्होंने कंप्यूटर विज्ञान का अध्ययन शुरू किया। स्टैनफोर्ड कई सफल तकनीकी उद्यमियों को जन्म देने के लिए जाना जाता है। कुछ ही समय में वोहरा को अपनी खुद की कंपनी शुरू करने की प्रेरणा मिली। हालांकि तकनीक जगत के अन्य दिग्गजों की जगह वोहरा ने स्टैनफोर्ड छोड़ने और अपने व्यवसाय के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने का साहसिक निर्णय लिया।

कैसे हुई जेप्टो की शुरूआत?...वोहरा ने स्टार्टअप की दुनिया में पहला कदम किरानाकार्ट की शुरूआत कर रखा। यह एक ऑनलाइन किराना डिलीवरी सेवा थी जो 45 मिनट के भीतर ग्राहकों तक सामान पहुंचाती थी। यह विचार ग्राहकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हुआ। इससे पता चला देश में तेज डिलिवरी से जुड़ी सेवाओं की मांग ज्यादा है। इस क्षेत्र में और भी अधिक संभावनाएं देखते हुए, वोहरा ने किरानाकार्ट का नाम बदलकर जेप्टो कर दिया। यह अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी पर केंद्रित एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है।

समय की सबसे छोटी इकाई से क्या है जेप्टो का कनेक्शन?...जेप्टो की शुरूआत कैवल्य वोहरा ने अपने मित्र और बिजनेस पार्टनर, आदित पालीचा के साथ मिलकर किया। इसकी शुरूआत कोविड महामारी के दौरान की गई जब एक समय पर लोगों को अपनी रोजमर्रा की आवश्यक चीजों की त्वरित और सुरक्षित डिलीवरी की आवश्यकता थी। "जेप्टो" नाम "जेप्टोसेकंड" से आया है, यह समय की सबसे छोटी इकाई है, जो कंपनी के कुछ ही मिनटों में किराने का सामान पहुंचाने के कंपनी के वादे का प्रतीक है।

यूपीआई के कई और देशों तक बढ़ने की संभावना : गवर्नर शक्तिकांत दास

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने जीडीपी वृद्धि दर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर दास ने कहा, "इस साल की पहली तिमाही के लिए, रिजर्व बैंक का अनुमान 7.1% की वृद्धि दर का था। लेकिन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी वास्तविक संख्या 6.7% है। यह 7.1% से कम है।

उन्होंने कहा, "हालांकि मुझे लगता है कि सभी क्षेत्रों में, पहली तिमाही में विकास दर 7% से अधिक है। दो पहलुओं ने इसे थोड़ा नीचे खींच दिया है, इसमें एक सरकारी व्यय है, जो केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों का व्यय है। चुनावी आचार संहिता जारी होने के कारण इसमें थोड़ी कमी दिखी। दूसरी चीज जो थोड़ी कम रही वह थी कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर, जो लगभग 2% या उससे कम की दर से बढ़ी...।

दूसरी ओर यूपीआई पर बोलते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा उन्हें उम्मीद है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) कई और देशों तक बढ़ेगा। ओडिशा के पांच दिवसीय दौरे पर आए दास ने कहा कि यूपीआई पहले ही क्यूआर कोड और फास्ट पेमेंट सिस्टम के जरिये कई देशों में मौजूद है और कई अन्य देशों के साथ इस पर चर्चा चल रही है। उन्होंने शुक्रवार शाम को यहां संवाददाताओं से कहा, "हमें उम्मीद है कि यह वैश्विक स्तर पर और बढ़ेगा और भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहुंचेगा।" दास ने बुधवार को मुंबई में एक कार्यक्रम में कहा था कि इस दिशा में पहले से ही भूटान, नेपाल, श्रीलंका, सिंगापुर, यूएई, मॉरीशस, नामीबिया, पेरू, फ्रांस और कुछ अन्य देशों के साथ उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से दुनिया भर में भारत की पहलों को अपनाने के लिए सकारात्मक रुख का पता चलता है।

त्यौहारों से पहले ग्राहकों को लुभाने की तैयारियों में ज्वेलर्स, मेकिंग चार्ज पर छूट की पेशकश

मुंबई। अगले महीने यानी सात सितंबर से शुरू होने वाले महाराष्ट्र में गणपति उत्सव की तैयारियां जोरोशोर से चल रही हैं। इसके बाद नवरात्री, दशहरा, धनतेरस तथा दिवाली जैसे बड़े त्यौहारों के साथ शादियों का सीजन शुरू होने वाला है। इसके लिए ज्वेलर्स ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिसमें गणपत्ति उत्सव के लिए विशेष गहनों के कलेक्शन के साथ एक्सचेंज ऑफर और आभूषणों की बनवाई पर 10 से 15 प्रतिशत तक की छूट देने के लिए तैयार है।

उद्योग का कहना है कि ज्वैलर्स ने त्योहारों और शादियों को लेकर अपने स्टॉक को 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ाया है। शादियों के लिए पहले से ऑर्डर भी दिए जा रहे हैं, इसके लिए ज्वेलर्स ने पहले ही अपनी सभी तैयारियों को पूरा कर लिया है। रिटेल ज्वेलर्स के बात करें तो मालाबार गोल्ड कई तहर के नए कलेक्शन बाजार में पेश करेगा। वहीं त्यौहारी सीजन के बीच टाइटन की तनिष्क अपनी खुदरा उपस्थिति बढ़ाने, सोने के एक्सचेंज ऑफर, शादी के सीजन का लाभ उठाने और बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत करने के लिए नए कलेक्शन लॉन्च करने में बड़ा निवेश करने पर दांव लगा रही है।

बाजार में नए कलेक्शन...मुंबई झवेरी बाजार के , चिंतन शाह बताते हैं कि हमने त्योहारों के लिए आभूषणों के नए कलेक्शन पेश किए है। हम गणपति और नवरात्री पर आभूषणों की बनावाई यानी मैकिंग चार्ज पर 10 प्रतिशत तक की छूट देंगे। इसके अलावा शादी ब्याह के लिए हमारे पास 20 प्रतिशत से अधिक गहनों को बनवाने के ऑर्डर है। वहीं शादियों के मौसम के लिए नए आभूषण कलेक्शन पेश करने के साथ सोने में एक्सचेंज ऑफर की योजना है।

शादियों के लिए ग्राहक अक्सर पुराने आभूषणों को बेंच कर नए आभूषणों को लेन पसंद करते हैं। वे बताते हैं कि हमें उम्मीद है कि इस साल त्योहार और शादी ब्याह में सोने की बिक्री काफी अच्छी होगी।

ग्राहकों को मिलेगी मैकिंग चार्ज पर छूट...अंबिका ज्वेलर्स के राहुल का कहना है कि हमने इसके लिए अपने स्टॉक में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है। क्योंकि इस साल हम अच्छी मांग देख रहे हैं। इसकी वजह यह है कि बजट में आयात शुल्क 15 प्रतिशत से 6 प्रतिशत घटने के बाद से लोगों की सोने की अच्छी खरीदारी की है।

आगामी दिनों में भारत में सोने की खरीदारी में तेजी आएगी और उम्मीद है कि मांग 30 प्रतिशत से अधिक होगी। शादी ब्याह के दौरान इसमें और वृद्धि होने की आशा हम करते हैं। उन्होंने बताया कि हम मैकिंग चार्ज पर 10 से 15 प्रतिशत की छूट के साथ हल्के गहनों पर भी कई तरह के ऑफर बाजार में पेश करेंगे।

सोने और चांदी में निवेश का मौका...ज्वेलरी उद्योग का कहना है कि ज्वेलर्स को इस बार आभूषणों अच्छी मांग और बिक्री होने की पूरी उम्मीद है। इब्जा के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहता का कहना है कि सोना खरीदने का अच्छा समय है। क्योंकि सोने के भाव इस साल के अंत तक 76,000 रुपये प्रति दस ग्राम तक जाने की उम्मीद है। सोने में यह निवेश का अच्छा मौका है। एंजेल वन के कमोडिटी विशेषज्ञ प्रथमेश माल्या बताते हैं कि सोने ने इस साल 30 प्रतिशत का रिटर्न निवेशकों को दिया है। यह सुरक्षित निवेश के साथ ही एक एसेट भी है। सोने में ही नहीं चांदी में निवेश करने का यह अच्छा अवसर है।

संगठित रिटेल ज्वेलर्स तैयारियों में जुटे...वहीं संगठित रिटेल ज्वेलर्स भी इस मौके के लिए तैयारियों में जुट गए हैं। मालाबार गोल्ड एंड डायमंड जेम्स्टोन ज्वेलरी फेस्टिवल के तहत अपने ग्राहकों के लिए आकर्षक ऑफर की घोषणा की है। बेहतरीन शिल्प कौशल और कालातीत लालित्य का उत्सव, यह फेस्टिवल ग्राहकों को सोने से बने और कीमती रत्नों, बिना तराशे हीरों और पोल्की से सजे आभूषणों की एक शानदार श्रृंखला पेश की है।

इस अवसर पर मैकिंग चार्ज पर 25 प्रतिशत तक की छूट ग्राहकों दी जाएगी। वहीं चालू त्यौहारी सीजन के लिए तनिष्क अपनी रिटेल उपस्थिति को बढ़ाने के लिए सोने के एक्सचेंज ऑफर, शादी के सीजन का लाभ उठाने और बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत करने के लिए नए कलेक्शन लॉन्च करने में बड़ा निवेश करने पर दांव लगा रही है। कंपनी के सीईओ अजय चावला ने कहा कि हमने दशहरा के बाद की अवधि के दौरान सबसे अधिक खरीदार वृद्धि देखी है, पिछले साल इसी अवधि के दौरान की तुलना में गैर-तनिष्क एक्सचेंजों पर खरीदारों में लगभग 30 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है।

पिछले दो से तीन हफ्तों में सोने की कीमतों वृद्धि हुई है, लेकिन मांग अच्छी बनी हुई है। उनका कहना है कि श्राद पक्ष में बिक्री में कुछ समय के लिए सुस्ती आएगी, लेकिन बाद में यह रफ्तार पकड़ेगी।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

एक नजर

विनेश फोगाट ने राजनीतिक डेब्यू को लेकर कही बड़ी बात

बोलीं– मुझे चुनाव से कोई मतलब नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेसलर विनेश फोगाट जबसे पेरिस से भारत लौटीं हैं उनके राजनीति से जुड़ने की अफवाहें आ रही हैं। विनेश ने अब तक इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है। शनिवार को शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन में पहुंचीं। विनेश से यहां भी राजनीति को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें चुनावों से कोई लेना देना नहीं है।

विनेश फोगाट से चुनाव लड़ने को लेकर किया सवाल – विनेश फोगाट से पूछा गया कि अगर कांग्रेस उन्हें टिकट देती है तो क्या वह हरियाणा लोकसभा में चुनाव लड़ेंगी। जवाब देते हुए विनेश ने कहा, 'मैं चुनाव लड़ने को लेकर कुछ नहीं कहूंगी। मैं राजनीति के बारे में बात नहीं करूंगी। मैं अपने परिवार के पास आई हूं। अगर आप इसके बारे में बात करेंगे तो इनकी लड़ाई और संघर्ष को बर्बाद कर रहे हैं। आज फोकस मुझ पर नहीं है। '

विनेश बोलीं – मैं पूरे देश की हूं – उन्होंने आगे कहा, 'मैं आपसे अपील कर रही हूं। मैं एथलीट हूं। मैं पूरे देश की हूं। किस प्रदेश में चुनाव हो रहे हैं इससे मेरा कोई मतलब नहीं होता है। मैं बस इतना जानती हूं कि मेरे देश के किसान मुश्किल में हैं। उनकी परेशानी को सरकार को खत्म करना चाहिए। यह सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।' विनेश फोगाट ने आगे कहा, हर कोई मजबूरी में आंदोलन करता है। जब लंबा आंदोलन चलता है तो लोगों में उम्मीद आ जाती है। अपने लोग सड़क पर बैठेंगे तो देश तरक्की कैसे करेगा? मुझे लगता है कि अपने हक के लिए सड़क पर आना चाहिए।

पेरिस से खाली हाथ लौटीं विनेश फोगाट – पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में पहुंचीं थीं। हालांकि तय मानक से 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण विनेश को डिस्क्वालिफाई कर दिया गया था। वह पेरिस से से खाली हाथ लौटीं। इस घटना के बाद विनेश ने कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। उन्होंनेकोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (ष्टस्) से संयुक्त सिल्वर मेडल देने की भी अपील की थी लेकिन यह अपील खारिज कर दी गई।

सूर्यकुमार यादव दलीप ट्रॉफी से पहले चोटिल

फील्डिंग के दौरान हाथ में चोट लगी, बुची बाबू टूर्नामेंट खेल रहे हैं

नईदिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी के जरिए भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की राह तलाश रहे सूर्यकुमार यादव चोटिल हो गए हैं। शनिवार को बुची बाबू टूर्नामेंट में तमिलनाडु के खिलाफ फील्डिंग के दौरान उनके हाथ में चोट लग गई, हालांकि चोट कितनी गंभीर है यह अभी पता नहीं चला है। वे दलीप ट्रॉफी में हिस्सा ले पाएंगे या नहीं, इस बारे में भी ज्यादा जानकारी नहीं है। मुंबई के लिए यह मैच कुछ खास नहीं रहा और टीम तमिलनाडु के 379 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में 156 रन पर ऑलआउट हो गई। सूर्यकुमार ने इस पारी में 38 गेंदों पर 30 रन बनाए। तमिलनाडु ने अपनी दूसरी पारी में 286 रन बनाए और मुंबई को 510 रनों का लक्ष्य दिया है।

फरवरी-2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया – सूर्यकुमार यादव ने डेढ़ साल पहले फरवरी 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू किया था। उन्होंने सिर्फ यही टेस्ट मैच खेला है। सूर्या ने डेब्यू टेस्ट की पहली पारी में महज 8 रन बनाए थे। टीम इंडिया ने यह मैच पारी और 132 रन से जीता था।

रुबीना ने निशानेबाजी में कांस्य पदक जीता

पेरिस, एजेंसी। भारतीय महिला निशानेबाज रुबीना फ्रांसिस ने शनिवार को पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों की निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया।

रुबीना ने आज खेले गए पी2 महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा के फाइनल मैच में 211.1 का स्कोर बनाया और कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। रुबीना पिस्टल स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय पैरा निशानेबाज एथलीट बन गयी है।

फाइनल मैच में ईरान की सारेह जवनमर्दी ने 236.8 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि तुर्की की आयसेल ओजगन 231.1 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और रजत पदक जीता।

20 शॉट के बाद चौथे निशानेबाज के बाहर हो जाने के बाद रूबीना फ्रांसिस का पोडियम स्थान पक्का हो गया और वह 193 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। हालांकि उन्होंने

अपने अंतिम दो शॉट में 9.2 और 8.9 का स्कोर किया जिससे आयसेल ओजगन आगे निकल गईं।

रुबीना फ्रांसिस ने टोक्यो 2020 में इसी स्पर्धा में हिस्सा लिया था और फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि वह 128.5 के कुल स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रही थीं।

रुबीना ने पेरू के लीमा में पैरा विश्व चैंपियनशिप 2023 में रजत पदक जीता और इसके बाद चीन के हांगझोऊ में एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक जीता।

उल्लेखनीय है कि भारत का यह पांचवां पैरालंपिक पदक है और निशानेबाजी में चौथा पदक है। अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में एसएच1 स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव करते हुए स्वर्ण पदक जीता जबकि मोना अग्रवाल ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 में रजत पदक जीता।

मुर्मु, मोदी, मांडविया ने रुबीना को बधाई दी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने शनिवार को महिला निशानेबाज रुबीना फ्रांसिस को पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों की पी2 महिलाओं की 10 मीटर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी।

श्रीमती मुर्मु ने आज रुबीना को पेरिस पैरालंपिक खेलों की निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक्स पर लिखा 'पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर रुबीना फ्रांसिस को हार्दिक बधाई। वह पिस्टल स्पधाओं में पैरा शूटिंग पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला बन गई हैं। रुबीना की जीत निशानेबाजी में भारत के बेहतरीन

प्रदर्शन में इजाफा करती है क्योंकि इन खेलों में यह देश के लिए चौथा पदक है। उनकी सफलता सभी को प्रेरित करेगी, खासकर दिव्यांगजनों को।'

श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा 'भारत के लिए एक और गौरवपूर्ण क्षण, जब रुबीना ने पैरालंपिक 2024 में पी2-महिलाओं की 10मीटर एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। उनके असाधारण ध्यान, दृढ़ संकल्प और दृढ़ता ने बेहतरीन परिणाम दिए हैं। रुबीना फ्रांसिस आपने शूटिंग रेंज को गौरव के मंच में बदल दिया है।'

डा. मांडविया ने भी रुबीना फ्रांसिस को कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा 'पैरालंपिक2024 में पी2 महिलाओं की 10मीटर एयर पिस्टल एसएच1 में कांस्य पदक हासिल करने पर बहुत-बहुत बधाई। इस जीत को और भी खास बनाने वाली बात यह है कि यह आपको पिस्टल स्पधाओं में पैरा शूटिंग पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला और शूटिंग स्पधाओं में पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला बनाती है। अभ्यास से लेकर पोडियम तक का आपका सफर सभी के लिए प्रेरणादायी है।'

चंडीगढ़ के खिलाड़ी निक्किल कुमार का ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम में चयन

चंडीगढ़, एजेंसी। यूटीसीए, चंडीगढ़ के अंडर-19 ऑल राउंडर, बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के मीडियम पेसर निखिल कुमार को भारत की अंडर-19 टीम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए एक दिवसीय और चार दिवसीय दोनों टीमों में चुना गया है। यूटीसीए, चंडीगढ़ के अध्यक्ष संजय टंडन ने कहाकि यह हम सभी चंडीगढ़वासियों के लिए गौरव का क्षण है। संजय टंडन ने ऑल राउंडर निखिल कुमार को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी एक दिवसीय और चार दिवसीय श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। तीन एक दिवसीय श्रृंखला 21 सितंबर से पुडुचेरी, भारत में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ शुरू होगी। 2 चार दिवसीय श्रृंखला 24 अक्टूबर को चेन्नई, तमिलनाडु में शुरू होगी।

चंडीगढ़ के ऑल राउंडर अंडर-19 खिलाड़ी निखिल कुमार ने हाल ही में गुजरात के अहमदाबाद में संपन्न इंटर एनसीए मैचों में अर्धशतक के साथ कुल 122 रन बनाए और कुल 9 विकेट लिए। यूटीसीए, चंडीगढ़ के अंडर-19 ऑल राउंडर, बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के मीडियम पेसर निखिल कुमार को भारत की अंडर-19 टीम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए एक दिवसीय और चार दिवसीय दोनों टीमों में चुना गया है।

संजय टंडन ने ऑलराउंडर निखिल कुमार को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी एक दिवसीय और चार दिवसीय श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। तीन एक दिवसीय श्रृंखला 21 सितंबर से पुडुचेरी, भारत में ऑस्ट्रेलिया अंडर -19 टीम के खिलाफ शुरू होगी। 2 चार दिवसीय श्रृंखला 24 अक्टूबर को चेन्नई, तमिलनाडु में शुरू होगी। चंडीगढ़ के ऑलराउंडर अंडर-19 खिलाड़ी निखिल कुमार ने हाल ही में गुजरात के अहमदाबाद में संपन्न इंटर एनसीए मैचों में अर्धशतक के साथ कुल 122 रन बनाए और कुल 9 विकेट लिए।

यूएस ओपन

युकी-ओलिवेटी तीसरे दौर में, बालाजी को मिली हार; रोहन बोपन्ना प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने अमेरिका के क्राजिसेक और नीदरलैंड के जीन जूलियन रोजर की 15वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना पुरुष और मिश्रित युगल वर्ग में आगे बढ़ने में सफल रहे।

भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के अल्बानो ओलिवेटी की जोड़ी ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्टिन क्राजिस्क और जीन जूलियन रोजर को हराकर वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के तीसरे दौर में जगह बनाई। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने अमेरिका के क्राजिसेक और नीदरलैंड के जीन जूलियन रोजर की 15वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया।

यह केवल दूसरा अवसर है जब भांबरी किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचे हैं। इससे पहले वह 2014 में ऑस्ट्रेलियाई

ओपन में भी इसी चरण में पहुंचे थे। हालांकि, भारत के एक अन्य खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी और अर्जेंटीना के उनके जोड़ीदार गुइडो आंद्रेओज़ी दूसरे दौर में न्यूजीलैंड के माइकल वीनस और ग्रेट ब्रिटेन के नील स्कूपस्की से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। भारत और अर्जेंटीना की जोड़ी दूसरे दौर के मैच में 6-7 (4), 4-6 से हार गई। वीनस और स्कूपस्की को सात ब्रेक प्वाइंट मिले जिसमें से उन्होंने एक को भुनाया। बालाजी और आंद्रेओज़ी सर्विस ब्रेक के अपने एकमात्र अवसर को भुनाने में असफल रहे।

बोपन्ना पुरुष युगल और मिश्रित वर्ग में आगे बढ़े – भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना पुरुष और मिश्रित युगल वर्ग में आगे बढ़ने में सफल रहे। 44 वर्षीय बोपन्ना ने इंडोनिशिया के अलदिता सुत्जादी के साथ मिलकर डेमी शुअर्स और टिम पिट्स को पहले दौर के मैच में 7-6 (7), 7-6 (5) से हराने में सफल रहे। इसके बाद बोपन्ना मैथ्यू एब्डेन के साथ मिलकर पुरुष युगल वर्ग में रोबर्टो कारबेल्स तथा फेडेरिको कोरिया को दूसरे दौर के मैच में 6-2, 6-4 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। इस जोड़ी का सामना अब अगले दौर में अर्जेंटीना की जोड़ी मैक्सिमो गोंजालेस और आंद्रेस मोलटेनी से होगा।

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने रोमांचक मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली किंग्स पर 9 रन से जीत दर्ज की

नई दिल्ली, एजेंसी। अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे अदाणी दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 में शुक्रवार रात को नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने सेंट्रल दिल्ली

किंग्स को वर्षा बाधित रोमांचक मुकाबले में 9 रन से हरा दिया। बारिश के कारण मैच में ओवरों की संख्या घटाकर 10-10 कर दी गयी। 10 ओवर में 101 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने ध्रुव कौशिक और हितेन दलाल से पारी की शुरुआत की। ध्रुव को पहले ही ओवर में 8 रन पर मनन भारद्वाज ने आउट कर दिया। सौरव डागर और कप्तान जोंटी सिद्धू जल्दी आउट हो गए क्योंकि सेंट्रल दिल्ली किंग्स पांच ओवर में 40/5 पर संघर्ष कर रहा था। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के कारण, सेंट्रल दिल्ली किंग्स को रन रेट बनाए रखना मुश्किल हो गया। लक्ष्य थरेजा 16 गेंदों पर 24 रन बनाकर नाबाद रहे. उनकी पारी में दो चौके और एक छक्का शामिल था। सेंट्रल दिल्ली किंग्स 10 ओवर में 91/7 रन ही बना सकी। इससे पहले पारी में सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बारिश के कारण मैच 10 ओवर का कर दिया गया । नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के लिए वैभव कांडपाल और सार्थक रंजन ने पारी की शुरुआत की। दोनों ने शानदार शुरुआत की और दोनों सलामी बल्लेबाजों ने विपक्षी गेंदबाजी का डटकर सामना किया।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स को पहली सफलता वैभव कांडपाल के रूप में मिली जो 8 गेंदों पर 12 रन बनाकर सुमित कुमार की गेंद पर आउट हो गए। पावरप्ले के अंत में, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स का स्कोर 36/1 था। चौथे ओवर में यजस शर्मा 6 गेंदों पर 23 रन बनाकर केशव डबास की गेंद पर आउट हुए। सुमित कुमार ने अपना दूसरा विकेट लिया जब उन्होंने फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज सार्थक रंजन को 18 गेंदों पर 29 रन पर आउट किया। उनकी पारी में तीन चौके और दो छक्के शामिल थे। यश डबास को 14 रन पर रजनीश दादर ने आउट किया। पारी के अंत में नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के साथ, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने निर्धारित 10 ओवरों में कुल 100/8 रन बनाए। सेंट्रल दिल्ली किंग्स के लिए सुमित कुमार, केशव डबास और रजनीश दादर ने दो-दो विकेट लिए।

पैरालंपिक 2024

निशानेबाज स्वरूप को लगा झटका, फाइनल में जगह बनाने से चूके, 14वें स्थान पर रहे

पेरिस, एजेंसी। टोक्यो पैरालंपिक में भी स्वरूप कांस्य पदक से चूक गए थे। शनिवार को भी वह 18 निशानेबाजों में 613.4 अंक ही बना सके। दक्षिण कोरिया के पार्क 624.4 अंक से क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर रहे और स्वरूप से 10.5 अंक आगे रहे। भारतीय पैरा निशानेबाज स्वरूप महावीर पुरुष 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 क्वालिफिकेशन में 613.4 अंक लेकर 14वें स्थान पर रहे और फाइनल में जगह नहीं बना सके। इस स्पर्धा में शीर्ष आठ निशानेबाज ही फाइनल के लिए क्वालिफाई करते हैं, लेकिन स्वरूप ऐसा करने से चूक गए। स्वरूप पदक के दावेदार थे। हालांकि, उनके हाथ निराशा लगी।

टोक्यो में भी पदक से चूक गए थे स्वरूप

टोक्यो पैरालंपिक में भी स्वरूप कांस्य पदक से चूक गए थे। शनिवार को भी वह 18 निशानेबाजों में 613.4 अंक ही बना सके। दक्षिण कोरिया के पार्क 624.4 अंक से क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर रहे और स्वरूप से पूरे 10.5 अंक आगे रहे।

बचपन में पोलियो से हो गए थे पीड़ित

कोल्हापुर के इस निशानेबाज को बचपन में पोलियो का पता चला था जिससे उनके दोनों पैर में लकवा मार गया था। उन्होंने 101.8, 103.0, 101.7, 101.8, 102.4, 102.7 के स्कोर से 613.4 अंक बनाये। एसएच1 वर्ग में वो पैरा निशानेबाज हिस्सा लेते हैं जो बिना किसी परेशानी के पिस्टल संभालते हुए व्हीलचेयर या चेयर पर बैठकर या खड़े होकर निशाना लगा सकते हैं।

लगातार 100 पारियों में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर हैं रोहित शर्मा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अपने इंटरनेशनल क्रिकेट करियर में कई शानदार रिकॉर्ड्स अपने नाम किए हैं और उनका सफर फिलहाल जारी है। रोहित शर्मा ने वनडे प्रारूप में एक ऐसा रिकॉर्ड अपने नाम किया हुआ है जो अपने आप में अनोखा है। वनडे की लगातार 100 पारियों में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में रोहित शर्मा पहले स्थान पर हैं। रोहित के अलावा दुनिया के कुछ अन्य बल्लेबाज भी इस रिकॉर्ड लिस्ट में हैं जिसमें विराट कोहली और बाबर आजम जैसे प्लेयर भी मौजूद हैं। जानते हैं आखिर इस रिकॉर्ड की टॉप 7 की लिस्ट में कौन-कौन खिलाड़ी शामिल हैं।

रोहित ने लगातार 100 वनडे पारियों में लगाए थे 25 शतक

रोहित शर्मा ने 2014 से लेकर 2020 के दौरान वनडे में लगातार 100 पारियां खेली थी और इस दौरान उन्होंने 25 शतक लगाए थे। वहीं इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 2014 से 2019 के बीच वनडे की लगातार 100 इनिंग में 24 शतकीय पारी खेली थी। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स हैं जिन्होंने 2009 से 2015 के बीच वनडे की 100 लगातार पारियों में 20 सेंचुरी जड़ी थी।

चौथे स्थान पर हैं बाबर आजम

वनडे की लगातार 10 पारियों में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर ही साउथ अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हाशिम अमला हैं जिन्होंने 2008 से 2015 के बीच 100 पारियों में 20 शतक लगाए थे। इस लिस्ट में अमला और एबी संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर हैं। वहीं बाबर आजम ने 2015 से लेकर 2023 के बीच लगातार 100 पारियों में 19 शतक लगाकर चौथे स्थान पर हैं। इस लिस्ट में बाबर के साथ चौथे नंबर पर डेविड वॉर्नर भी हैं जिन्होंने साल 2015 से लेकर 2023 के बीच लगातार 100 वनडे पारियों में 19 शतक लगाए थे। लिस्ट में पांचवें नंबर पर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने 1998 से 2002 के बीज 100 वनडे पारियों में 18 शतक लगाए थे।

वनडे प्रारूप में लगातार 100 पारियों में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी

25 - रोहित शर्मा (2014 से 2020)
24 - विराट कोहली (2014 से 2019)
20 - एबी डिविलियर्स (2009 से 2015)
20 - हाशिम अमला (2008 से 2015)
19 - बाबरआजम (2015 से 2023)
19 - डेविड वॉर्नर (2015 से 2023)
18 - सचिन तेंदुलकर (1998 से 2002)

फिल्म 'युधा' में दमदार भूमिका में दिखेंगे सिद्धांत चतुर्वेदी

20 सितंबर को होगी रिलीज

नई दिल्ली। गली ब्वॉय फेम बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही एक नई फिल्म में नजर आने वाले हैं। उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'युधा' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म 'युधा' की रिलीज की तारीख 20 सितंबर तय की गई है। उन्होंने इसकी घोषणा सोशल प्लेटफॉर्म पर की। कैप्शन लिखा- "गुस्से का एक नया नाम"। सिद्धांत ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पहला लुक और उसकी रिलीज डेट शेयर की। तस्वीर में सिद्धांत खून से लथपथ दिखाई दे रहे हैं और उनकी सफेद शर्ट भी खून से सनी है। यही नहीं, उनके एक हाथ में लॉलीपॉप और दूसरे हाथ में बंदूक दिखाई दे रही है। उन्होंने पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा- "गुस्से का एक नया नाम है। युधा 20 सितंबर को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में आ रही है।" इस फिल्म को डायरेक्ट रवि उदयवार ने किया है और इस फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है। सिद्धांत के साथ फिल्म में मालविका मोहनन, गजराज राव, राम कपूर और राघव जुयाल भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। बता दें कि सिद्धांत चतुर्वेदी ने 2016 में आई 'लाइफ सही है' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वे 2017 में आई वेब सीरीज़ 'इनसाइड एज' में नजर आए थे। इस वेब सीरीज में विवेक ओबेरॉय, ऋचा चड्ढा, तनुज विरवानी, अंगद बेदी, सयानी गुप्ता और अन्य भी हैं। हालांकि, उन्हें पहचान 2019 में आई फिल्म 'गली बॉय' से मिली। इसमें उन्होंने एमसी शेर का किरदार निभाया था। इस फिल्म को जोया अख्तर ने डायरेक्ट किया है, जबकि रीमा कागती ने लिखा था। इस फिल्म में रणवीर सिंह ने आलिया भट्ट के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। सिद्धांत ने 'बंटी और बबली 2', 'गहराइयां', 'फोन भूत' जैसी फिल्में भी की हैं। अभिनेता जल्द ही 'धड़क 2' में भी नजर आएंगे।

एमी जैक्सन ने ब्रिटिश एक्टर से की शादी

'सिंग इज ब्लिंग' फेम एक्ट्रेस एमी जैक्सन ने ब्रिटिश अभिनेता और संगीतकार एडवर्ड जैक पीटर वेस्टविक से शादी की है। उनकी डेस्टिनेशन वेडिंग इटली के अमाल्फी बीच पर हुई थी। दोनों ने ईसाई रीति-रिवाज से शादी की। एमी और एडवर्ड ने शादी की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कीं। शादी में एमी जैक्सन और एडवर्ड वेस्टविक दोनों ही बेहद खूबसूरत लग रहे थे। एमी ने शादी के लिए सफेद गाउन ड्रेस चुनी, जबकि एडवर्ड ने काली पैंट के साथ सफेद सूट पहना था। पहली फोटो में एडवर्ड एमी को पास पकड़कर पोज दे रहे हैं, वहीं दूसरी फोटो में दोनों कैमरे की तरफ देखकर पोज दे रहे हैं। एडवर्ड ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन दिया, श्यात्रा अब शुरू होती है.. प्रशंसक एमी जैक्सन और एडवर्ड वेस्टविक दोनों को उनकी नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। एमी की शादी में शामिल हुईं रोहिणी अय्यर। एमी जैक्सन और एडवर्ड वेस्टविक ने इसी साल जनवरी में सगाई की थी। इसके बाद दोनों ने लंदन में सगाई की डिनर पार्टी रखी और करीबी दोस्तों के साथ जश्न मनाया। इसके बाद दोनों ने इटली में शादी कर ली।

एमी जैक्सन की फिल्में

एमी जैक्सन एक लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। उन्होंने बॉलीवुड फिल्मों के साथ-साथ कई साउथ फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने 2012 में फिल्म 'एक दीवाना था' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके साथ स्मिता पाटिल के बेटे प्रतीक बब्बर मुख्य भूमिका में थे। उनकी कुछ मशहूर फिल्में हैं 'येवाडु', 'ऑपरेशन फॉर्च्यून', 'थेरी', 'थंगामगन', 'मद्रासपट्टनम', 'देवी', 'गेथु'।

मैं तेलुगू सिनेमा में जरूर करना चाहूंगी काम : शेफाली शाह

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस शेफाली शाह ने तेलुगू फिल्मों में काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि तेलुगू फिल्मों की कहानी में कला के साथ भव्यता का मिश्रण होता है। शेफाली ने सोमवार को हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने तेलुगू सिनेमा के बारे में बताया कि उन्हें तेलुगू फिल्में बहुत पसंद हैं। उन्होंने कहा, मैं तेलुगू सिनेमा को बहुत पसंद करती हूं। मुझे लगता है कि उनमें कहानी बताने की कला के साथ भव्यता का मिश्रण होता। 'बाहुबली', 'आरआरआर', 'कलकी 2898' या 'सीता रामम' ये सचमुच खुबसूरत फिल्में हैं। अगर मुझे मौका दिया गया तो मैं उनके साथ काम करना पसंद करूंगी। शेफाली के अपने आगामी प्रोजेक्ट की बात करें तो वे अभिनेता जयदीप अहलावत और अभिषेक बनर्जी के साथ 'हिसाब' में दिखाई देंगी। इस फिल्म को विपुल अमृतलाल शाह ने डायरेक्ट किया है। बता दें बीते 1 जुलाई को सनशाइन पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड ने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म की घोषणा की थी। साथ ही प्रोडक्शन कंपनी ने फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक तस्वीर को शेयर किया था। उन्होंने लिखा था- आज, हम जीवन में भावनाओं और जुनून को स्क्रीन पर दिखाने की यात्रा पर निकल पड़े हैं, जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत 'हिसाब' की शुरुआत सनशाइन पिक्चर्स के साथ। बता दें कि शेफाली शाह ने साल 1995 में आई फिल्म 'रंगीला' के साथ अपने एक्टिंग करियर का आगाज किया था। इसके बाद वे 'सत्या', 'मोहब्बतें', 'वक्तः द रेस अगेंस्ट टाइम', 'गांधी, माई फादर', 'कमांडो 2ः द ब्लैक मनी ट्रेल', 'जलसा', 'डार्लिंग्स' और 'थ्री ऑफ अस' जैसी फिल्मों में नजर आईं। एक्ट्रेस शेफाली शाह के पति विपुल अमृतलाल शाह की गिनती बॉलीवुड के नामी डायरेक्टरों में होती है। उन्होंने 'एक महल हो सपनों का' टीवी सीरियल से अपना करियर शुरू किया था।

कंगना रनौत ने ऐतिहासिक प्रधानमंत्री संग्रहालय में 'इमरजेंसी' म्यूजिक एल्बम किया लॉन्च

ऋषि तिवारी

कंगना रनौत ने हाल ही में नई दिल्ली के प्रधानमंत्री संग्रहालय में अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी का म्यूजिक एल्बम लॉन्च किया, जिससे फिल्म के लिए एक ऐतिहासिक माहौल तैयार हुआ। जी.वी. प्रकाश कुमार और अर्को प्रावो मुखर्जी द्वारा रचित और मनोज मुंतशिर द्वारा लिखे गए इस एल्बम में शक्तिशाली गानों और भावपूर्ण धुनों के मिश्रण के साथ 1970 के दशक के सार को खूबसूरती से दशार्या गया है।

इसमें उदित नारायण, नक्श अजीज और नकुल अभ्यंकर द्वारा गाया गया एक प्रभावशाली गाना 'सिंहासन खाली करो' शामिल है, जिसने पहले ही श्रोताओं के दिलों को छू लिया है। अन्य उल्लेखनीय गीतों में हरिहरन का दिल को छू लेने वाला गीत 'ऐ मेरी जान', नकुल अभ्यंकर, नीति मोहन और रोमी की विशेषता वाला जोशीला युद्ध गीत 'शंखनाद कर', मोनाली ठाकुर का मधुर 'बेकारियां' और श्री राम चंद्र द्वारा गाया गया नेतृत्व को श्रद्धांजलि 'सरकार को सलाम है' शामिल हैं। प्रत्येक गीत को फिल्म की शक्ति, प्रतिरोध और मानवीय भावना के विषयों को प्रतिबिंबित करने के लिए तैयार किया गया है, जो साउंडट्रैक को आपातकाल की कहानी का एक सम्मोहक साथी बनाता है।

कंगना रनौत द्वारा लिखित और निर्देशित, 'इमरजेंसी' में वह मुख्य भूमिका में हैं और इसमें अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। जी स्टूडियोज और मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा निर्मित, फिल्म का संगीत संचित बलहारा और जी वी प्रकाश कुमार द्वारा तैयार किया गया है, जबकि पटकथा और संवाद रितेश शाह द्वारा लिखे गए हैं। यह फिल्म 6 सितांबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद मलाइका को फिर हुआ प्यार

मुंबई। मलाइका अरोड़ा कभी अपनी लव लाइफ को लेकर तो कभी बोल्ड फोटोशूट को लेकर सुर्खियों में आ जाती हैं। अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद वह ओलंपिक के दौरान पेरिस में एक संक्षिप्त छुट्टी का आनंद ले रही थीं। उन्होंने इन छुट्टियों की तस्वीरें शेयर की हैं। हाल ही में मलाइका ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए अपनी पेरिस की यादों को ताजा किया। हालांकि, इन तस्वीरों में उनके साथ एक मिस्ट्री मैन को देखकर फैंस हैरान रह गए। मिरर सेल्फी ने कई लोगों का ध्यान खींचा है। इस फोटो को देखने के बाद कहा जा रहा है कि मलाइका को फिर से प्यार हो गया है। मलायका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया गया, जिसमें वह फ्रेंच डिशेज का मजा लेती नजर आ रही थीं। पेरिस की खूबसूरत सड़कों पर घूमते हुए भी देखा गया। इस वेकेशन में उनका स्टाइलिश लुक देखने लायक है। इस वीडियो में वह शहर और ओलंपिक विलेज की खूबसूरत जगहों का आनंद लेती नजर आ रही हैं। उन्होंने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि पेरिस में मेरे 48 घंटे। संपूर्ण अनुभव के लिए ड्रीम सेट गो स्पोर्ट्स को धन्यवाद। मलाइका अरोड़ा की इस वेकेशन फोटो में मिस्ट्री मैन भी नजर आ रही हैं। शख्स को एक्ट्रेस के साथ मिरर सेल्फी लेते देखा गया। मलाइका डीप नेक डेनिम आउटफिट में पोज देती नजर आ रही हैं। इस फोटो को देखने के बाद नेटिजेंस कह रहे हैं कि उन्हें फिर से प्यार हो गया है। इससे पहले मलाइका ने स्पेन में छुट्टियां मना रहे एक मिस्ट्री मैन के साथ तस्वीर पोस्ट की थी। हालाँकि उस आदमी की तस्वीर धुंधली थी, लेकिन यह डेटिंग की अफवाहों को हवा देने के लिए काफी थी। हालांकि अभी ये कहना गलत होगा कि वो कौन है। सोशल मीडिया पर फैंस सवाल कर रहे हैं कि वह शख्स कौन है? हाल ही में मलाइका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट किया, जिसमें लिखा था, आपका सबसे बड़ा रिश्ता आपके दिल, दिमाग और शरीर से है। उनके प्रति दयालु रहें। पिछले कुछ हफ्तों से मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर दोनों के ब्रेकअप की खबरें भी आई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने कई सालों तक एक-दूसरे को डेट किया और बाद में आपसी सहमति से अलग हो गए।

बॉक्स ऑफिस पर 'स्त्री-2' के सामने फेल हुई फिल्म 'खेल-खेल में' और 'वेदा'

स्वतंत्रता दिवस पर बॉक्स ऑफिस पर तीन बड़ी फिल्में रिलीज हुईं। अक्षय कुमार की 'खेल-खेल में' और जॉन अब्राहम की 'वेदा' में श्रद्धा कपूर की स्त्री-2 का दबदबा ज्यादा नजर आ रहा है। स्त्री-2 ने प्री-बुकिंग में भी करोड़ों की कमाई की, इसके बाद पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की। छह दिन बाद भी फिल्म अभी भी चल रही है। सैनिक की एक रिपोर्ट के मुताबिक स्त्री-2 ने छठे दिन 25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। यह फिल्म का अब तक का सबसे कम कलेक्शन है। रेवेन्यू में 31.84 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद 'स्त्री-2' 250 करोड़ रुपये क्लब में शामिल हो गई है। 'खेल-खेल में' का ट्रेलर फैंस को काफी पसंद आया था, इसलिए फिल्म से काफी उम्मीदें थीं। अक्षय कुमार, वाणी कपूर, तापसी पन्नू, फरदीन खान और एमी विर्क से सजी 'खेल खेल में' का बजट 100 करोड़ रुपये है। फिल्म खेल खेल में ने पहले दिन 5.05 करोड़ रुपये की कमाई की है। दूसरे दिन फिल्म ने 2.05 करोड़, 3.1 करोड़, 3.85 करोड़ और 2 करोड़ का कलेक्शन किया। लेकिन छह दिनों में फिल्म सिर्फ 17.15 करोड़ ही कमा पाई है। जॉन अब्राहम की एक्शन से भरपूर फिल्म 'वेदा' को क्रिटिक्स ने भी खूब सराहा था। फिल्म की ओपनिंग तो अच्छी रही, लेकिन स्त्री-2 और वेदा की वजह से फिल्म दर्शकों को पसंद नहीं आई। फिल्म वेदा ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 6.3 करोड़ का कलेक्शन किया। फिल्म ने दूसरे दिन 1.8 करोड़ और तीसरे दिन 2.7 करोड़ का कलेक्शन किया। चौथे दिन इस फिल्म का कलेक्शन 3.2 करोड़ और पांचवें दिन 1.5 करोड़ रहा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म वेदा की छठे दिन की कमाई 60 लाख रुपये है। इसके चलते फिल्म वेद का कुल 6 दिन का कलेक्शन 16.10 करोड़ रुपये हो गया है।

रेस 4 में काम करेंगे सैफ अली खान

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान फिल्म रेस 4 में काम करते नजर आ सकते हैं। रमेश तौरानी निर्मित रेस फ्रेंचाइजी के तीन पार्ट रिलीज हो चुके हैं। इनमें से रेस और रेस 2 में सैफ अली खान लीड रोल में नजर आए थे, वहीं रेस 3 में सलमान खान नजर आए थे।सैफ अली खान को रेस 4 में फिर से कास्ट किया जा सकता है। रेस फ्रेंचाइजी की शुरुआत वर्ष 2008 में प्रदर्शित फिल्म रेस से हुई थी। इस फिल्म में सैफ अली खान के साथ अक्षय खन्ना और अनिल कपूर मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। इसके बाद साल वर्ष 2013 में प्रदर्शित रेस 2 में सैफ अली खान और अनिल कपूर के साथ जॉन अब्राहम नजर आयें। वर्ष 2018 में रेस 3 में सलमान खान के साथ बॉबी देओल नजर आये। अब रेस 4 बनने की चर्चा जोरों पर है और इसमें सैफ मुख्य भूमिका निभा सकते हैं।